STAY INFORMED, STAY AHEAD — MONTHLY EDITION — AUGUST 2026

CURRENT AFFAIRS

KNOWLEDGE | ANALYSIS | EXAM FOCUS | REAL PERSPECTIVE

The Complete Monthly Update

AUGUST 2026

COMPLETE COVERAGE OF

- ✔ INTERNATIONAL ISSUES
- ✔ NATIONAL UPDATES
- ✔ GOVERNMENT SCHEMES
- ✔ ECONOMY & BANKING
- ✔ ENVIRONMENT & CLIMATE
- ✔ SCIENCE & TECHNOLOGY
- ✔ DEFENCE UPDATES
- ✔ SPORTS HIGHLIGHTS

Knowledge Today A Stronger Tomorrow

INTERNATIONAL	ECONOMY	GOVERNMENT SCHEMES	ENVIRONMENT	DEFENCE	SCIENCE & TECH	SPORTS
Key Global Developments & Diplomatic Relations	Market Trends, Inflation, RBI Policies & More	New Initiatives & Welfare Programs	Climate Change, Conservation & Sustainability	Military Exercises, Weapon Systems & Strategic News	Innovations, Space Missions & Tech Updates	Major Events, Records & Indian Achievements

EXCLUSIVE INSIDE | IMPORTANT NEWS ANALYSIS | FACTS & FIGURES | EXAM ORIENTED POINTS | ONE-LINERS & MCQS

Result Mitra®
LEARN | ANALYSE | SUCCEED

INDEX

Chapter 1

राष्ट्रीय घटनाक्रम "(National Current Affairs")

1. वंदे मातरम को राष्ट्रगान के समान कानूनी संरक्षण मिला
2. भारत के पहले मृदा संरचना मानचित्र का विकास
3. लद्दाख में जनगणना 2027
4. इंदौर में भारत का पहला वर्चुअल चिड़ियाघर
5. वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए भारतीय मानक समय (IST) को अनिवार्य बनाया गया
6. इज्जतनगर डिवीजन के लिए 'कवच 4.0' स्वीकृत
7. थिकसे मठ, लद्दाख
8. उज्जैन में अशोक-कालीन बौद्ध स्थल 'वैश्य टेकरी' पर नए उत्खनन
9. स्वतंत्रता दिवस 2026
10. प्याज की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए 'कांदा एक्सप्रेस' सेवा की शुरुआत
11. 'सुजलम भारत' डेटा साझाकरण और अंतरसंचालनीयता नीति 2026
12. पारीछा बांध को 'विश्व धरोहर सिंचाई संरचना' (WHIS) की मान्यता
13. धिमसा नृत्य और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड
14. भारत सरकार द्वारा अरुणाचल प्रदेश में 27 स्थानों का आधिकारिक मानचित्रण
15. एनएसजी का पहला 'महिला कमांडो कन्वर्जन कोर्स'
16. 'अपराजिता - परांग ला 2026'
17. इंडिया पोस्ट की पहली ड्रोन डिलीवरी

Chapter 2

अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम "(International Current Affairs")

1. प्रधानमंत्री मोदी की उज़्बेकिस्तान यात्रा
2. भारत-जापान स्टार्टअप और नवाचार सहयोग
3. ओंटारियो झील का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' किया गया
4. भारत-सेशेल्स ब्लू इकोनॉमी सहयोग (अगस्त 2026)
5. भोपाल घोषणा-पत्र: ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक (2026)
6. भारत-न्यूजीलैंड रक्षा रणनीतिक संवाद
7. 9वां राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन 2026
8. भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग: समसामयिक आयाम
9. भारत-ब्राजील दूरसंचार और आईसीटी समझौता
10. 8वां ब्रिक्स युवा ऊर्जा शिखर सम्मेलन 2026
11. भारत-चीन सीमा के प्रमुख दर्रे
12. कोलंबिया में 7.4 तीव्रता का भूकंप
13. ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट
14. नाउरू का नाम परिवर्तन: 'रिपब्लिक ऑफ नाओएरो'
15. मक्का संयुक्त रक्षा पैक्ट 2026

Chapter 3

अर्थव्यवस्था (ECONOMY)

1. GI टैग
2. यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI)
3. PM CARES फंड
4. भारत में जहाजों की रीसाइक्लिंग
5. भारत का विनिर्माण पारितंत्र
6. भारत का कारोबारी परिवेश
7. ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC)
8. भारत के व्यापारिक समझौते
9. भारत में चीनी की कीमत में वृद्धि
10. भारत में R&D (अनुसंधान एवं विकास) निवेश: नीति आयोग रिपोर्ट
11. भारत में नारियल क्षेत्र
12. भारतीय रुपया: अधिक मूल्यांकन से निम्न मूल्यांकन तक
13. SEBI का IT रेजिलिएंस इंडेक्स (ITRI)
14. शहरी सहकारी बैंकों का लाइसेंसिंग ढाँचा

Chapter 4

राजव्यवस्था और शासन (Polity & Governance)

1. लद्दाख में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय की पीठ की स्थापना
2. चुनावों में काले धन पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश
3. गोरखालैंड आंदोलन और स्वायत्तता की माँग
4. आंध्र प्रदेश पैदल चलने का अधिकार देने वाला पहला राज्य बना
5. मानसून सत्र 2026 में पिछले कई दशकों में सबसे कम कामकाज दर्ज
6. बार काउंसिल और NALSAR विवाद
7. सुप्रीम कोर्ट के डिजिटल अरेस्ट घोटालों पर नए निर्देश
8. न्यायिक सेवा के लिए अभ्यास की अनिवार्यता में कटौती

Chapter 5

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (Science and Technology)

1. वैक्यूम बाइरिफ्रिंजेंस (Vacuum Birefringence) - वैक्यूम द्विअपवर्त
2. ज्ञाने अर्थ (Gnani Artha) सार्वभौम AI स्टैक
3. सबसी केबल इंफ्रास्ट्रक्चर (Subsea Cable Infrastructure)
4. नेन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप (NASA द्वारा लॉन्च)
5. CSIR-NAL के स्वदेशी माइक्रो और स्मॉल गैस टरबाइन इंजन
6. गर्भिणी मित्र पाठ्यक्रम (Garbhini Mitra Course)
7. कैंसर रोधी दवा 'RK-251'
8. महाराष्ट्र ने सर्पदंश से होने वाली मौतों को 'अधिसूचित बीमारी' घोषित किया
9. हाइब्रिड मैग्नेटो-रियोमीटर (Hybrid Magneto-Rheometer)
10. विहान (VIHAAN): भारत का पहला स्वदेशी ब्रॉडबैंड नेटवर्किंग चिप
11. एवरेस्ट (EVEREST) रॉकेट इंजन

Chapter 6

पर्यावरण (Environment)

1. प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना
2. पश्चिमी घाट संरक्षण एवं पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ESA) विवाद
3. राष्ट्रीय रिपोर्ट: भारतीय EEZ के गहरे समुद्र और दूरस्थ जल मत्स्य संसाधन
4. (National Report on Deep-Sea and Distant-Water Fishery Resources of the Indian EEZ)
5. UNCCD COP17
6. उत्तर भारत/बंगाल की खाड़ी के ऊपर असामान्य ओजोन परत
7. 'क्लाउडेड लेपर्ड संरक्षण कार्य योजना' (CAP)
8. असम में बाढ़
9. लू (Heatwave) और तड़ित/बिजली (Lightning) को 'अधिसूचित प्राकृतिक आपदा' घोषित किया गया।

Chapter 7

रक्षा (DEFENCE)

1. आईएनएस श्रुति (INS Shruti) - नेक्स्ट जेनरेशन ऑफशोर पेट्रोल वेसल
2. AK-203 'शेर' असॉल्ट राइफल (AK-203 'Sher' Assault Rifle)
3. भारतीय नौसेना का पहला बहुउद्देश्यीय पोत 'समर्थक' (INS Samarthak)
4. भारतीय नौसेना – यूएस नौसेना EOD अभ्यास 2026
5. अभ्यास 'मैत्री-XV' (Exercise MAITREE-XV)

Chapter 8

खेलकूद (Sports)

1. राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025
2. FIH पुरुष और महिला हॉकी विश्व कप 2026
3. डूरंड कप 2026
4. संशोधित खेलो इंडिया योजना
5. ऋषभ पंत - टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के
6. आर. प्रज्ञानानंद की ऐतिहासिक जीत: ग्रैंड चेस टूर 2026
7. नॉर्थ ईस्ट जोन शूटिंग चैंपियनशिप
8. तुआंकू मुहरिज़ ट्रॉफी 2026
9. महिला अफ्रीका कप ऑफ नेशंस 2026

Chapter 9

महत्वपूर्ण पुरस्कार (Important Award)

1. संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप और पुरस्कार (वर्ष 2024 और 2025)
2. सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक
3. प्रोफेसर दीपक धर को डिराक मेडल 2026
4. राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार 2026
5. प्रधानमंत्री मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान
6. मिस यूनिवर्स इंडिया 2026
7. राष्ट्रमंडल खेल 2026
8. भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी

Chapter 10

सरकारी योजनाएं (Government Schemes)

1. गोबरधन (GOBARdhan): राष्ट्रीय चक्रीय जैव ऊर्जा योजना
2. 'समुद्र मंथन' राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना
3. वन हर्ब, वन स्टैंडर्ड' पहल का नवीनीकरण
4. SHINE कार्यक्रम
5. PM-KISAN योजना का वित्त वर्ष 2030-31 तक विस्तार
6. प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PM-VBRY)
7. कंटेनर विनिर्माण सहायता योजना(Container Manufacturing Assistance Scheme ,CMAS)
8. PMFME योजना (प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना)
9. प्रधानमंत्री जन धन योजना (PM-JDY):
10. 'वेत्री वानमगल' योजना: तमिलनाडु सरकार
11. 'फ्रेंड्स ऑफ MY भारत' पहल
12. 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान'
13. टेरियर साइबर क्वेस्ट 2026 (TCQ 3.0)

Chapter 11

विविध (VARIOUS)

1. चर्चित व्यक्तित्व (नियुक्ति + निधन + अन्य)

मिर्ज़ा फखरुल इस्लाम आलमगीर: बांग्लादेश के 23वें राष्ट्रपति

1. एयर मार्शल तेजपाल सिंह - डिप्टी चीफ ऑफ एयर स्टाफ
2. वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद - डिप्टी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ
3. हाकाइंदे हिचिलेमा का जाम्बिया के राष्ट्रपति के रूप में पुनर्निर्वाचन
4. एबेलार्डो डे ला एस्प्रीएला - कोलंबिया के राष्ट्रपति
5. रामनाथ कोविंद की आत्मकथा
6. फिल्म निर्माता कुकू कोहली का निधन
7. डॉ. गुरदयाल सिंह ढिल्लों की जयंती
8. डॉ. डी. वाई. पाटिल का निधन
9. नॉर्वे के नए सम्राट - किंग हाकन आठवीं
10. डॉली पार्टन का 80 वर्ष की आयु में निधन
11. वरिष्ठ अभिनेत्री 'सावकार' जानकी का निधन
12. अगस्त 2026 के सभी महत्वपूर्ण दिवस:

वंदे मातरम को राष्ट्रगान के समान कानूनी संरक्षण मिला

चर्चा में क्यों?

अगस्त 2026 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) अधिनियम, 2026' को औपचारिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इसके साथ ही, अब राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का अपमान करना या इसके गायन में बाधा उत्पन्न करना राष्ट्रगान के अपमान के समान गंभीर अपराध बन गया है।

प्रमुख कानूनी प्रावधान:

- **मूल अधिनियम में संशोधन:** यह नया कानून वर्ष 1971 के 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम' की धारा 3 में संशोधन करके लागू किया गया है।
- **दंडात्मक प्रावधान:** यदि कोई व्यक्ति 'वंदे मातरम' के गायन को जानबूझकर रोकता है या इसके गायन में संलग्न सभा में व्यवधान उत्पन्न करता है, तो उसे **अधिकतम 3 वर्ष तक की कैद, जुर्माना या दोनों** की सजा हो सकती है।
- **गृह मंत्रालय (MHA) का नया प्रोटोकॉल:** सरकार द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, यदि किसी आधिकारिक समारोह में राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत दोनों का गायन किया जाना है, तो **'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान से पहले** गाया या बजाया जाएगा।

ऐतिहासिक एवं संवैधानिक पृष्ठभूमि:

- **रचना और प्रकाशन:** बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा वर्ष 1875 में रचित इस गीत को उनके प्रसिद्ध उपन्यास **'आनंदमठ' (1882)** में स्थान दिया गया था।
- **प्रथम राजनीतिक गायन:** वर्ष 1896 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) के कलकत्ता अधिवेशन में इसे पहली बार गाया गया था।
- **स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:** वर्ष 1905 के बंगाल विभाजन के दौरान चले स्वदेशी आंदोलन में यह गीत भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों का मुख्य प्रेरणा स्रोत और नारा बन गया था।
- **संवैधानिक स्थिति और विधिक शून्यता:** संविधान सभा द्वारा 24 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्रगान के बराबर सम्मान देने की घोषणा की गई थी, किंतु अनुच्छेद 51A(a) (मौलिक कर्तव्य) और 1971 के मूल कानून में केवल 'राष्ट्रगान' और 'राष्ट्रीय ध्वज' का उल्लेख था। इस नए संशोधन ने इसी कानूनी शून्यता को समाप्त कर दिया है।

भारत के पहले मृदा संरचना मानचित्र का विकास:

चर्चा में क्यों?

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के अधीन कार्यरत राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो (NBSS&LUP) ने भारत का पहला **मृदा संरचना मानचित्र** विकसित किया है, जो देश भर में हेक्टेयर स्तर पर विस्तृत मृदा वर्गीकरण का डिजिटल डेटा प्रदान करता है।

प्रमुख विवरण :

- **संस्थान की पृष्ठभूमि:** NBSS&LUP का मुख्यालय नागपुर, महाराष्ट्र में स्थित है। हाल ही में इस ब्यूरो ने 1976 में वर्तमान दर्जा प्राप्त होने के 50 वर्ष पूरे होने पर अपना स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस मनाया है।

- **मृदा बनावट का अर्थ:** मृदा की बनावट से तात्पर्य मृदा के नमूने में रेत, गाद और चिकनी मिट्टी के सापेक्ष अनुपात से है, जो मृदा वर्गीकरण और फसल उपयुक्तता का एक मूलभूत भौतिक गुण है।
- **प्रयुक्त आधुनिक तकनीकें:** यह मानचित्र क्षेत्रीय अध्ययनों, रिमोट सेंसिंग, उपग्रह इमेजरी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग करके भू-स्थानिक विश्लेषण के आधार पर तैयार किया गया है।
- **नीतिगत और ग्राम-स्तरीय अनुप्रयोग:** यह डेटा क्षेत्र-विशिष्ट कृषि नीतियों, फसल नियोजन, सिंचाई डिजाइन और सरकारी एजेंसियों द्वारा कृषि संसाधनों के सटीक आवंटन में सहायता करता है।
- **भविष्य की योजना:** NBSS&LUP द्वारा अगली परियोजना के रूप में मिट्टी की जल धारण और अवशोषण क्षमता को दर्शाने वाले मानचित्र विकसित किए जाने की योजना है।

ICAR के बारे में:

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (DARE), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन है।
- इसकी स्थापना 16 जुलाई 1929 को हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

लद्दाख में जनगणना 2027:

चर्चा में क्यों?

लद्दाख ने 17 अगस्त 2026 से **जनगणना 2027 के दूसरे चरण** के अंतर्गत 'स्व-गणना' की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है, जिससे यह भौगोलिक व मौसमी चुनौतियों के कारण देश में इस प्रक्रिया का नेतृत्व करने वाला पहला क्षेत्र बन गया है।

मुख्य बिंदु:

- **अग्रिम जनगणना:** लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हिमपात से ढके दुर्गम क्षेत्रों में जनसंख्या गणना का चरण **1 सितंबर से 30 सितंबर 2026** तक आयोजित किया जा रहा है (पुनरीक्षण दौर: 1 से 5 अक्टूबर 2026)। शेष भारत में यह कार्य फरवरी-मार्च 2027 में होगा।
- **संदर्भ तिथि:** लद्दाख और अन्य हिम-बद्ध क्षेत्रों के लिए जनगणना की संदर्भ तिथि **1 अक्टूबर 2026** (रात 12:00 बजे) निर्धारित की गई है।
- **स्वतंत्र भारत की पहली जाति गणना:** जनगणना 2027 के इस चरण में स्वतंत्र भारत में पहली बार सभी समुदायों की जाति-आधारित गणना एक खुले कॉलम के तहत की जा रही है।
- **डिजिटल जनगणना और रणनीतिक अपवाद:** यह देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना है (मोबाइल ऐप्स और ऑनलाइन पोर्टल द्वारा)। हालांकि, लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के पास स्थित संवेदनशील रक्षा प्रतिष्ठानों और रणनीतिक क्षेत्रों को जियो-टैगिंग के खुलासे से बचाने के लिए कागजी अनुसूचियों का उपयोग किया जा रहा है।
- **वैधानिक आधार:** यह संपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया **जनगणना अधिनियम, 1948** के प्रावधानों के तहत संचालित की जा रही है।

इंदौर में भारत का पहला वर्चुअल चिड़ियाघर

चर्चा में क्यों?

16 अगस्त 2026 को मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित कमला नेहरू प्राणी उद्यान में देश के **पहले 14-D वर्चुअल चिड़ियाघर और वर्चुअल जंगल सफारी** का आधिकारिक उद्घाटन किया गया है।

मुख्य विवरण एवं तकनीकी विशेषताएँ:

- **उद्देश्य:** बिना किसी वास्तविक जीव को पिंजरे में कैद किए, आधुनिक तकनीकों के माध्यम से आम नागरिकों और विद्यार्थियों को वन्यजीवों व उनके प्राकृतिक आवास का सजीव और शिक्षाप्रद अनुभव प्रदान करना।
- **विकास मॉडल:** यह अत्याधुनिक परियोजना **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP Model)** के तहत विकसित की गई है, जिसकी कुल लागत लगभग ₹4.5 करोड़ है और यह 8,000 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैली है।
- **प्रयुक्त तकनीकें:** इसमें वर्चुअल रियलिटी (VR), 3D डोम थिएटर, होलोग्राफी और 14-D सिनेमा का समावेश किया गया है।
- **सेंसरी इफेक्ट्स:** 14-D थिएटर में मोशन सीट्स के साथ-साथ हवा, पानी की बौछार, कोहरा, कंपन और खुशबू जैसे 14 भौतिक प्रभावों का समन्वय किया गया है ताकि दर्शकों को वास्तविक जंगल जैसा जीवंत अनुभव मिल सके।

वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए भारतीय मानक समय (IST) को अनिवार्य बनाया गया

चर्चा में क्यों?

27 अगस्त 2026 को केंद्र सरकार ने 'विधिक मापविज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2026' को अधिसूचित किया है, जिसके तहत सरकारी और व्यावसायिक कार्यों के लिए भारतीय मानक समय (IST) को एकमात्र राष्ट्रीय समय संदर्भ के रूप में अनिवार्य कर दिया गया है।

नियम के प्रमुख बिंदु:

- **सांविधिक ढांचा:** ये नियम विधिक मापविज्ञान अधिनियम, 2009 की धारा 52 के तहत बनाए गए हैं।
- **कार्यान्वयन अवधि:** यह नियम राजपत्र में प्रकाशन के **180 दिन बाद (मार्च 2027 के आसपास)** से प्रभावी होंगे। इस अवधि के भीतर सभी निजी व सरकारी संगठनों को अपने सिस्टम को अपग्रेड करना होगा।
- **तकनीकी नोडल संस्थान:** भारत में राष्ट्रीय समय-संदर्भ (IST) को बनाए रखने और प्रसारित करने का कार्य **CSIR-राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला (CSIR-NPL)** द्वारा किया जाता है। IST दरअसल CSIR-NPL का एक पंजीकृत ट्रेडमार्क है।
- **विदेशी प्रणालियों पर रोक:** स्पष्ट सरकारी अनुमति के बिना किसी भी वैकल्पिक या विदेशी समय संदर्भ (जैसे GPS समय) का उपयोग करना वर्जित होगा। इसकी जगह भारत की स्वदेशी उपग्रह नेविगेशन प्रणाली **'नाविक'** और स्वीकृत भारतीय स्रोतों का उपयोग किया जाएगा।

इज्जतनगर डिवीजन के लिए 'कवच 4.0' स्वीकृत

चर्चा में क्यों?

12 अगस्त 2026 को भारतीय रेलवे ने पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर डिवीजन के 660 रूट किलोमीटर क्षेत्र में लॉन्ग-टर्म इवोल्यूशन कम्युनिकेशन बैकबोन के साथ 'कवच संस्करण 4.0' की तैनाती को मंजूरी दी है, जिसकी अनुमानित लागत ₹295 करोड़ है।

सम्बंधित मुख्य बिंदु:

- **कवच क्या है:** यह भारत की स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जिसे सिग्नल पार करने की घटनाओं और ट्रेनों की टक्कर को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **विकास और इतिहास:** इसे 2012 से 'ट्रेन टक्कर परिहार प्रणाली' के रूप में विकसित किया गया था तथा RDSO द्वारा घरेलू उद्योगों के सहयोग से तैयार कर 2020 में राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया गया।
- **SIL-4 प्रमाणन:** यह प्रणाली सेफ्टी इंटीग्रिटी लेवल-4 (SIL-4) प्रमाणित है, जो सुरक्षा का उच्चतम वैश्विक स्तर है और इसमें त्रुटि की संभावना 10 लाख में केवल 1 बार होती है।
- **कार्य प्रणाली और सुरक्षा:** यह सिस्टम 160 किमी/घंटा तक की गति को नियंत्रित करता है, लाल सिग्नल की अनदेखी करने पर स्वचालित ब्रेक लगाता है, और आमने-सामने या पीछे से होने वाली टक्करों को रोकता है।

थिकसे मठ, लद्दाख

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अमेरिकी राजदूत के लद्दाख स्थित ऐतिहासिक **थिकसे मठ** के दौरे के बाद यह सामरिक और सांस्कृतिक रूप से पुनः सुर्खियों में आया है।

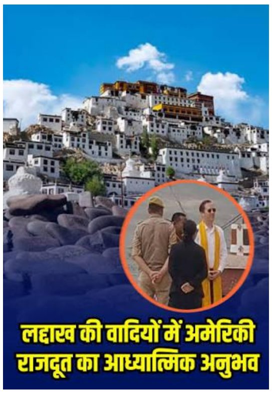

प्रमुख तथ्य:

- **अवस्थिति:** यह लेह, लद्दाख से लगभग 19 किलोमीटर पूर्व में सिंधु घाटी में एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है।
- **स्थापना व संप्रदाय:** इसकी स्थापना **वर्ष 1433** में हुई थी और यह तिब्बती बौद्ध धर्म के **गेलुगपा (येलो हैट)** संप्रदाय से संबंधित है।
- **स्थापत्य कला ('मिनी पोताला'):** यह मध्य लद्दाख का सबसे बड़ा मठ है। इसकी 12-मंजिला सीढ़ीनुमा वास्तुकला तिब्बत के ल्हासा स्थित प्रसिद्ध 'पोताला पैलेस' जैसी है, जिस कारण इसे 'लद्दाख का मिनी पोताला' भी कहा जाता है।
- **प्रमुख आकर्षण:** यहाँ भविष्य के बुद्ध माने जाने वाले **भगवान मैत्रेय बुद्ध** की 15 मीटर (48 फीट) ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित है, जिसे 1980 के दशक में बनाया गया था।
- **सांस्कृतिक उत्सव:** यहाँ का प्रसिद्ध **'थिकसे गस्टर फेस्टिवल'** बहुत लोकप्रिय है, जिसमें बौद्ध लामाओं द्वारा 'चैम' मुखौटा नृत्य किया जाता है।

उज्जैन में अशोक-कालीन बौद्ध स्थल 'वैश्य टेकरी' पर नए उत्खनन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (**ASI**) द्वारा उज्जैन स्थित प्राचीन बौद्ध स्थल **'वैश्य टेकरी'** पर नए सिरे से उत्खनन (खोदाई) करने की योजना की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य इस ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण और उसके प्राचीन स्वरूप का पता लगाना है।

महत्वपूर्ण विवरण:

- **अवस्थिति:** वैश्य टेकरी (अंडसा/कानीपुरा क्षेत्र), उज्जैन, मध्य प्रदेश।
- **ऐतिहासिक काल:** लगभग तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व, जो मौर्य सम्राट अशोक के शासनकाल से संबंधित है।
- **ऐतिहासिक महत्त्व:** ब्रिटिशकालीन रिपोर्टों के अनुसार, यह स्तूप लगभग 350 फीट व्यास और 100 फीट ऊंचा है, जो आकार में **सांची के महान स्तूप से भी बड़ा** माना जाता है।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
    - अशोक सम्राट बनने से पहले अवंती के वाइसराय (गवर्नर) थे, और उज्जैन उनका मुख्यालय था।
    - स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इसका निर्माण अशोक की पत्नी **देवी** (जो संघमित्रा और महेंद्र की माता थीं) की प्रेरणा से हुआ था।
- **पिछली बाधा (1938-39):** ग्वालियर रियासत के समय यहाँ आंशिक खोदाई की गई थी, परंतु जहरीली गैस के रिसाव जैसी तकनीकी और सुरक्षा समस्याओं के कारण कार्य रोकना पड़ा था।
- **वास्तुकला विशेषता:** इसके भीतरी भाग में ठोस मुरम और बाहरी हिस्से में बड़ी ईंटों व मिट्टी की जुड़ाई का अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है।

स्तूप वास्तुकला और बौद्ध परंपरा:

- **संरचना:** स्तूप मूल रूप से एक अर्धगोलाकार टीला होता है, जिसमें महात्मा बुद्ध या अन्य प्रमुख बौद्ध भिक्षुओं के अवशेष सुरक्षित रखे जाते हैं।
- **अशोकावदान के साक्ष्य:** इसके अनुसार, सम्राट अशोक ने बुद्ध के मूल अवशेषों को विभाजित कर देश के महत्वपूर्ण नगरों में भेजा था और उन पर भव्य स्तूपों का निर्माण करवाया था।

स्वतंत्रता दिवस 2026

चर्चा में क्यों?

15 अगस्त 2026 को भारत ने अपना **80वां स्वतंत्रता दिवस** मनाया, जो ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्ति के 79 वर्ष पूरे होने का ऐतिहासिक प्रतीक है।

मुख्य बिंदु:

Result Mitra

- **मुख्य थीम (विषय):** वर्ष 2026 के समारोह का मुख्य विषय **"वंदे मातरम के 150 वर्ष"** और **"विकसित भारत@2047 के लिए युवा शक्ति"** था।
- **ऐतिहासिक प्रसंग (वंदे मातरम):** लाल किले की प्राचीर से इस वर्ष पहली बार राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का गायन किया गया, क्योंकि इसकी रचना (1875) के 150 वर्ष (7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026) पूर्ण हो रहे हैं।
- **ध्वजारोहण परंपरा:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से लगातार 13वीं बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया। (तथ्य: 15 अगस्त को प्रधानमंत्री लाल किले पर झंडा फहराते हैं, जबकि 26 जनवरी को राष्ट्रपति कर्तव्य पथ पर)।
- **हर घर तिरंगा अभियान:** राष्ट्रीय समारोह से परे आम नागरिकों की व्यक्तिगत भागीदारी और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान व्यापक स्तर पर चलाया गया।

तकनीक, रक्षा और नवाचार फोकस:

- **स्वदेशी प्रौद्योगिकी:** समारोह में 6G परीक्षण, सेमीकंडक्टर मिशन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) को भारत के तकनीकी विकास के रूप में प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।
- **आत्मनिर्भर रक्षा:** पहली बार लाल किले के समारोह में उपयोग किए जाने वाले सभी प्रमुख सैन्य उपकरण पूर्ण रूप से भारत में स्वदेशी रूप से निर्मित किए गए।
- **डिजिटल इंडिया भाषिनी:** प्रधानमंत्री के भाषण का 22 से अधिक भारतीय भाषाओं में वास्तविक समय (Real-time) अनुवाद उपलब्ध कराया गया।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- **स्वतंत्रता अधिनियम:** ब्रिटिश संसद द्वारा 18 जुलाई 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 को राजकोषीय स्वीकृति प्राप्त हुई, जिसके तहत 14-15 अगस्त की मध्यरात्रि को सत्ता का हस्तांतरण हुआ।
- **राष्ट्रीय ध्वज:** संविधान सभा द्वारा **22 जुलाई 1947** को वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) को अपनाया गया था।

अवसर देश की आर्थिक प्रगति, युवा ऊर्जा और तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करता है।

प्याज की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए 'कांदा एक्सप्रेस' सेवा की शुरुआत

चर्चा में क्यों?

24 अगस्त 2026 को केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र से उच्च मूल्य वाले बाजारों तक बफर-स्टॉक प्याज को तेजी से पहुंचाने के लिए 'कांदा एक्सप्रेस' की शुरुआत की है, क्योंकि औसत प्याज की कीमतें ₹42 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं और इसमें साल-दर-साल 45% की वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्य बिंदु:

- **संचालन और मार्ग:** इस विशेष रेल सेवा के माध्यम से नासिक से दिल्ली, चेन्नई, कोच्चि और गुवाहाटी जैसे प्रमुख उपभोग केंद्रों तक प्याज का परिवहन किया जा रहा है, जहां दिल्ली में कीमत लगभग ₹65 प्रति किलोग्राम और चेन्नई में ₹58 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई थी।
- **खरीद और एजेंसी:** NAFED (भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ) और NCCF (भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ) ने लगभग 1.2 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक खरीदा है।
- **उत्पादन चिंता:** महाराष्ट्र में कम बुआई क्षेत्र के कारण खरीफ प्याज के उत्पादन में 5 से 7 प्रतिशत की गिरावट आने की आशंका है, जिसके कारण यह हस्तक्षेप आवश्यक हो गया है।

इसी तरह की 'कांदा एक्सप्रेस' का संचालन अक्टूबर 2024 में भी प्याज की कीमतों को स्थिर करने के लिए सफलतापूर्वक किया गया था।

'सुजलम भारत' डेटा साझाकरण और अंतरसंचालनीयता नीति 2026

चर्चा में क्यों?

20 अगस्त 2026 को जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा **'सुजलम भारत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI)'** के तहत **'डेटा साझाकरण, अंतरसंचालनीयता और हितधारक पहुंच नीति 2026'** जारी की गई है, जो ग्रामीण पेयजल क्षेत्र में डेटा-संचालित गवर्नेंस को बढ़ावा देती है।

मुख्य विवरण एवं तथ्य:

- **नोडल मंत्रालय:** जल शक्ति मंत्रालय (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग)।
- **मुख्य उद्देश्य:** राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, ग्राम पंचायतों और अधिकृत हितधारकों के बीच ग्रामीण पेयजल डेटा के सुरक्षित, नियंत्रित और निर्बाध आदान-प्रदान के लिए एक संस्थागत ढांचा प्रदान करना।
- **रणनीतिक बदलाव:** यह नीति ग्रामीण पेयजल क्षेत्र को केवल 'बुनियादी ढांचे के निर्माण' से आगे बढ़ाकर 'जवाबदेह और सेवा-उन्मुख वितरण' पर केंद्रित करती है।
- **प्रमुख विशेषताएं:**
  - **फेडरेटेड आर्किटेक्चर:** डेटा गवर्नेंस के लिए विकेन्द्रीकृत लेकिन सुरक्षित और सम्बद्ध ढांचे की स्थापना।
  - **सुजल गांव आईडी:** इसके तहत प्रत्येक ग्रामीण बस्ती को एक अनूठी आईडी दी जा रही है (अगस्त 2026 तक लगभग 75% बस्तियाँ कवर)।
  - **पीएम गतिशक्ति एकीकरण:** योजना और पारदर्शिता में सुधार के लिए जल प्रणालियों के डेटा का पीएम गतिशक्ति प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण।
  - **उन्नत तकनीक:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डिजिटल ट्विन्स और पूर्वानुमान-आधारित रखरखाव का उपयोग।
  - **डेटा सुरक्षा:** निजता, व्यक्तिगत डेटा संरक्षण और साइबर सुरक्षा हेतु 'टियर-आधारित डेटा एक्सेस' का प्रावधान।

यह नीति जल जीवन मिशन 2.0 के लक्ष्यों के अनुरूप ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने, सामुदायिक स्वामित्व स्थापित करने तथा ग्रामीण जल उपयोग की वास्तविक समय निगरानी करने में अत्यंत सहायक है।

पारीछा बांध को 'विश्व धरोहर सिंचाई संरचना' (WHIS) की मान्यता

चर्चा में क्यों?

13 अगस्त 2026 को अंतर्राष्ट्रीय सिंचाई एवं जल निकासी आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश के झाँसी स्थित 140 वर्ष पुराने **पारीछा बांध** को 'विश्व धरोहर सिंचाई संरचना' के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

इससे सम्बंधित प्रमुख बिंदु:

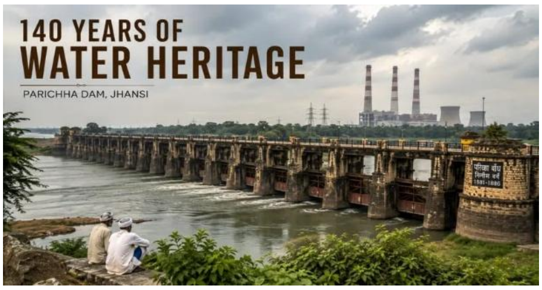

- **अवस्थिति व नदी:** यह बांध उत्तर प्रदेश के झाँसी जिले में **बेतवा नदी** पर बनाया गया है (बेतवा नदी यमुना की एक प्रमुख सहायक नदी है)।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** इस बांध का निर्माण कार्य वर्ष 1881 में शुरू हुआ था और इसकी नहर प्रणाली **वर्ष 1886** में चालू हुई थी। बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए इस नहर प्रणाली का विचार सबसे पहले 1855 में कैप्टन स्ट्रैची द्वारा प्रस्तावित किया गया था।
- **आकार व विशेषताएं:** यह 1,174 मीटर लंबा और नदी तल से 16.8 मीटर ऊंचा है। इसमें 318 स्टील फॉलिंग शटर लगे हैं, जो इसके जल संग्रहण और प्रबंधन को प्रभावी बनाते हैं।
- **सम्मान समारोह:** औपचारिक रूप से यह सम्मान अक्टूबर 2026 में मार्सिले, फ्रांस में होने वाले ICID सम्मेलन में प्रदान किया जाएगा।

महत्व:

- यह संरचना सूखाग्रस्त **बुंदेलखंड क्षेत्र** के लिए 'बेतवा नहर प्रणाली' के हेडवर्क्स के रूप में कार्य करती है और स्थानीय किसानों को सिंचाई के लिए सुलभ जल प्रदान करती है।
- WHIS की मान्यता उन सिंचाई संरचनाओं को दी जाती है जो 100 वर्ष से अधिक पुरानी होने के बावजूद आज भी पूरी तरह से कार्यात्मक हैं। (इससे पहले वर्ष 2022 में झाँसी के ही 'सुकवा-दुकवान बांध' को भी यह मान्यता मिल चुकी है)।

अंतर्राष्ट्रीय सिंचाई एवं जल निकासी आयोग (ICID) एक वैश्विक नेटवर्क है जो कृषि जल प्रबंधन, सिंचाई और बाढ़ संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण संरचनाओं को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

धिमसा नृत्य और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

चर्चा में क्यों?

विशाखापत्तनम के भोगापुरम स्थित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 13,000 से अधिक जनजातीय महिलाओं और छात्राओं ने सबसे बड़े **धिमसा नृत्य** का प्रदर्शन कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

धिमसा नृत्य के बारे में मुख्य बिंदु:

- **उत्पत्ति:** यह उत्तरी आंध्र प्रदेश की प्रसिद्ध **अराकु घाटी** के पहाड़ी आदिवासियों का एक पारंपरिक लोक नृत्य है।
- **प्रतिभागी:** इसे सामान्यतः जनजातीय महिलाओं द्वारा पारंपरिक वेशभूषा और विशिष्ट आभूषण पहनकर प्रस्तुत किया जाता है।
- **नृत्य शैली:** यह एक वृत्ताकार समूह नृत्य है, जिसमें सभी कलाकार स्थानीय वाद्ययंत्रों की लय और ताल पर एक साथ सामंजस्यपूर्ण ढंग से नृत्य करती हैं।
- **प्रमुख वाद्ययंत्र:** इसमें **मोरी** (सुषिर/वायु वाद्ययंत्र), **थुदुम** (ड्रम), और **दप्पू** (ताल वाद्ययंत्र) का प्रमुख रूप से उपयोग किया जाता है।
- **अवसर:** यह नृत्य विवाह समारोहों, फसल कटाई उत्सवों तथा विभिन्न सामुदायिक आयोजनों के दौरान उत्साहपूर्वक किया जाता है।

भारत सरकार द्वारा अरुणाचल प्रदेश में 27 स्थानों का आधिकारिक मानचित्रण

चर्चा में क्यों?

7 अगस्त 2026 को गृह मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश राज्य सरकार के परामर्श से सर्वे ऑफ इंडिया के आधिकारिक मानचित्र पर 27 महत्वपूर्ण भौगोलिक स्थलों को औपचारिक रूप से मान्यता दी है, जो चीन की 'कार्टोग्राफिक आक्रामकता' का करारा जवाब है।

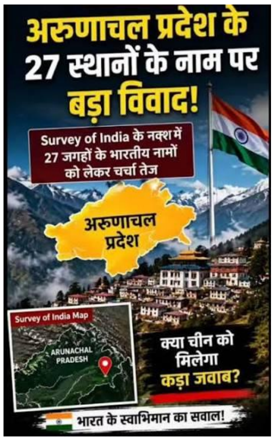

- **उद्देश्य:** चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश (जिसे वह 'जांगनान' या दक्षिणी तिब्बत कहता है) के क्षेत्रों के एकतरफा नामकरण का मुकाबला करना तथा आधिकारिक रिकॉर्ड में एकरूपता लाना है।
- **वर्गीकरण:**
  - **21 बस्तियां व भू-भाग:** लॉन्गजू, माजा, बीसा, जयरामपुर, जसवंतगढ़, कामलांग नगर आदि।
  - **4 रणनीतिक दर्रे:** डेज़ो ला, रिज़ा ला, पुकुर ला और थाग ला।
  - **1 झील:** शंभू सरोवर।
  - **1 स्मारक:** शेर-ए-थापा मेमोरियल (हवलदार शेर थापा की याद में)।
- **ऐतिहासिक एवं सामरिक स्थल:**
  - **लॉन्गजू:** 1959 में भारत-चीन सीमा पर शुरुआती सैन्य तनाव का मुख्य केंद्र।
  - **थाग ला:** 1962 के भारत-चीन युद्ध की पहली लड़ाई का स्थल।
  - **जसवंतगढ़:** 1962 के युद्ध के नायक राइफलमैन जसवंत सिंह रावत की वीरता से जुड़ा स्थल।

मैकमोहन रेखा भारत और चीन (तिब्बत) के बीच की सीमा रेखा है, जिसे 1914 के शिमला समझौते के तहत निर्धारित किया गया था, जिसे भारत वैध मानता है जबकि चीन खारिज करता है।

एनएसजी का पहला 'महिला कमांडो कन्वर्जन कोर्स'

चर्चा में क्यों?

24 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) ट्रेनिंग अकादमी, मानेसर (हरियाणा) में भारत के पहले **'महिला कमांडो कन्वर्जन कोर्स' (MCCC)** का आधिकारिक शुभारंभ किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- **प्रशिक्षण की अवधि:** यह एक 12-सप्ताह का गहन आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम है।
- **पहला बैच:** इस पहले बैच में राजस्थान सशस्त्र कांस्टेबुलरी की 5वीं बटालियन (घाटगेट) की **25 महिला कांस्टेबल** शामिल हैं।
- **थीम और नारा:** इस कार्यक्रम की आधिकारिक थीम और हैशटैग **"She Who Dares, Leads"** (जो साहस करती है, वही नेतृत्व करती है) रखा गया है।
- **प्रशिक्षण पाठ्यक्रम:** इसके तहत महिला कर्मियों को आतंकवाद विरोधी अभियान, हथियारों की बेहतरीन हैंडलिंग, मारक क्षमता, सामयिक हस्तक्षेप और बंधक बचाव ड्रिल का उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) से जुड़े मुख्य तथ्य:

- **स्थापना:** एनएसजी की स्थापना **वर्ष 1984** में 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद संसद के अधिनियम के तहत एक संघीय आकस्मिक बल के रूप में की गई थी।
- **नोडल मंत्रालय:** यह केंद्रीय **गृह मंत्रालय** के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य करता है।
- **लोकप्रिय नाम:** एनएसजी को इसके काले रंग की विशिष्ट यूनीफॉर्म के कारण **"ब्लैक कैट्स"** के रूप में भी जाना जाता है।
- **मुख्यालय:** इसका मुख्य प्रशिक्षण केंद्र हरियाणा के **मानेसर** में स्थित है।

'अपराजिता - परांग ला 2026'

चर्चा में क्यों?

18 अगस्त 2026 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली से NCC की ऑल इंडिया गर्ल्स हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग ट्रेक 'अपराजिता - परांग ला 2026' अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

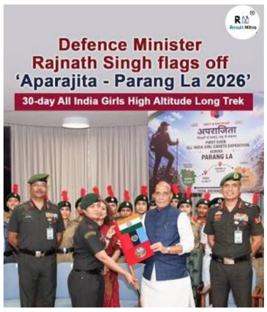

मुख्य बिंदु:

- **अभियान का स्वरूप:** यह राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) की एक प्रमुख साहसिक गतिविधि है, जिसके तहत 30 दिनों में स्पीति घाटी को लद्दाख के चांगथांग क्षेत्र से जोड़ने वाले 250 किलोमीटर लंबे 'परांग ला दर्रे' मार्ग को तय किया जाएगा।
- **भौगोलिक महत्व:** 'परांग ला' को भारत के सबसे चुनौतीपूर्ण उच्च तुंगता वाले ट्रेकिंग मार्गों में से एक माना जाता है।
- **सहभागिता:** इस अभियान में तीनों सेनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली तीन महिला अधिकारियों के नेतृत्व में कुल 28 बालिका कैडेट्स हिस्सा ले रही हैं।

इंडिया पोस्ट की पहली ड्रोन डिलीवरी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय डाक विभाग ने हिमाचल प्रदेश के मंडी मुख्य डाकघर से रेहरधार शाखा डाकघर के बीच ड्रोन-आधारित डाक और पार्सल ट्रांसमिशन सेवा का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया है, जिसके तहत 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत पहली बार ड्रोन से राष्ट्रीय ध्वज की डिलीवरी की गई है।

मुख्य बिंदु:

- **दूरी और समय की बचत:** मंडी और रेहरधार के बीच की दूरी लगभग 12 किलोमीटर है, जिसे पारंपरिक सड़क मार्ग से तय करने में 2 घंटे से अधिक का समय लगता था, जबकि ड्रोन तकनीक ने इसे घटाकर मात्र 7 मिनट कर दिया है.
- **साझेदारी:** इस नेटवर्क को मजबूत बनाने और अंतिम मील तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए इंडिया पोस्ट ने ड्रोन लॉजिस्टिक्स स्टार्टअप 'स्काई एयर मोबिलिटी' के साथ साझेदारी की है.
- **विस्तार योजना:** देश के सबसे चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों को जोड़ने के लिए हिमाचल प्रदेश (110 मार्ग) और असम (40 मार्ग) में कुल 150 चिन्हित मार्गों पर ड्रोन-आधारित डाक संचरण की योजना बनाई गई है.

इस पहल का महत्व:

- **अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी:** यह तकनीक भारतीय डाक के भौतिक नेटवर्क को पूरक बनाएगी और सुदूर एवं कठिन पहाड़ी क्षेत्रों में सेवाओं की पहुंच आसान करेगी।
- **पर्यावरणीय स्थिरता:** यह पारंपरिक वाहनों की तुलना में कार्बन उत्सर्जन को कम करने वाला एक पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स समाधान है।
- **वास्तविक समय ट्रैकिंग:** इस प्रणाली के माध्यम से शिपमेंट की लाइव ट्रैकिंग संभव होगी, जिससे डाक वितरण में पारदर्शिता और दक्षता आएगी।

2026 कैंडेरे हुरुन इंडिया महिला नेतृत्व सूची

चर्चा में क्यों?

Result Mitra

'कैंडेरे हुरुन इंडिया वुमन लीडर्स लिस्ट 2026' का दूसरा संस्करण जारी किया गया है, जो व्यवसाय, खेल, संस्कृति और सामाजिक प्रभाव जैसे क्षेत्रों में महिलाओं के असाधारण योगदान को मान्यता देता है।

मुख्य बिंदु और प्रमुख तथ्य:

- **भागीदारी और श्रेणियां:** इस सूची में कुल 117 महिलाओं को शामिल किया गया है तथा श्रेणियों की संख्या 9 से बढ़ाकर 12 कर दी गई है।
- **आर्थिक मूल्य और स्व-निर्मित:** सूची में शामिल संगठनों का संयुक्त मूल्यांकन ₹39 लाख करोड़ से अधिक है, और इसमें लगभग 84% महिलाएं (98 लीडर्स) स्व-निर्मित हैं।
- **भौगोलिक और आयु विवरण:** महाराष्ट्र 31 लीडर्स के साथ शीर्ष राज्य है, जबकि 19 वर्षीय शीतल देवी सबसे युवा और 86 वर्षीय रजनी बेक्टर सबसे उम्रदराज महिला हैं।
- **शीर्ष प्रदर्शनकर्ता:** BIBA की संस्थापक मीना बिंद्रा ने समग्र रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया है, HCLTech की रोशनी नाडर मल्होत्रा 'वेल्थ मल्टीप्लायर' और प्रिया नायर 'प्रोफेशनल CEO' श्रेणी में शीर्ष पर हैं।

यह सूची भारतीय अर्थव्यवस्था, कॉर्पोरेट प्रशासन और महिला उद्यमिता के बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है।

अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

प्रधानमंत्री मोदी की उज़्बेकिस्तान यात्रा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज़्बेकिस्तान की राजकीय यात्रा की, जिसके दौरान दोनों देशों ने अपनी पारस्परिक रणनीतिक साझेदारी को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने की ऐतिहासिक घोषणा की।

यात्रा के प्रमुख परिणाम एवं समझौते:

- **द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य:** दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो वर्तमान व्यापार का लगभग 5 गुना है।
- **पर्यावरण सहयोग:** अराल सागर क्षेत्र में वनीकरण के लिए भारत द्वारा 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान देने की घोषणा की गई।
- **ऊर्जा एवं खनिज सुरक्षा:** उज़्बेकिस्तान ने भारत को यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने तथा दुर्लभ मृदा खनिजों (Rare Earth Minerals) के खनन स्थलों पर चर्चा करने पर सहमति जताई।
- **डिजिटल भुगतान (UPI):** एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL) और नेशनल इंटरबैंक प्रोसेसिंग Centre (NIPC) के बीच समझौता हुआ, जिसके तहत भारतीय UPI ऐप्स अब उज़्बेकिस्तान में राष्ट्रीय QR — UZQR के माध्यम से व्यापारी भुगतान कर सकेंगे।
- **सांस्कृतिक आदान-प्रदान:** वर्ष 2026-30 के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम को हरी झंडी दी गई तथा तेरमेज़ स्थित प्राचीन बौद्ध स्थलों (फयाज़ तेपा और कारा तेपा) के संरक्षण के लिए आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।
- **सर्वोच्च सम्मान:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विदेशी नेताओं के लिए उज़्बेकिस्तान के सर्वोच्च पुरस्कार **"ओलिय दराजाली दोस्तलिक" ऑर्डर** से सम्मानित किया गया।

भारत के लिए उज़्बेकिस्तान का रणनीतिक महत्व:

- **सामरिक अवस्थिति:** उज़्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में स्थित है, जो यूरेशियाई क्षेत्र के साथ भारत के जुड़ाव को मजबूत करता है।
- **ऊर्जा और संसाधन:** यह विश्व के प्रमुख यूरेनियम उत्पादकों में से एक है (2024 में वैश्विक उत्पादन में ~6.6% हिस्सेदारी), जो भारत की स्वच्छ ऊर्जा और परमाणु ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए महत्वपूर्ण है।
- **कनेक्टिविटी:** चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC) के माध्यम से मध्य एशिया तक वैकल्पिक और सुलभ मार्ग बनाने में यह देश अहम भूमिका निभाता है।
- **क्षेत्रीय सुरक्षा:** आतंकवाद, उग्रवाद और अफगानिस्तान से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए दोनों देश शंघाई सहयोग संगठन (SCO) और भारत-मध्य एशिया मंच के माध्यम से साझा दृष्टिकोण रखते हैं।

द्विपक्षीय सहयोग के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ:

- **भौगोलिक बाधाएँ:** पाकिस्तान की स्थिति के कारण भारत की मध्य एशिया तक सीधी स्थलीय पहुँच नहीं है, जिससे ईरान और अफगानिस्तान के मार्गों पर निर्भरता बनी हुई है।
- **व्यापारिक सीमाएँ:** भौगोलिक दूरी और उच्च परिवहन लागत के कारण वर्तमान द्विपक्षीय व्यापार क्षमता के अनुरूप नहीं है।
- **भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा:** चीन अपने 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (BRI) के माध्यम से मध्य एशिया में अपनी आर्थिक पकड़ मजबूत कर रहा है, जो भारत के लिए एक रणनीतिक चुनौती है।

भारत-जापान स्टार्टअप और नवाचार सहयोग

चर्चा में क्यों?

अगस्त 2026 में टोक्यो में आयोजित 'भारत-जापान स्टार्टअप गोलमेज सम्मेलन' के दौरान भारत और जापान ने स्टार्टअप, डीप-टेक और इनोवेशन के क्षेत्र में आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयां देने के लिए एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी की रूपरेखा प्रस्तुत की है।

स्टार्टअप सहयोग के 4 प्रमुख स्तंभ:

- **जापान-भारत डीप-टेक कैपिटल कॉरिडोर:** प्रारंभिक चरण के अनुसंधान, डीप-टेक नवाचार और प्रयोगशालाओं से बाजार तक नई तकनीकों के व्यावसायीकरण के लिए दीर्घकालिक और स्थायी निवेश जुटाना।
- **टू-वे इनोवेशन ब्रिज:** दोनों देशों के विश्वविद्यालयों, इनक्यूबेटरों, अनुसंधान एवं विकास (R&D) संस्थानों और प्रयोगशालाओं को आपस में जोड़ना।
- **विनिर्माण और प्रौद्योगिकी एकीकरण:** भारत के विशाल बाजार पैमाने और इंजीनियरिंग प्रतिभा को जापान की सटीक इंजीनियरिंग और उन्नत विनिर्माण क्षमताओं के साथ एकीकृत करना।
- **संयुक्त स्टार्टअप पिचिंग प्लेटफॉर्म:** भारतीय स्टार्टअप संस्थापकों को जापानी कॉरपोरेट्स, वेंचर फंड्स और रणनीतिक निवेशकों से जोड़ने के लिए वर्चुअल पिचिंग सीरीज की व्यवस्था करना।

भारत में स्टार्टअप से सम्बंधित महत्वपूर्ण बिंदु:

- **विश्व का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम:** भारत वर्तमान में लगभग **2.5 लाख स्टार्टअप** के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जो अब सॉफ्टवेयर के अलावा एरोस्पेस, रक्षा, ड्रोन, रोबोटिक्स और डिजिटल हेल्थ जैसे क्षेत्रों में भी विस्तार कर रहा है।
- **फंड ऑफ फंड्स:** डीप-टेक उद्यमों के विकास को गति देने के लिए भारत सरकार ने **1 बिलियन अमेरिकी डॉलर** के दूसरे 'फंड ऑफ फंड्स' का प्रस्ताव रखा है और जापानी निवेशकों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।
- **पूरक क्षमताएँ:** जहाँ एक ओर जापान के पास उन्नत हार्डवेयर और सटीक विनिर्माण तकनीक है, वहीं दूसरी ओर भारत के पास दुनिया का अग्रणी सॉफ्टवेयर इकोसिस्टम और विशाल STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) प्रतिभा पूल उपलब्ध है।
- **भविष्य के प्रमुख क्षेत्र:** दोनों देशों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष विज्ञान और स्वास्थ्य सेवा को भविष्य के मुख्य निवेश क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया है।

ओंटारियो झील का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' किया गया

चर्चा में क्यों?

अमेरिका और कनाडा के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 27 अगस्त 2026 को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके तहत ओंटारियो झील का नाम बदलकर **'लेक अमेरिका'** कर दिया गया है।

ओंटारियो झील से सम्बंधित प्रमुख भौगोलिक तथ्य:

- **अवस्थिति:** यह उत्तरी अमेरिका की प्रसिद्ध **'पांच महान झीलों'** में से एक है। यह कनाडा (ओंटारियो प्रांत) और संयुक्त राज्य अमेरिका (न्यूयॉर्क राज्य) की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित है।
- **आकार और क्रम:** क्षेत्रफल के लिहाज से यह पांचों महान झीलों में सबसे छोटी है। महान झीलों का पश्चिम से पूर्व का सही क्रम इस प्रकार है:

  सुपीरियर → मिशिगन → ह्यूरन → एरी → ओंटारियो
- **नदियाँ और जलप्रपात:** विश्व प्रसिद्ध **नियाग्रा जलप्रपात** इसी झील से जुड़ा हुआ है (नियाग्रा नदी के माध्यम से)। इसके पूर्वी छोर से **सेंट लॉरेंस नदी** निकलती है, जो आगे चलकर अटलांटिक महासागर में गिरती है।

तकनीकी और भू-राजनीतिक निहितार्थ:

- **मानचित्रण में परिवर्तन:** अमेरिकी सरकार के 'भौगोलिक नाम सूचना प्रणाली' में बदलाव के बाद, टेक दिग्गजों (जैसे गूगल मैप्स और एप्पल मैप्स) ने अमेरिकी उपयोगकर्ताओं के लिए इसका नाम 'लेक अमेरिका' प्रदर्शित करना शुरू कर दिया है, जबकि कनाडाई उपयोगकर्ताओं के लिए यह अभी भी 'लेक ओंटारियो' ही है।
- **विवाद का कारण:** अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि इस झील का अधिकांश जल आयतन और भौगोलिक हिस्सा अमेरिकी क्षेत्र के अंतर्गत आता है। दूसरी ओर, कनाडा सरकार ने इस एकतरफा फैसले को खारिज करते हुए इसे द्विपक्षीय संप्रभुता का उल्लंघन करार दिया है।

भारत-सेशेल्स ब्लू इकोनॉमी सहयोग (अगस्त 2026)

चर्चा में क्यों?

भारत और सेशेल्स ने मत्स्य पालन, जलीय कृषि और ब्लू इकोनॉमी (नीली अर्थव्यवस्था) के क्षेत्र में अपने रणनीतिक व द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए अगस्त 2026 में नई दिल्ली में एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान संयुक्त रोडमैप पर सहमति जताई है।

मुख्य बिंदु:

- **सह-अध्यक्षता:** इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के मत्स्य विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिकही और सेशेल्स के मत्स्य, कृषि एवं ब्लू इकोनॉमी मंत्री वालेस कॉसग्रोव द्वारा की गई।
- **राजनयिक मील का पत्थर:** वर्ष 2026 भारत और सेशेल्स के बीच **राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ** का प्रतीक है।
- **मत्स्य पालन व जलीय कृषि:** सेशेल्स ने मैरीकल्चर (समुद्री जलीय कृषि), आधुनिक हैचरी और ट्यूना मत्स्य पालन अनुकूलन के लिए एक समर्पित द्विपक्षीय समझौते (MoU) में तेजी लाने की इच्छा जताई है।

- **तकनीकी एकीकरण:** निगरानी बुनियादी ढांचे और संसाधन प्रबंधन को उन्नत करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) एवं तकनीकी ज्ञान के हस्तांतरण पर जोर दिया गया है।
- **नीतिगत विज़न:** यह सहयोग भारत के **'SAGAR'** (Security and Growth for All in the Region) और **'MAHASAGAR'** विज़न के पूर्णतः अनुरूप है।

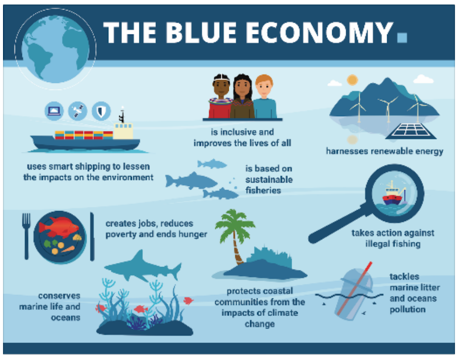

भौगोलिक और भू-राजनीतिक महत्व:

- **विशाल EEZ:** सेशेल्स का स्थलीय भू-क्षेत्र भले ही छोटा हो, लेकिन इसका विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) लगभग **1.3 से 1.4 मिलियन वर्ग किलोमीटर** में फैला है, जो इसे हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में नीली अर्थव्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र बनाता है।
- **क्षेत्रीय सुरक्षा:** सेशेल्स हाल ही में **कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव (CSC)** का पूर्ण सदस्य बनने पर सहमत हुआ है, जिससे हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने और समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

भोपाल घोषणा-पत्र: ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक (2026)

चर्चा में क्यों?

भारत की अध्यक्षता में मध्य प्रदेश के भोपाल में **11वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक** संपन्न हुई, जिसमें सांस्कृतिक सहयोग, विरासत संरक्षण और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए **'भोपाल घोषणा-पत्र' (Bhopal Declaration)** को सर्वसम्मति से अपनाया गया।

बैठक से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य:

- **मेजबान देश और स्थान:** भोपाल, मध्य प्रदेश (भारत)।
- **बैठक की थीम:** "लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और सततता के लिए निर्माण" (Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability)।
- **भागीदारी:** इस बैठक में कुल 14 देशों (10 ब्रिक्स सदस्य देश और 4 भागीदार देश) के 55 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।
  - **ब्रिक्स सदस्य:** भारत, ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और इंडोनेशिया।
  - **भागीदार देश:** बेलारूस, क्यूबा, कजाकिस्तान और थाईलैंड।

भोपाल घोषणा-पत्र के प्रमुख स्तंभ:

- **सांस्कृतिक संपदा की घरवापसी (Restitution of Cultural Property):** अवैध रूप से विदेशों में ले जाई गई पुरातात्विक धरोहरों की सुरक्षित वापसी के लिए सहयोग बढ़ाना और AI-आधारित ट्रेसिंग टूल्स की संभावनाओं को तलाशना।
- **रचनात्मक अर्थव्यवस्था और डिजिटल उपकरण:** सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों को बढ़ावा देना तथा डिजिटल माध्यमों के जरिए कलाकारों की बाजार तक पहुंच आसान बनाना।
- **AI और कॉपीराइट:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रणालियों में कॉपीराइट-संरक्षित कार्यों के उपयोग के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और रचनाकारों को उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित करना।
- **स्वैच्छिक कलाकार रजिस्ट्री:** कलाकारों के बीच नेटवर्क मजबूत करने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए भारत द्वारा एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसकी शुरुआत की घोषणा की गई।
- **पारंपरिक ज्ञान और यूनेस्को सहयोग:** पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों व लोक कलाओं का संरक्षण तथा यूनेस्को बहुराष्ट्रीय नामांकन के लिए साझा प्रयासों को गति देना।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य:

- बैठक के दौरान प्रतिनिधियों ने भोपाल के निकट स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों—**सांची** (बौद्ध विरासत) और **भीमबेटका** (प्रागैतिहासिक शैलशरण) का दौरा किया।

भारत-न्यूजीलैंड रक्षा रणनीतिक संवाद

चर्चा में क्यों?

24 अगस्त 2026 को वेलिंगटन (न्यूजीलैंड) में भारत और न्यूजीलैंड के बीच **रक्षा रणनीतिक संवाद** का दूसरा संस्करण संपन्न हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच सामयिक सुरक्षा और रक्षा साझीदारी को गहरा करना था।

बैठक के प्रमुख बिंदु और निर्णय:

- **रणनीतिक साझेदारी रोडमैप:** दोनों पक्षों के बीच बातचीत मुख्य रूप से **'भारत-न्यूजीलैंड रणनीतिक साझेदारी रोडमैप 2030'** के प्रभावी कार्यान्वयन पर केंद्रित रही।
- **हिंद-प्रशांत क्षेत्र:** दोनों देशों ने नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन करते हुए एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।
- **संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण:** सैन्य अभ्यासों के दायरे को बढ़ाने और दोनों देशों की सेनाओं के बीच कर्मियों के आदान-प्रदान पर विस्तार से चर्चा की गई।
- **रक्षा शिक्षा:** दोनों देशों के रक्षा स्टाफ कॉलेजों के बीच संस्थागत साझेदारियों को स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया।
- **परिचालन समन्वय:** समुद्री, वायु और थल सेना के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए संयुक्त अभियानों और तकनीकी एकीकरण पर जोर दिया गया।
- **रक्षा खरीद और फ्रेमवर्क:** पूंजीगत खरीद और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आपसी सहयोग तथा विनियामक फ्रेमवर्क को संरेखित करने पर विचार-विमर्श हुआ।

Result Mitra

यह संवाद भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और हिंद-प्रशांत महासागर पहल (IPOI) के तहत क्षेत्र के लोकतांत्रिक देशों के साथ सुरक्षा वास्तुकला को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

9वां राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन 2026

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा 24 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में **9वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन** का उद्घाटन किया गया, जिसमें देश भर के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों और जमीनी स्तर के पुलिस नेतृत्व ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन के प्रमुख बिंदु:

- **अध्यक्षता एवं आयोजन:** इस दो दिवसीय सम्मेलन (24–25 अगस्त 2026) की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री ने की, जिसमें हाइब्रिड मोड के माध्यम से देश भर के खुफिया ब्यूरो (IB), CAPFs और राज्यों के डीजीपी सहित 850 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया।
- **एआई (AI) आधारित सुरक्षा विश्लेषण:** बहु-एजेंसी केंद्र (MAC) प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध डेटा के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विश्लेषण पर विशेष जोर दिया गया, ताकि सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सटीक मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) तैयार की जा सके।
- **प्रहार (PRAHAAR) योजना:** देश से आतंकवाद और कट्टरपंथ की जड़ों को समाप्त करने के लिए गृह मंत्रालय की 'प्रहार' योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया गया।
- **प्रमुख सुरक्षा मुद्दे:** सम्मेलन में मुख्य रूप से घुसपैठ व अवैध प्रवासियों की पहचान कर उनकी वापसी, पाकिस्तान समर्थित प्रॉक्सी वॉर, नशीली दवाओं (का अवैध व्यापार और बढ़ते साइबर अपराधों पर गहन मंथन हुआ।
- **भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण:** गृह मंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों को केवल वर्तमान समस्याओं तक सीमित न रहकर अगले 15 से 20 वर्षों की संभावित भू-राजनीतिक और आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों का अनुमान लगाकर पहले से रणनीतिक तैयारी करने का निर्देश दिया।

भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग: समसामयिक आयाम

चर्चा में क्यों?

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच मास्को में हुई उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान द्विपक्षीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और रक्षा साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया।

मुख्य बिंदु:

- **ऊर्जा और उर्वरक सहयोग:**
    - **ऊर्जा साझेदारी:** रूस भारत के लिए कच्चे तेल और ऊर्जा का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। इसके अलावा, उर्वरकों (Fertilizers) की स्थिर और निरंतर आपूर्ति के माध्यम से भारतीय कृषि क्षेत्र को समर्थन देने पर रूस ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।
    - **परमाणु ऊर्जा:** तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के माध्यम से असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों का सहयोग निरंतर आगे बढ़ रहा है।
- **व्यापार विस्तार और भुगतान तंत्र :**
    - **व्यापार लक्ष्य:** दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को **100 अरब डॉलर** तक पहुँचाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए आवश्यक रणनीतिक कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की है।
    - **व्यापार बाधाएँ और भुगतान:** द्विपक्षीय व्यापार में आ रही बाधाओं, विशेषकर टैरिफ और गैर-टैरिफ अवरोधों को दूर करने तथा सुगम भुगतान तंत्र को मजबूत करने पर चर्चा हुई ताकि रुपया-रूबल व्यापार को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।
- **रणनीतिक और रक्षा साझेदारी:**
    - भारत और रूस के बीच रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान, विकास और आधुनिकीकरण का सहयोग जारी है। वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच यह साझेदारी भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और रक्षा तैयारियों की रीढ़ रही है।
    - अंतर्राष्ट्रीय और बहुपक्षीय मंचों—जैसे ब्रिक्स (BRICS), शंघाई सहयोग संगठन (SCO) और संयुक्त राष्ट्र—पर दोनों देश वैश्विक दक्षिण (Global South) के हितों के संरक्षण के लिए आपसी समन्वय को प्राथमिकता देते हैं।

भारत-ब्राजील दूरसंचार और आईसीटी समझौता

चर्चा में क्यों?

21 अगस्त 2026 को ब्रिक्स आईसीटी ट्रैक मीटिंग के इतर भारत और ब्राजील ने दूरसंचार और डिजिटल क्षेत्रों में अपनी रणनीतिक साझेदारी को प्रगाढ़ करने हेतु आधिकारिक रूप से एक समझौता ज्ञापन (MoU) संपन्न किया।

समझौता ज्ञापन के प्रमुख बिंदु:

- **डिजिटल बुनियादी ढांचा:** इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों में मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास करना और डिजिटल नवाचार को बढ़ावा देना है।

- **सार्वभौमिक कनेक्टिविटी (Universal Connectivity):** दोनों देश समाज के हर वर्ग तक समावेशी और सार्वभौमिक डिजिटल संपर्क का विस्तार करने के लिए मिलकर कार्य करेंगे।
- **साइबर सुरक्षा (Cybersecurity):** डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में आपसी सहयोग को और बढ़ाया जाएगा।
- **डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI):** भारत और ब्राजील अपनी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं (Best Practices) का परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।
- **उभरती प्रौद्योगिकियाँ (Emerging Technologies):** इस समझौते के दायरे में नई पीढ़ी की संचार तकनीकों और तकनीकी नवाचार से जुड़े क्षेत्र शामिल किए गए हैं।
- **क्षमता निर्माण (Capacity Building):** यह समझौता ज्ञान साझा करने, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को प्रोत्साहित करता है।

यह समझौता वैश्विक दक्षिण के दो प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के बीच डिजिटल संप्रभुता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास की दिशा में एक मिल का पत्थर साबित होगा।

8वां ब्रिक्स युवा ऊर्जा शिखर सम्मेलन 2026

चर्चा में क्यों?

भारत ने अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता के अंतर्गत 17 अगस्त 2026 को वर्चुअल माध्यम से **8वें ब्रिक्स युवा ऊर्जा शिखर सम्मेलन** की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जिसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर समावेशी ऊर्जा सहयोग और युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना था।

मुख्य विषय और थीम:

- **ऊर्जा ट्रैक की थीम:** "सर्वेषां ऊर्जम्" (Energy for All)
- **व्यापक पृष्ठभूमि:** यह आयोजन भारत की वर्ष 2026 की समग्र ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत किया गया, जिसकी मुख्य परिकल्पना "लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता" (Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability) पर आधारित है।

BRICS INDIA 2026

सम्मेलन के 3 मुख्य रणनीतिक स्तंभ:

- **ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता:** आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ना।
- **ऊर्जा पहुंच और इक्विटी:** विकासशील देशों और वंचित समुदायों तक ऊर्जा की समान उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- **प्रौद्योगिकी और नवाचार:** ऊर्जा प्रणालियों का डिजिटलीकरण, हरित हाइड्रोजन और आधुनिक तकनीकों का उपयोग।

भारत द्वारा प्रस्तुत प्रमुख राष्ट्रीय पहलें:

- **पीएम-कुसुम:** कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देना।
- **पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना:** घरेलू स्तर पर रूफटॉप सोलर को प्रोत्साहित करना।
- **इंडिया एनर्जी स्टैक:** ऊर्जा डेटा प्रबंधन और तकनीकी अवसंरचना को डिजिटल रूप से एकीकृत करना।
- **सुधार से जुड़ी योजनाएँ:** वितरण क्षेत्र में सुधार के लिए लाई गई आरडीएसएस (RDSS) और शांति (SHANTI) अधिनियम जैसी पहलें।

इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के 100 से अधिक युवा पेशेवरों, नीति निर्माताओं और शिक्षाविदों के साथ-साथ **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)**, IRENA और SEforALL जैसे प्रतिष्ठित वैश्विक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

भारत-चीन सीमा के प्रमुख दर्रे

चर्चा में क्यों?

शिपकी ला, लिपुलेख दर्रा और नाथूला के माध्यम से लगभग छह वर्षों के लंबे अंतराल के बाद भारत और चीन के बीच सीमा-पार व्यापार को अधिकारिक रूप से पुनः शुरू कर दिया गया है, जो क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों और स्थानीय व्यापार को गति प्रदान करेगा।

इन दर्रों से जुड़े तथ्य:

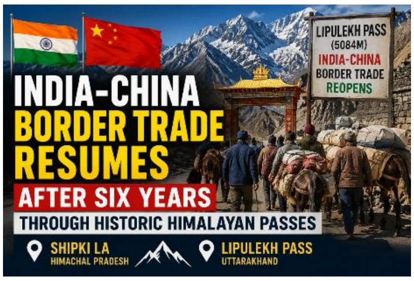

- **शिपकी ला दर्रा:**
    - **अवस्थिति:** किन्नौर जिला, हिमाचल प्रदेश।
    - **विशेषता:** यह एक प्रमुख पर्वतीय दर्रा और सीमा चौकी है। **सतलुज नदी** इसी शिपकी ला खड्ड के माध्यम से तिब्बत से भारत में प्रवेश करती है, जो इसे एक अत्यंत महत्वपूर्ण नदी मार्ग बनाती है।
- **लिपुलेख दर्रा:**
    - **अवस्थिति:** यह भारत, चीन (तिब्बत) और नेपाल के **त्रि-जंक्शन** के पास उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित है।
    - **विशेषता:** यह काली नदी घाटी में स्थित कुमाऊं क्षेत्र का एक प्रमुख दर्रा है और ऐतिहासिक रूप से **कैलाश-मानसरोवर यात्रा** के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग रहा है।
- **नाथूला दर्रा:**
    - **अवस्थिति:** पूर्वी सिक्किम में हिमालय की **डोंगक्या श्रेणी** में स्थित है।
    - **विशेषता:** लगभग 4,310 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह ऐतिहासिक दर्रा सिक्किम को तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र से जोड़ता है और प्राचीन सिल्क रूट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।

इन ऐतिहासिक व्यापारिक मार्गों के खुलने से सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय व्यापारियों को आर्थिक लाभ मिलेगा।

कोलंबिया में 7.4 तीव्रता का भूकंप

चर्चा में क्यों?

पश्चिमी कोलंबिया में 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप से 100 से अधिक लोगों की मौत और भारी नुकसान हुआ, जिसके चलते सरकार को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करना पड़ा। चोको के सैन जोसे डेल पालमार के निकट केंद्रित यह भूकंप 21वीं सदी में देश का सबसे शक्तिशाली भूकंप माना गया है।

कोलंबिया में भूकंपीय संवेदनशीलता के प्रमुख कारण:

- **नाज़का-दक्षिण अमेरिकी प्लेट का अभिसरण:** प्रशांत तट के निकट महासागरीय नाज़का प्लेट दक्षिण अमेरिकी प्लेट के नीचे क्षेपित (Subduct) होती है, जिससे अत्यधिक टेक्टोनिक तनाव उत्पन्न होता है।
- **जटिल टेक्टोनिक स्थिति:** यह क्षेत्र नाज़का, दक्षिण अमेरिकी, कैरेबियन प्लेटों और विभिन्न छोटे विवर्तनिक ब्लॉकों की परस्पर क्रिया का केंद्र है।
- **'रिंग ऑफ फायर' का भाग:** कोलंबिया प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' (परिप्रशांत मेखला) का हिस्सा है, जो तीव्र भूकंपीय और ज्वालामुखीय गतिविधियों के लिए कुख्यात है।
- **शहरी जोखिम:** काली, बोगोटा, मेडेलिन, परेरा और मनिज़ालेस जैसे प्रमुख शहर सक्रिय एंडियन भूकंपीय क्षेत्रों के निकट स्थित हैं, जिससे आपदा संवेदनशीलता बढ़ जाती है।

कोलंबिया के बारे में:

- **अवस्थिति:** यह देश दक्षिण अमेरिका के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित है।
- **स्थलीय सीमाएँ:** इसकी सीमा पनामा, वेनेजुएला, ब्राजील, पेरू और इक्वाडोर से लगती है।
- **तटरेखा:** इसके तट कैरेबियन सागर और प्रशांत महासागर दोनों से लगते हैं। यह दक्षिण अमेरिका का **एकमात्र ऐसा देश** है जिसकी सीमा दोनों महासागरीय तटों से जुड़ी है।
- **भूमध्य रेखा:** भूमध्य रेखा कोलंबिया के दक्षिणी किनारे से होकर गुजरती है।

मुख्य भौगोलिक विशेषताएँ:

- **एंडीज पर्वतमाला:** कोलंबिया में एंडीज पर्वत तीन प्रमुख कॉर्डिलेरा (श्रेणियों) में विभाजित हो जाता है: ऑक्सिडेंटल, सेंट्रल (मध्य) और ओरिएंटल (पूर्वी)।
- **सर्वोच्च चोटी:** पिको क्रिस्टोबाल कोलोन।
- **प्रमुख नदियाँ:** अमेजन, ओरिनोको, पुटुमायो और मैग्डालेना।
- **लॉस लानोस:** कोलंबिया के विशाल पूर्वी उष्णकटिबंधीय घास के मैदान, जो ओरिनोको बेसिन का हिस्सा हैं, इस नाम से जाने जाते हैं।

ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट

चर्चा में क्यों?

अगस्त 2026 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देश और अमेरिकी वित्त विभाग के नेतृत्व में ईरान के विरुद्ध **'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट'** की शुरुआत की गई। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इसे आधुनिक इतिहास का सबसे बड़ा वित्तीय हमला बताते हुए "आर्थिक डी-डे" करार दिया है।

मुख्य उद्देश्य और विशेषताएं:

- **पूर्ण आर्थिक अलगाव:** इसका मुख्य लक्ष्य ईरान के समस्त वित्तीय और राजस्व स्रोतों को नष्ट करके उसे वैश्विक वित्तीय व्यवस्था से पूरी तरह अलग-थलग करना है।
- **लक्षित 6 प्रमुख क्षेत्र:** यह अभियान विशेष रूप से ईरान के 6 महत्वपूर्ण क्षेत्रों—तेल एवं पेट्रोकेमिकल राजस्व नेटवर्क, जहाजरानी, विमानन, प्रौद्योगिकी, स्वर्ण व्यापार और डिजिटल परिसंपत्तियों—को निशाना बनाता है।
- **द्वितीयक प्रतिबंध:** अमेरिका ने इस अभियान के तहत उन सभी विदेशी संस्थाओं और तीसरे देशों को चेतावनी दी है जो ईरान के साथ किसी भी प्रकार का व्यापारिक या वित्तीय लेन-देन जारी रखेंगे। नियमों का उल्लंघन करने पर उन्हें अमेरिकी वित्तीय प्रणाली और डॉलर आधारित लेनदेन से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।
- **सैन्य फंडिंग पर रोक:** इसका एक अन्य प्रमुख उद्देश्य ईरान की 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (IRGC) और उसके प्रॉक्सी नेटवर्क को मिलने वाले वित्तीय पोषण को पूरी तरह से बाधित करना है।

भारत पर संभावित प्रभाव:

- **भारतीय संस्थाओं पर कार्रवाई:** इस अभियान के शुरुआती चरण के तहत ही अमेरिका ने ईरान के साथ पेट्रोकेमिकल और व्यापारिक गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में भारत की 4 कंपनियों और 3 व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं।
- **चाबहार बंदरगाह और कनेक्टिविटी:** ईरान पर कड़े प्रतिबंधों के कारण भारत के रणनीतिक हितों से जुड़े **चाबहार बंदरगाह** और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC) के संचालन व विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
- **ऊर्जा सुरक्षा और आयात बिल:** यदि होर्मुज जलडमरूमध्य या मध्य-पूर्व क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिससे भारत का आयात बिल और राजकोषीय संतुलन प्रभावित होने की संभावना है।

नाउरू का नाम परिवर्तन: 'रिपब्लिक ऑफ नाओएरो'

चर्चा में क्यों?

जनसंख्या और क्षेत्रफल के लिहाज से दुनिया के तीसरे सबसे छोटे द्वीप देश नाउरू ने अपनी मूल स्वदेशी भाषा, संस्कृति और विरासत को सम्मान देने के लिए आधिकारिक तौर पर अपना नाम बदलकर **'रिपब्लिक ऑफ नाओएरो'** कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र ने भी अपने आधिकारिक रिकॉर्ड में इस नाम को अपडेट कर दिया है।

मुख्य भौगोलिक तथ्य:

- **भौगोलिक अवस्थिति:** यह ओशिनिया क्षेत्र में प्रशांत महासागर के मध्य में **भूमध्य रेखा से मात्र 40 किलोमीटर दक्षिण** में स्थित एक छोटा सा प्रवाल द्वीप है।
- यह छोटा सा द्वीपीय राष्ट्र ओशिनिया के **माइक्रोनेशिया** क्षेत्र के अंतर्गत प्रशांत महासागर में स्थित है।
- **आकार और क्रम:** केवल 21 वर्ग किलोमीटर में फैला यह देश वेटिकन सिटी और तुवालु के बाद **दुनिया का तीसरा सबसे छोटा देश** है।
- **राजधानी:** इस देश की कोई आधिकारिक राजधानी नहीं है, किंतु **'यारेन'** शहर को इसकी प्रशासनिक गतिविधियों के लिए मुख्य केंद्र माना जाता है।

नाम परिवर्तन से जुड़े प्रमुख बदलाव:

- **नया देश कोड:** देश का पूर्व अंतर्राष्ट्रीय कंट्री कोड 'NRU' था, जिसे बदलकर अब **'NRO'** कर दिया गया है।
- **नागरिकों की नई पहचान:** यहाँ के निवासियों को अब 'नौरुआन' के बजाय औपचारिक रूप से **'देई-नाओएरो'** कहा जाएगा।
- **परिवर्तन का कारण:** पूर्व का नाम 'नाउरू' विदेशी और औपनिवेशिक शासकों द्वारा उच्चारण में आसानी के लिए रखा गया था, जबकि 'नाओएरो' यहाँ की स्थानीय और मूल भाषा का शब्द है।

ऐतिहासिक और आर्थिक पृष्ठभूमि:

- **औपनिवेशिक काल:** 19वीं सदी के अंत में यह जर्मनी का उपनिवेश था, जिसके बाद प्रथम विश्व युद्ध के बाद से इस पर ऑस्ट्रेलिया का प्रशासनिक नियंत्रण रहा। अंततः **वर्ष 1968 में इसे पूर्ण स्वतंत्रता** प्राप्त हुई।
- **आर्थिक स्थिति:** 1970 के दशक में बड़े पैमाने पर फॉस्फेट खनन के कारण यह दुनिया के सबसे अमीर प्रति व्यक्ति आय वाले देशों में शामिल था, लेकिन संसाधनों के क्षरण के बाद यहाँ आर्थिक चुनौतियाँ बढ़ गईं। वर्तमान में यह राष्ट्रमंडल और संयुक्त राष्ट्र का सदस्य है तथा जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्री जलस्तर बढ़ने के संकट से जूझ रहा है।

मक्का संयुक्त रक्षा पैक्ट 2026:

चर्चा में क्यों?

7 अगस्त 2026 को सऊदी अरब के मक्का (अल-सफा पैलेस) में सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्य हस्ताक्षरकर्ता और नेतृत्व:

- **सऊदी अरब:** क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान
- **तुर्किये:** राष्ट्रपति रेचेप तैय्यिप एर्दोआन
- **पाकिस्तान:** प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ (साथ ही पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की उपस्थिति)

समझौते का मुख्य सिद्धांत:

- **सामूहिक रक्षा खंड:** यह समझौता नाटो (NATO) की तर्ज पर **"एक पर हमला, सब पर हमला"** के सिद्धांत पर आधारित है। यदि तीनों देशों में से किसी एक पर भी सशस्त्र हमला होता है, तो उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा।

प्रमुख प्रावधान और शक्तियों का समन्वय:

- यह समझौता सितंबर 2025 के सऊदी-पाकिस्तान रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते का विस्तृत स्वरूप है।
- इसमें **सऊदी अरब की वित्तीय शक्ति**, **तुर्किये की उन्नत रक्षा-औद्योगिक क्षमता**, और **पाकिस्तान की सैन्य ताकत** का अनूठा समन्वय किया गया है।
- इसके तहत संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण, रक्षा तकनीक साझा करना और समन्वित सैन्य तैनाती को बढ़ावा दिया जाएगा।

रणनीतिक निहितार्थ और भारत पर प्रभाव:

- **क्षेत्रीय सुरक्षा:** पश्चिम एशिया में ईरान के साथ तनाव और यमन के हूती विद्रोहियों के हमलों के बीच यह गठबंधन 'सामूहिक प्रतिरोध' को मजबूत करने के लिए बनाया गया है।
- **भारत के लिए चिंता:** यह त्रिपक्षीय गठबंधन भू-राजनीतिक रूप से भारत के लिए सतर्कता का विषय है, क्योंकि तुर्किये और पाकिस्तान के गहरे सैन्य व कूटनीतिक संबंध भारत के सामरिक हितों को प्रभावित कर सकते हैं।

Result Mitra

ECONOMY

1. GI टैग

चर्चा में क्यों?

भारत का विस्तारित GI पारिस्थितिकी तंत्र सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने, कारीगरों व किसानों की बाज़ार पहचान बढ़ाने और पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

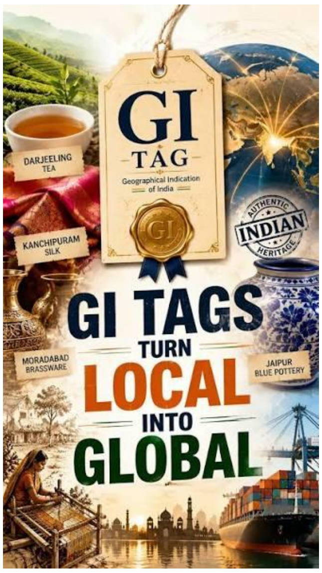

- ✓ **GI टैग क्या है:** विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न उत्पादों की गुणवत्ता, प्रतिष्ठा और विशेषताओं को प्रमा णित करने वाला पहचान/चिह्न।
- ✓ **अंतर्राष्ट्रीय ढाँचा:** TRIPS समझौता (WTO का अनुच्छेद 22(1)) और औद्योगिक संपत्ति के संरक्षण हेतु पेरिस कन्वेंशन।
- ✓ **भारतीय विधिक ढाँचा:** वस्तुओं का भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण एवं संरक्षण) अधिनियम, 1999 तथा नियम, 2002।
- ✓ **नोडल मंत्रालय:** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग।
- ✓ **नियामक निकाय व मुख्यालय:** भौगोलिक संकेतक रजिस्ट्री, मुख्यालय **चेन्नई (तमिलनाडु)**।
- ✓ **वैधता अवधि:** 10 वर्ष (प्रत्येक 10 वर्ष में नवीनीकरण योग्य)।
- ✓ **रद्दीकरण नियम:** अधिनियम की **धारा 27** के तहत यदि पंजीकरण अनुचित, भ्रामक, सामान्य (Generic) या विधिक प्रावधानों के विपरीत हो, तो रद्द/संशोधित किया जा सकता है।
- ✓ **संशोधन नियम 2025:** आवेदन शुल्क में 80% तक की कमी; नवीनीकरण शुल्क ₹3,000 से घटाकर ₹500 किया गया।
- ✓ **स्वामित्व का स्वरूप: सामूहिक स्वामित्व** का अधिकार—यह किसी एकल व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं होती और न ही इसे बेचा, पट्टे (Lease) पर दिया या स्थानांतरित किया जा सकता है।
- ✓ **उत्पादों की श्रेणियाँ (5):** कृषि, हस्तशिल्प, औद्योगिक, प्राकृतिक, और खाद्य सामग्री (Foodstuff)।
- ✓ **कुल संख्या व शीर्ष राज्य (2025 तक):** भारत में 800 से अधिक पंजीकृत GI उत्पाद। शीर्ष राज्य: 1. उत्तर प्रदेश (81), 2. तमिलनाडु (76), 3. महाराष्ट्र (55)।
- ✓ **प्रथम GI उत्पाद: दार्जिलिंग चाय** (2004-05 में भारत का पहला पंजीकृत GI टैग)।
- ✓ **पहला हस्तशिल्प व कपड़ा GI:** केरल का **अरनमुला कन्नाड़ी** (धातु का दर्पण) और तेलंगाना का **पोचमपल्ली इकत**।
- ✓ **अंतर्राष्ट्रीय विधिक संरक्षण:** पेरिस कन्वेंशन एवं TRIPS के तहत भारतीय GI उत्पादों को विदेशों में भी दुरुपयोग के खिलाफ पारस्परिक विधिक संरक्षण प्राप्त होता है।

2.यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI)

- ✓ **विकासकर्ता:** यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) का विकास **नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI)** द्वारा किया गया है।
- ✓ **सपोर्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर:** यह एक ही मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से 24×7 रीयल-टाइम फंड ट्रांसफर, बैंकिंग सेवाओं और मर्चेंट भुगतानों को एकीकृत करता है।
- ✓ **सुरक्षा प्रोटोकॉल:** यह **दो-कारक प्रमाणीकरण** और एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन के माध्यम से सुरक्षित भुगतान सुनिश्चित करता है।
- ✓ **लॉन्च एवं BHIM:** UPI को **अप्रैल 2016** में 21 सदस्य बैंकों के साथ लॉन्च किया गया था, और दिसंबर 2016 में direct bank-to-bank ट्रांसफर के लिए **BHIM ऐप** लॉन्च किया गया।
- ✓ **पारिस्थितिकी तंत्र दायरा:** जुलाई 2026 तक UPI इकोसिस्टम में **741 सक्रिय बैंक** शामिल हो चुके हैं।
- ✓ **डिजिटल भुगतान में हिस्सेदारी:** वित्त वर्ष 2023-24 में भारत के कुल डिजिटल भुगतान लेनदेन में UPI का हिस्सा **लगभग 70%** दर्ज किया गया।
- ✓ **वैश्विक नेतृत्व:** अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की जून 2025 रिपोर्ट के अनुसार, 2024 तक वैश्विक रीयल-टाइम भुगतान लेनदेन की कुल मात्रा में अकेले **UPI का हिस्सा लगभग 49%** था।
- ✓ **अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति:** UPI स्वीकृति और सीमा पार प्रेषण (Cross-border remittance) के माध्यम से **11 देशों** में कार्यरत है: भूटान**(पहला),** नेपाल, सिंगापुर, UAE, फ्रांस, श्रीलंका, मॉरीशस, कतर, कंबोडिया, ग्रीस और मालदीव।
- ✓ **UPI Circle (2024):** प्राथमिक उपयोगकर्ताओं को द्वितीयक उपयोगकर्ताओं को पूर्वनिर्धारित सीमाओं के भीतर भुगतान का अधिकार देने की अनुमति।
- ✓ **टैक्स भुगतान सीमा:** RBI ने कर भुगतान के लिए सीमा ₹1 लाख से बढ़ाकर **₹5 लाख प्रति लेनदेन** की।
- ✓ **UPI AutoPay:** सब्सक्रिप्शन, SIP और EMI के लिए आवर्ती भुगतान।
- ✓ **UPI 123PAY:** IVR, मिस्ड कॉल और ध्वनि-आधारित तकनीकों से फीचर फोन उपयोगकर्ताओं के लिए भुगतान।
- ✓ **UPI Lite:** कम मूल्य वाले और बिना PIN वाले तेज़ लेनदेन।

3. PM CARES फंड:

- ✓ **स्थापना:** मार्च 2020 में एक **सार्वजनिक धर्मार्थ न्यास** के रूप में।
- ✓ **उद्देश्य:** कोविड-19 जैसी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों, आपदाओं (प्राकृतिक या मानव-जनित) और संकटपूर्ण परिस्थितियों में राहत कार्य, अवसंरचना विकास (स्वास्थ्य/औषधीय) और अनुसंधान को वित्तपोषित करना।
- ✓ **अन्य कोषों से भिन्नता:** सर्वोच्च न्यायालय (2020) के अनुसार, यह राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (NDRF , 2005 की धारा 46 के तहत वैधानिक) और PMNRF से अलग उद्देश्यों वाला स्वतंत्र कोष है।
- ✓ **पदेन अध्यक्ष:** भारत के प्रधानमंत्री।
- ✓ **पदेन न्यासी:** रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री।
- ✓ **अन्य न्यासी:** प्रधानमंत्री द्वारा नामांकित (जो **प्रो बोनो / बिना पारिश्रमिक** आधार पर कार्य करते हैं)।
- ✓ **प्रशासनिक सहायता:** प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) द्वारा प्रदान की जाती है।
- ✓ **वित्तीय प्रकृति:** व्यक्तियों और संगठनों से केवल **स्वैच्छिक अंशदान** पर आधारित। इसे **कोई बजटीय सहायता प्राप्त नहीं होती।**
- ✓ **CSR स्थिति:** कंपनियों एवं PSU द्वारा इसमें किया गया योगदान कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत **कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व** व्यय के रूप में मान्य है।
- ✓ **कर छूट:** आयकर अधिनियम की धारा 133 (पूर्व में धारा 80G) के तहत दान पर **100% कटौती** पात्र है।
- ✓ **विदेशी अंशदान:** इसे **FCRA, 2010 के प्रावधानों से छूट** प्राप्त है, जिससे यह पृथक विदेशी अंशदान खाते के माध्यम से विदेशी दान स्वीकार कर सकता है।
- ✓ **वित्तीय आँकड़े (FY 2022-23 तक):** कुल प्राप्तियाँ ~₹6,723 करोड़ | कुल भुगतान ~₹439 करोड़ | अधिशेष ~₹6,284 करोड़।
- ✓ **RTI स्थिति:** सरकार के अनुसार यह न तो सरकारी फंड है और न ही **RTI अधिनियम, 2005 के तहत 'सार्वजनिक प्राधिकरण'**। (मामला न्यायिक विचाराधीन है)
- ✓ **CAG ऑडिट:** इसका लेखापरीक्षण भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा न होकर **स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट** द्वारा किया जाता है।

4.भारत में जहाजों की रीसाइक्लिंग:

- ✓ **विश्व में प्रथम स्थान:**UNCTAD के अनुसार भारत वर्ष 2025 में शिप रीसाइक्लिंग में दुनिया का शीर्ष देश बना।
- ✓ **वैश्विक बाज़ार हिस्सेदारी:** वर्ष 2024 के 30.1% से बढ़कर वर्ष 2025 में **35.4%** हुई।
- ✓ **पुनर्चक्रण मात्रा:** लगभग 60% की वृद्धि के साथ **2.99 मिलियन Gross Tons (GT)** पहुँची।
- ✓ **समय से पूर्व लक्ष्य प्राप्ति:** 'समुद्री भारत विज़न 2030' (Maritime India Vision 2030) के तहत वैश्विक लीडर बनने का लक्ष्य 5 वर्ष पहले ही प्राप्त कर लिया।
- ✓ **अलंग-सोसिया क्लस्टर (गुजरात):**भारत के शिप रीसाइक्लिंग उद्योग की रीढ़; राष्ट्रीय पुनर्चक्रण का **~98%** हिस्सा संभालता है।
- ✓ **अन्य रीसाइक्लिंग यार्ड:**अमर आयरन उद्योग (कोलकाता, पश्चिम बंगाल)।स्टील इंडस्ट्रियल्स केरल लिमिटेड - SILK (केरल)।
- ✓ **पोत पुनर्चक्रण अधिनियम, 2019:**भारत का प्रमुख वैधानिक ढाँचा।**राष्ट्रीय प्राधिकरण-** 'डायरेक्टरेट जनरल ऑफ शिपिंग' को नामित किया गया है।
- ✓ **पोत पुनर्चक्रण नियम, 2021 एवं विनियम, 2026:**मानक परिचालन, खतरनाक सामग्री प्रबंधन, सुरक्षा और रिपोर्टिंग से संबंधित नियम।
- ✓ **खतरनाक सामग्रियों की सूची (IHM):**पोतों में मौजूद खतरनाक पदार्थों की पहचान व पता लगाने की क्षमता सुनिश्चित करने हेतु।

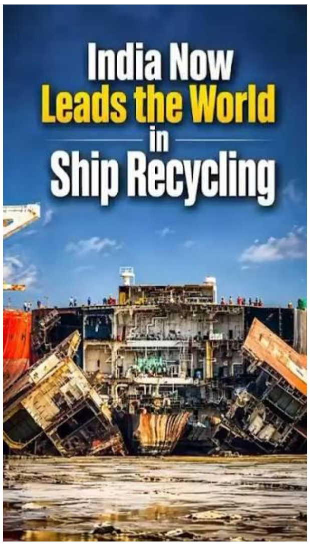

- ✓ **हॉन्गकॉन्ग अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (HKC):** जहाजों के सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल रीसाइक्लिंग हेतु वैश्विक कन्वेंशन; **26 जून, 2025** से कानूनी रूप से बाध्यकारी।
- ✓ **पोत-विघटन क्रेडिट नोट योजना:**'शिप बिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम' के अंतर्गत शुरू। भारतीय यार्डों में स्क्रैप किए गए जहाज के स्क्रैप मूल्य के **40% के बराबर** क्रेडिट नोट जारी किया जाता है।

5.भारत का विनिर्माण पारितंत्र:

- ✓ **सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में योगदान:** लगभग **16–17%** | **रोज़गार:** 2.7 करोड़ से अधिक श्रमिक।
- ✓ **GVA वृद्धि (2022-23 से 2025-26):** 10.88% CAGR (स्थिर कीमतों पर)।
- ✓ **उत्पादन वृद्धि:** जून 2026 में विनिर्माण उत्पादन में **7.8%** की वृद्धि दर्ज की गई।
- ✓ **स्वदेशी रक्षा उत्पादन:** FY 2025-26 में रिकॉर्ड **₹1.78 लाख करोड़** (2014-15 में ₹46,429 करोड़ था)।
- ✓ **रक्षा निर्यात:** FY 2025-26 में **₹38,424 करोड़** (2013-14 में केवल ₹686 करोड़; 5,500%+ की वृद्धि)। निर्यात **80+ देशों** में।
- ✓ **क्षेत्रीय हिस्सेदारी:** DPSU/PSU का योगदान ~76% | **निजी क्षेत्र का योगदान ~24%**।

- ✓ **सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियाँ:** मई 2026 तक **10 सूचियाँ** अधिसूचित – कुल **5,521 वस्तुएँ** शामिल।
- ✓ **सृजन-डीप मंच (SRIJAN Portal):** स्वदेशी रक्षा आपूर्ति शृंखला हेतु डिजिटल भंडार (मई 2026 तक 41,000+ विक्रेता, 2.7 लाख उत्पाद)।
- ✓ **इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन:** 2014-15 के ₹1.9 लाख करोड़ से बढ़कर FY 2025-26 में **₹13.11 लाख करोड़** (~7 गुना वृद्धि)।
- ✓ **इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात:** FY 2025-26 में **₹4.24 लाख करोड़** (~11 गुना वृद्धि)।
- ✓ **मोबाइल फोन उत्पादन:** FY 2025-26 में **₹6.27 लाख करोड़** (निर्यात: ₹2.59 लाख करोड़)।भारत में इस्तेमाल होने वाले **99.2% मोबाइल स्वदेशी निर्मित** हैं।भारत मात्रा के आधार पर विश्व का **दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल विनिर्माता** है।FY 2025-26 में **स्मार्टफोन भारत की सबसे बड़ी व्यक्तिगत निर्यात वस्तु** बन गए।
- ✓ **मोबाइल फोन विनिर्माण योजना, 2026 :** परिव्यय **₹62,500 करोड़** (FY 2026-27 से 2030-31)।
- ✓ **सेमीकंडक्टर मिशन:सेमीकॉन 1.0 (2021):** ₹76,000 करोड़ परिव्यय।**सेमीकॉन 2.0 (जुलाई 2026): ₹1.275 लाख करोड़** परिव्यय।**स्वीकृत इकाइयाँ:** ₹1.64 लाख करोड़ निवेश की **12 इकाइयाँ** स्वीकृत (माइक्रॉन, केयन्स, CG सेमी द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन शुरू)।
- ✓ **वैश्विक स्थिति:** मात्रा के आधार पर **3रा** तथा मूल्य के आधार पर **11वाँ** स्थान।विश्व की **~20% जेनेरिक औषधियों** की आपूर्ति।
- ✓ **वार्षिक कारोबार (2024-25):** ₹4.72 लाख करोड़ | **PLI सहायता:** ₹25,360 करोड़ (3 PLI योजनाएं)।
- ✓ **घरेलू क्षमता विकास:** 218 APIs/KSMs तथा 57 चिकित्सा उपकरणों (CT स्कैन, MRI, अल्ट्रासाउंड आदि) का स्वदेशी विनिर्माण।
- ✓ **बल्क ड्रग पार्क योजना (2020):** आंध्र प्रदेश, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में 3 पार्क अनुमोदित।
- ✓ **Biopharma SHAKTI (बजट 2026-27):** 5 वर्षों के लिए **₹10,000 करोड़** परिव्यय (अनुसंधान व जैव-औषधि हेतु)।
- ✓ **रोज़गार:** 4.5 करोड़ (45 मिलियन) से अधिक लोगों को आजीविका (कृषि के बाद दूसरा बड़ा नियोक्ता)।
- ✓ **जीडीपी योगदान:** राष्ट्रीय GDP में **~2%**, विनिर्माण GVA में **11%**, और वस्तु निर्यात में **9%**।
- ✓ **निर्यात (2024-25):** $37.7 बिलियन | वैश्विक कपड़ा निर्यात में **4.1% हिस्सेदारी (विश्व में 6वाँ स्थान)**।
- ✓ **प्रमुख पहलें:** PM MITRA पार्क, राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन, राष्ट्रीय फाइबर मिशन, और कपास उत्पादकता मिशन।
- ✓ **समुद्री पैकेज (सितंबर 2025): ₹69,725 करोड़** का कुल पैकेज।**जहाज़ निर्माण विकास योजना:** ₹19,989 करोड़ (वार्षिक क्षमता लक्ष्य: 4.5 मिलियन GT)।**सहायता:** ग्रीनफील्ड क्लस्टर्स को 100% पूंजीगत सहायता (50:50 SPV); ब्राउनफील्ड (मौजूदा) यार्डों को 25% सहायता।**प्रस्तावित ग्रीनफील्ड क्लस्टर्स:** आंध्र प्रदेश, गुजरात और तमिलनाडु।
- ✓ **समुद्री वित्तपोषण कोष:**
    - **समुद्री विकास कोष:** ₹25,000 करोड़।
    - **समुद्री निवेश कोष:** ₹20,000 करोड़ (49% सरकारी इक्विटी)।
    - **ब्याज प्रोत्साहन कोष:** ₹5,000 करोड़।
- ✓ **कंटेनर विनिर्माण सहायता योजना -(बजट 2026-27):** परिव्यय **₹10,000 करोड़** (5 वर्ष); लक्ष्य: प्रतिवर्ष 7.5 लाख TEU क्षमता (मौजूदा से 10 गुना)।
    - उपलब्धि (जुलाई 2026): दादरी ICD (UP) में Maersk के लिए भारत का पहला स्वदेशी EXIM शिपिंग कंटेनर पेश किया गया।
    - ✓ **वैश्विक स्थिति:** 2-व्हीलर और 3-व्हीलर में **विश्व का सबसे बड़ा बाज़ार**; यात्री व वाणिज्यिक वाहनों में **3रा स्थान**।
    - ✓ **रोज़गार:** 30 मिलियन (3 करोड़) से अधिक प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोज़गार।
    - ✓ **उत्पादन (FY 2024-25):** 31.03 मिलियन इकाइयाँ।
    - ✓ **पीएम ई-ड्राइव (PM E-DRIVE - सितंबर 2024):** परिव्यय **₹10,900 करोड़**।
        - 28.30 लाख EV के लिए प्रोत्साहन।
        - 14,028 ई-बसों हेतु ₹4,391 करोड़ आवंटन।
        - सार्वजनिक EV चार्जिंग स्टेशनों के लिए ₹2,000 करोड़ आवंटन
    - ✓ **सौर पीवी विनिर्माण (Solar PV)**
- **बाज़ार अनुमान:** 2022-23 से 2029-30 के बीच **17–20% CAGR** से वृद्धि का अनुमान।
- **मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता:** 2014 के 2.3 GW से बढ़कर मार्च 2026 तक **~172 GW** हुई।
- **सेल विनिर्माण क्षमता:** 2014 के <1.2 GW से बढ़कर मार्च 2025 तक **25 GW**।
- **सौर पीवी PLI योजना: ₹24,000 करोड़** का कुल परिव्यय
- **निर्यात:** FY 2024-25 में सौर PV निर्यात, FY 2017-18 की तुलना में **~8 गुना** अधिक रहा।

6.भारत का कारोबारी परिवेश

राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली

- **शुरुआत:** वर्ष 2021 | **प्रकृति:** एकीकृत डिजिटल मंच।
- **उद्देश्य:** व्यवसायों को आवश्यक स्वीकृतियों की पहचान करने और उनके लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा प्रदान करना।
- **एकीकरण एवं दायरा:** 32 केंद्रीय मंत्रालयों तथा 34 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की स्वीकृतियों का एकीकरण।
- **उपलब्धि:** नवंबर 2025 तक 8.29 लाख से अधिक स्वीकृतियाँ प्रदान की जा चुकी हैं।

स्टार्टअप इंडिया पहल

- **शुरुआत:** वर्ष 2016 | **नोडल निकाय:** उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय।
- **उद्देश्य:** उद्यमिता को बढ़ावा देना, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और भारत को 'जॉब सीकर' से 'जॉब क्रिएटर' में बदलना।
- **DPIIT मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स:** वर्ष 2016 में **502** से बढ़कर अगस्त 2026 तक **2.47 लाख से अधिक**।

SPICe+ प्रपत्र (Simplified Proforma for Incorporating Company Electronically Plus)

- **शुरुआत:** वर्ष 2020 | **प्रकृति:** वेब-आधारित एकीकृत निगमन फॉर्म।
- पूर्व में कंपनियों को विभिन्न स्वीकृतियों के लिए अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों के पास जाना पड़ता था। SPICe+ के माध्यम से इन सभी प्रक्रियाओं को एक ही वेब-आधारित प्रपत्र में एकीकृत कर दिया गया है। भारत में नई कंपनियों के पंजीकरण/निगमन की प्रक्रिया को बेहद सरल, त्वरित, पारदर्शी और कागज़रहित बनाना।

MCA21 V3 पोर्टल

- **प्रकृति:** AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और ML (मशीन लर्निंग) आधारित कॉर्पोरेट रजिस्ट्री मंच।
- **कार्यान्वयन:** कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय।
- **उद्देश्य:** कंपनियों और सीमित दायित्व भागीदारी के लिए एंड-टू-एंड निगमन तथा रजिस्ट्री सेवाएं प्रदान करना।
- **विशेषता:** 'स्ट्रेट थ्रू प्रोसेसिंग' के माध्यम से बिना मानवीय हस्तक्षेप के स्वचालित अनुमोदन (2021-2025 के मध्य 3.84 करोड़ दाखिलों में से 3.33 करोड़ STP द्वारा अनुमोदित)।

उद्यम पंजीकरण पोर्टल

- **शुरुआत:** 1 जुलाई 2020 | **संबंधित मंत्रालय:** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME)।
- **विशेषताएँ:** पूर्णतः निःशुल्क, डिजिटल, कागज़रहित तथा स्व-घोषणा आधारित पंजीकरण।पैन और जीएसटी से सीधे लिंक।
- पोर्टल पर पंजीकरण संख्या अक्टूबर 2020 के 0.10 लाख से बढ़कर अगस्त 2026 तक 9.27 लाख से अधिक।

व्यवसाय सुधार कार्य योजना

- **शुरुआत:** वर्ष 2015 | **नोडल एजेंसी:** DPIIT।
- **अवधारणा:** सहकारी एवं प्रतिस्पर्धी संघवाद पर आधारित राज्यों/UTs की रैंकिंग।
- **मुख्य सुधार क्षेत्र:**
  - एकल खिड़की स्वीकृति
  - भूमि आवंटन एवं संपत्ति पंजीकरण
  - श्रम सुधार और निरीक्षण सरलीकरण
  - कराधान एवं पर्यावरणीय स्वीकृतियाँ।

7.ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC)

ONDC क्या है?

- **प्रकृति:** यह परस्पर जुड़े ई-मार्केटप्लेस का एक **खुला नेटवर्क** है, जो प्लेटफॉर्म-केंद्रित मॉडल (जैसे अमेज़न/फ्लिपकार्ट) के स्थान पर खुले नेटवर्क मॉडल पर कार्य करता है।
- **लांच: वर्ष 2021** में **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय** के **उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग** द्वारा 'डिजिटल इंडिया' पहल के भाग के रूप में।
- **संगठनात्मक संरचना:** यह एक **गैर-लाभकारी संगठन** है।
- **कार्यान्वयन निकाय: भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI)** को इस ओपन-सोर्स प्रौद्योगिकी नेटवर्क के माध्यम से ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों को एकीकृत करने का कार्य सौंपा गया है।
- **तुलना:** जिस प्रकार **UPI** ने डिजिटल भुगतान क्षेत्र का लोकतंत्रीकरण किया, उसी प्रकार ONDC ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र का लोकतंत्रीकरण करता है।

कार्यप्रणाली

- ONDC स्वयं में कोई एकल ई-कॉमर्स ऐप या प्लेटफ़ॉर्म नहीं है, बल्कि एक **डिजिटल गेटवे** के रूप में कार्य करता है जहाँ विभिन्न ऐप्स का उपयोग करने वाले क्रेता और विक्रेता आपस में जुड़ सकते हैं।

उद्देश्य

- **ई-कॉमर्स का लोकतंत्रीकरण एवं विकेंद्रीकरण:** किसी भी एकल या बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म के एकाधिकार को समाप्त करना।
- **समावेशिता:** छोटे और मध्यम उद्यमों, स्थानीय किराना दुकानों तथा विक्रेताओं को डिजिटल बाज़ार तक सीधी पहुँच प्रदान करना।
- **उपभोक्ता स्वतंत्रता:** उपभोक्ताओं को प्लेटफ़ॉर्म-बाध्यता से मुक्त कर अधिक विकल्प और प्रतिस्पर्धी कीमतें उपलब्ध कराना।

संभावित लाभ

- **बाज़ार पहुँच एवं लागत दक्षता:** विक्रेताओं के लिए प्रवेश बाधाओं और मध्यस्थों/बिचौलियों के कमीशन को कम करना, जिससे वस्तुओं की कीमतें सस्ती हो सकती हैं।
- **प्रतिस्पर्द्धा और पारदर्शी परिवेश:** एकाधिकार खत्म कर सभी प्रतिस्पर्धियों (छोटे व बड़े) के लिए समान अवसर तैयार करना।

Result Mitra

- **नवाचार:** ओपन-सोर्स आर्किटेक्चर के कारण डेवलपर्स को नए व्यावसायिक मॉडल और सेवाएँ विकसित करने की स्वतंत्रता।

8.भारत के व्यापारिक समझौते

1. मुक्त व्यापार समझौता

भागीदार देशों के बीच अधिकांश वस्तुओं पर आयात शुल्क को समाप्त या काफी कम करना।

उदाहरण:

- **आसियान:** 10 दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों (जैसे वियतनाम, मलेशिया, इंडोनेशिया आदि) के साथ द्विपक्षीय व्यापार ढाँचा।
- **श्रीलंका:** भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौता (ISFTA)।
- **यूके:** CETA / FTA ढाँचे के तहत व्यापार समझौते।
- **अन्य:** जापान और दक्षिण कोरिया के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार संबंध।

2. व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (CEPA / TEPA)

- **अवधारणा:** यह सबसे व्यापक और गहरा व्यापारिक ढाँचा है। इसमें वस्तुओं के अतिरिक्त **सेवाएँ, विदेशी निवेश, बौद्धिक संपदा अधिकार** तथा पेशेवरों के लिए **वीज़ा सुगमता** शामिल हैं।
- **प्रमुख उदाहरण:**
    - **यूएई:** भारत-यूएई CEPA (विशेष रूप से कपड़ा एवं आभूषण क्षेत्र हेतु महत्त्वपूर्ण)।
    - **EFTA देश:** स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन के साथ **TEPA (Trade and Economic Partnership Agreement)** समझौता (दीर्घकालिक निवेश प्रतिबद्धता के साथ)।
    - **जापान एवं दक्षिण कोरिया:** भारत-जापान CEPA तथा भारत-दक्षिण कोरिया CEPA।

3. व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (CECA / CECPA)

- **अवधारणा:** सामान्य FTA से व्यापक, परंतु CEPA से सीमित। इसमें मुख्य रूप से वस्तुओं के व्यापार के साथ-साथ आर्थिक सहयोग तथा चुनिंदा सेवाओं/निवेश पर ध्यान दिया जाता है।
- **प्रमुख उदाहरण:**
    - **सिंगापुर:** भारत-सिंगापुर CECA।
    - **मलेशिया:** भारत-मलेशिया CECA।
    - **मॉरीशस:** भारत-मॉरीशस CECPA (**किसी भी अफ्रीकी देश के साथ भारत का पहला व्यापक आर्थिक समझौता**)।

4. तरजीही व्यापार समझौता (PTA - Preferential Trade Agreement)

- **अवधारणा:** व्यापारिक समझौतों का प्राथमिक और सीमित रूप। इसमें व्यापक छूट के बजाय केवल चुनिंदा वस्तुओं पर ही आयात शुल्क कम किया जाता है।
- **प्रमुख उदाहरण:**
    - **मर्कोसुर:** दक्षिण अमेरिकी व्यापारिक ब्लॉक (ब्राजील, अर्जेंटीना, उरुग्वे, पराग्वे) के साथ PTA।
    - **चिली:** भारत-चिली PTA।
    - **अफ़गानिस्तान:** भारत-अफ़गानिस्तान PTA।

5. क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय समझौते (Regional / Plurilateral Agreements)

- **अवधारणा:** किसी एक देश के बजाय भौगोलिक क्षेत्र या बहु-देशीय समूहों के साथ साझा व्यापार नीति का निर्माण।
- **प्रमुख उदाहरण:**
    - **SAFTA (South Asian Free Trade Area):** सार्क के 8 सदस्य देशों (भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मालदीव, अफ़गानिस्तान) के बीच समझौता।
    - **APTA (Asia-Pacific Trade Agreement):** एशिया-प्रशांत क्षेत्र (भारत, चीन, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका, मंगोलिया) का तरजीही व्यापार ढाँचा।

9.भारत में चीनी की कीमत में वृद्धि

उत्पादन एवं खपत की स्थिति

- भारत विश्व का **दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश** (ब्राज़ील के बाद) तथा विश्व का **सबसे बड़ा चीनी उपभोक्ता** देश है।
- **सामान्य उत्पादन बनाम खपत:**
    - **घरेलू खपत:** प्रतिवर्ष लगभग 280–290 लाख टन।
    - **सामान्य उत्पादन:** प्रतिवर्ष लगभग 320–340 लाख टन।
- **वर्ष 2025-26 के उत्पादन अनुमान: 283 लाख टन**
- **भंडार स्थिति:** उत्पादन में गिरावट के बावजूद, पेराई ऋतु (अक्टूबर) शुरू होने तक घरेलू माँग हेतु पर्याप्त शेष भंडार उपलब्ध है।

चीनी मूल्य वृद्धि के प्रमुख कारक

1. प्रमुख उत्पादक राज्यों में गन्ने की फसल को क्षति: महाराष्ट्र-अत्यधिक वर्षा और जलभराव से गन्ने की रिकवरी दरों में कमी।रोग व कीट प्रकोप: गन्ने में 'रेड रॉट' तथा 'टॉप बोरर' जैसी बीमारियों से उपज में गिरावट।
2. **त्योहारी मांग:** रक्षाबंधन, ओणम तथा आगामी त्योहारों के दौरान मिठाइयों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में खपत में तीव्र वृद्धि।

Result Mitra

3. **कम शेष भंडार एवं निर्यात:** उत्पादन घटने और लगभग **8 लाख टन चीनी के पूर्व में ही निर्यात** हो जाने से पेराई मौसम से ठीक पहले बाज़ार में उपलब्ध भंडार में कमी।
4. **जमाखोरी और सट्टेबाजी:** बाज़ार में कमी की आशंका से मिलों, थोक विक्रेताओं तथा उपभोक्ताओं द्वारा जमाखोरी, जिससे तत्काल बाज़ार आपूर्ति प्रभावित हुई।

भारत के चीनी क्षेत्र में संरचनात्मक समस्याएँ

- **दोहरी मूल्य निर्धारण असमानता:** केंद्र के उचित एवं लाभकारी मूल्य और राज्यों के उच्च राज्य परामर्शित मूल्य में अंतर से मिलों का लाभ मार्जिन घटता है, किसानों का बकाया बढ़ता है और फसल चक्र में विकृति आती है।
- **क्षेत्रीय असंतुलन एवं जल संकट:** महाराष्ट्र व कर्नाटक जैसे अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों में गन्ने की जल-गहन खेती से भूजल का अत्यधिक दोहन होता है और सूखे के प्रति संवेदनशीलता बढ़ती है।
- **मृदा क्षरण एवं एकल फसल प्रणाली:** निरंतर गन्ने की खेती और अपर्याप्त फसल चक्र से मृदा में पोषक तत्वों की कमी, लवणीयता और जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है।
- **पुरानी तकनीक एवं अकुशल प्रसंस्करण:** पुरानी मिलों के कारण चीनी की कम रिकवरी , उच्च परिचालन लागत, वायु प्रदूषण तथा वैश्विक बाज़ार में प्रतिस्पर्द्धात्मकता की कमी आती है।
- **WTO सब्सिडी विवाद:** भारत की गन्ना सब्सिडी और निर्यात सहायता को WTO (एग्रीमेंट ऑन एग्रीकल्चर) में चुनौती मिलने से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बाधाएँ उत्पन्न होती हैं।
- **जैव ईंधन बनाम खाद्य सुरक्षा संतुलन:** कम चीनी उत्पादन वाले वर्षों में एथेनॉल संमिश्रण हेतु अत्यधिक गन्ने के डायवर्जन से घरेलू चीनी उपलब्धता कम होने और मूल्य वृद्धि का जोखिम रहता है।

10.भारत में R&D (अनुसंधान एवं विकास) निवेश: नीति आयोग रिपोर्ट

- **नीति आयोग रिपोर्ट:** 'भारत में अनुसंधान एवं विकास करने में सुगमता' शीर्षक से रिपोर्ट जारी।
- **मूल विषय:** भारत के अनुसंधान वित्तपोषण पारिस्थितिक तंत्र में विखंडन, दोहराव तथा डेटा संबंधी अंतरालों को रेखांकित करना।

R&D फंडिंग पारिस्थितिक तंत्र की मुख्य चुनौतियाँ

- ✓ **कम सकल व्यय (GERD):** भारत का R&D व्यय GDP के **0.6% से 0.8%** के बीच स्थिर (इजरायल ~5%, अमेरिका 3.5%, चीन 2.4% की तुलना में कम)।
- ✓ **अत्यधिक संकेंद्रण:** अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन का **80%+ वित्तपोषण केवल IIT प्रणाली** तक सीमित; राज्य विश्वविद्यालय वंचित।
- ✓ **निजी क्षेत्र की सीमित भूमिका:** विकसित देशों (70%+ निजी योगदान) की तुलना में भारत में निजी वेंचर कैपिटल और परोपकारी निवेश की कमी।
- ✓ **मानव पूंजी की कमी:** भारत में प्रति 10 लाख जनसंख्या पर केवल ~262 पूर्णकालिक शोधकर्त्ता (अमेरिका/यूके में ~5,000)।
- ✓ **अत्यधिक लालफीताशाही:** निधि वितरण में विलंब (3-6 माह) तथा कठोर वर्षांत वित्तीय नियमों के कारण अप्रयुक्त धनराशि की वापसी।
- ✓ **अनुदान का दोहराव:** DST, DBT, CSIR, ICMR जैसी एजेंसियों के अलग-अलग कार्य करने से समान अनुसंधान पर दोहरा खर्च।
- ✓ **डेटा विखंडन एवं इनफॉर्मेशन ब्लाइंडस्पॉट:** अनुदान संबंधी जानकारी दर्जनों अलग-अलग डेटाबेसों में अनस्ट्रक्चर्ड रूप में बिखरी होना, जिससे केंद्रीय निगरानी का अभाव।

R&D फंडिंग के प्रमुख वैश्विक मॉडल

- **यूरोपीय संघ (EU): CORDIS प्लेटफॉर्म** के माध्यम से सभी शोध परियोजनाओं और वित्तपोषण का केंद्रीय डेटाबेस।
- **यूनाइटेड किंगडम (UK): 'गेटवे टू रिसर्च'** पोर्टल द्वारा सार्वजनिक वित्तपोषित अनुसंधान की निगरानी।

नीतिगत सुझाव

1. **स्थायी डिजिटल पहचानकर्त्ता (PID):** हर R&D अनुदान को पैन/IMEI की तरह एक यूनिक डिजिटल ID देना और उसे शोध-पत्रों व पेटेंट से अनिवार्य रूप से जोड़ना।
2. **एकीकृत परियोजना प्रबंधन प्रणाली (UPMS):** नीति आयोग का एक ऐसा सिंगल डिजिटल पोर्टल जहाँ सभी सरकारी R&D परियोजनाओं का डेटा एक साथ उपलब्ध हो।
3. **क्षेत्रीय एवं संस्थागत संतुलन:** ANRF बजट का एक निश्चित हिस्सा केवल राज्य विश्वविद्यालयों और छोटे कॉलेजों के लिए आरक्षित करना।
4. **RDI फंड का प्रवर्तन:** RDI कोष के ज़रिए डीप-टेक आधारित स्टार्टअप्स को रियायती दर पर ऋण व वित्तीय सहायता देना।
5. **दीर्घकालिक राजकोषीय प्रतिबद्धता:** FRBM कानून की तर्ज पर R&D खर्च का वैधानिक नियम बनाना और कुल R&D बजट को GDP के 2% तक पहुँचाना।

11.भारत में नारियल क्षेत्र

- ✓ **उत्पादन एवं क्षेत्रफल:** भारत नारियल **उत्पादन में प्रथम स्थान** (विश्व का 31.24% योगदान) तथा **क्षेत्रफल में तीसरे स्थान** (17.90% हिस्सेदारी) पर है।
- ✓ **राज्यवार स्थिति:**

- **क्षेत्रफल:** केरल सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला राज्य है।
- **उत्पादन:** तमिलनाडु देश में नारियल उत्पादन में अग्रणी है।
- **उत्पादकता:** आंध्र प्रदेश में सर्वाधिक उत्पादकता दर्ज की गई है।

✓ **निर्यात रुझान:** नारियल उत्पादों के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

✓ **उत्पाद विविधीकरण:** भारत का निर्यात पारंपरिक उत्पादों (नारियल तेल, खोपरा) से उच्च मूल्य वर्द्धित उत्पादों (जैसे वर्जिन नारियल तेल, नारियल दूध, सक्रिय कार्बन) की ओर स्थानांतरित हो रहा है।

✓ **बाज़ार विस्तार:** निर्यात मध्य-पूर्व के देशों से आगे बढ़कर यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित बाज़ारों तक विस्तारित हुआ है।

नारियल विकास बोर्ड

✓ स्थापना व नोडल मंत्रालय: 12 जनवरी, 1981 को स्थापित; कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।

✓ मुख्यालय: कोच्चि (केरल)।

✓ गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री का वितरण, उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाना, कीट नियंत्रण, उत्पाद विविधीकरण और बाज़ार विकास।

खोपरा के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)

✓ MSP समावेशन: खोपरा MSP व्यवस्था के तहत शामिल 22 अनिवार्य फसलों में से एक है।

✓ खोपरा के दो प्रमुख प्रकार:

- **मिलिंग खोपरा:** तेल निष्कर्षण हेतु उपयोग।
- **बॉल खोपरा / खाद्य खोपरा:** सूखे मेवे और धार्मिक कार्यों हेतु उपयोग।

- **खरीद एजेंसियाँ: नाफेड** और **एनसीसीएफ** खोपरा खरीद हेतु केंद्रीय नोडल एजेंसियाँ हैं।

भारतीय रुपयाअधिक मूल्यांकन से निम्न मूल्यांकन तक :

चर्चा में क्यों?

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वर्ष 2026 में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगभग 5.8% मूल्यह्रास के बावजूद भारतीय रुपया अंकित और वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (REER) दोनों के संदर्भ में "अवमूल्यित" है।

मूल कारण: रुपये में यह गिरावट भारत के आंतरिक आर्थिक आधारों की वजह से नहीं, बल्कि उच्च कच्चे तेल की कीमतों, मजबूत डॉलर, भू-राजनीतिक तनाव और FPI बहिर्वाह जैसे **वैश्विक प्रतिकूल प्रभावों** के कारण है।

NEER बनाम REER: प्रमुख अवधारणात्मक अंतर

- **अंकित प्रभावी विनिमय दर (NEER):**
  - यह भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों की मुद्राओं के समूह के मुकाबले रुपये की नाममात्र क्षमता को मापने वाला एक व्यापार-भारित औसत सूचकांक है।
  - यह केवल द्विपक्षीय दरों में बदलाव दर्शाता है, लेकिन विभिन्न देशों के बीच **मुद्रास्फीति के अंतर को समायोजित नहीं करता**।
  - RBI 6-मुद्रा और 40-मुद्रा (वार्षिक वस्तु व्यापार का ~88%) समूहों के लिए NEER जारी करता है।
- **वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (REER):**
  - यह NEER का **मुद्रास्फीति-समायोजित** रूप है।
  - यह क्रय शक्ति समता (PPP) के सापेक्ष किसी मुद्रा की वास्तविक वैश्विक व्यापार **प्रतिस्पर्द्धात्मकता और मूल्यांकन** का अधिक सटीक संकेतक है।
  - **आधार वर्ष:** 2015–16 (मूल्य = 100)।
- **सूचकांक की व्याख्या:**
  - **REER > 100:** मुद्रा **Overvalued (अधिमूल्यित)** है—घरेलू निर्यात अंतर्राष्ट्रीय बाजार में महंगा हो जाता है।
  - **REER < 100:** मुद्रा **Undervalued (अवमूल्यित)** है—सैद्धांतिक रूप से निर्यात प्रतिस्पर्द्धात्मकता बढ़ती है।

RBI रुपये को अवमूल्यित (Undervalued) क्यों मानता है?

- **REER में बदलाव:** रुपये का REER 108.03 (अधिमूल्यित) से गिरकर 89.08 - 91.26 के स्तर पर आ गया है, जो 100 से नीचे होने के कारण अवमूल्यन का स्पष्ट संकेत देता है।
- **सुदृढ़ समष्टि आर्थिक आधार:**
  - GDP वृद्धि दर > 6%
  - नियंत्रित मुद्रास्फीति
  - 11 महीने से अधिक के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार।

रुपये के अवमूल्यन का आर्थिक प्रभाव

- **सकारात्मक प्रभाव:**
  - वैश्विक बाजारों में भारतीय वस्तुएँ तुलनात्मक रूप से सस्ती होने से निर्यात प्रतिस्पर्द्धात्मकता में सुधार।
  - आयातित वस्तुओं की तुलना में घरेलू विनिर्माण को लाभ, जो 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देता है।
- **जोखिम और चुनौतियाँ:**

- **आयातित मुद्रास्फीति:** कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और उर्वरक महंगे होना।
- **ECB भार:** बाह्य वाणिज्यिक उधार चुकाने की लागत बढ़ना।
- **चालू खाता घाटा:** उच्च तेल कीमतों के दौरान आयात बिल बढ़ने से CAD में वृद्धि।

SEBI का IT रेजिलिएंस इंडेक्स (ITRI)

चर्चा में क्यों?

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (**SEBI**) ने बाजार अवसंरचना संस्थानों (**MIIs** - जैसे स्टॉक एक्सचेंज, डिपॉजिटरी और क्लियरिंग कॉरपोरेशन) के लिए **'IT रेजिलिएंस इंडेक्स'** नामक एक नया डिजिटल स्वास्थ्य मूल्यांकन सूचकांक पेश किया है।

ITRI क्या है?

- **परिचय:** यह एक मात्रात्मक (नियामक उपकरण है, जो पूंजी बाजार के डिजिटल ढांचे की तकनीकी मजबूती, साइबर सुरक्षा, त्रुटि सहनशीलता (Fault Tolerance) और आपदा प्रबंधन क्षमताओं का मूल्यांकन करता है।
- **तुलना:** जिस प्रकार बैंकिंग क्षेत्र में वित्तीय स्वास्थ्य मापने के लिए **कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो (CAR)** का उपयोग होता है, उसी प्रकार ITRI पूंजी बाजारों की डिजिटल मजबूती को मापता है।
- **मुख्य उद्देश्य:** यह सुनिश्चित करना कि ट्रेडिंग, क्लियरिंग और सेटलमेंट सिस्टम किसी भी साइबर हमले, सॉफ्टवेयर खराबी या अचानक बढ़े ट्रेड वॉल्यूम के झटके को सहते हुए तेजी से रिकवर कर सकें।

प्रमुख विशेषताएँ

- **मात्रात्मक दृष्टिकोण:** यह पारंपरिक ऑडिट व्यवस्था के स्थान पर एक वस्तुनिष्ठ और मापने योग्य संख्यात्मक सूचकांक लागू करता है।
- **9-पैरामीटर ढाँचा:** यह 9 मुख्य स्तंभों पर MIIs का मूल्यांकन करता है।
- **अग्रिम चेतावनी प्रणाली:** MIIs के लिए स्वचालित टेलीमेट्री स्थापित करना अनिवार्य है, जो सर्वर में किसी भी तकनीकी खराबी या सिस्टम धीमा होने का संकेत आउटेज होने से पहले ही दे देती है।

शहरी सहकारी बैंकों का लाइसेंसिंग ढाँचा

चर्चा में क्यों?

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने घोषणा की है कि केंद्रीय बैंक जल्द ही **शहरी सहकारी बैंकों** के ऑन-टैप लाइसेंसिंग को फिर से शुरू करने के लिए मसौदा दिशा-निर्देश जारी करेगा।

क्या है?

- ✓ बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की **धारा 22** (धारा 56 के साथ सह-पठित) के तहत RBI द्वारा दी जाने वाली नियामक अनुमति, जो प्राथमिक सहकारी साख समितियों को शहरी/अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बैंकिंग गतिविधियाँ (जमा स्वीकार करना व ऋण देना) संचालित करने का अधिकार देती है।
- ✓ **इतिहास व समयरेखा:**
  - **1966:** UCBs को RBI के नियामक दायरे में लाया गया।
  - **1993 - 2001:** उदारीकृत लाइसेंसिंग दौर (820 से अधिक नए लाइसेंस जारी किए गए) ।
  - **2004:** नए लाइसेंसों की व्यापक विफलता के बाद RBI ने लाइसेंसिंग पर रोक लगा दी।
  - **2026:** RBI ने यूसीबी लाइसेंसिंग फिर से शुरू करने पर चर्चा पत्र जारी किया और अब ऑन-टैप लाइसेंसिंग हेतु ड्राफ्ट गाइडलाइंस की घोषणा की है।
- ✓ **मुख्य उद्देश्य:** शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और अच्छी तरह से संचालित सहकारी समितियों को पूर्ण विनियमित बैंकों में बदलने की अनुमति देना।

लाइसेंसिंग हेतु प्रस्तावित मानदंड

- ✓ **न्यूनतम पूंजी:** आवेदक समिति की न्यूनतम निवल संपत्ति **₹300 करोड़** होनी चाहिए।
- ✓ **परिचालन रिकॉर्ड:** समिति कम से कम **10 वर्षों से सक्रिय** हो और पिछले 5 वर्षों का वित्तीय ट्रैक रिकॉर्ड मजबूत हो।
- ✓ **पूंजी पर्याप्तता अनुपात:** जोखिम-भारित परिसंपत्ति अनुपात पर न्यूनतम पूंजी **12%** अनिवार्य है।
- ✓ **परिसंपत्ति गुणवत्ता:** शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां **3% से अधिक नहीं** होनी चाहिए।
- ✓ **भौगोलिक दायरा:** बड़े पैमाने के कारण बहु-राज्यीय सहकारी समितियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

2004 में लाइसेंसिंग पर रोक क्यों लगी थी?

- ✓ **वित्तीय कमजोरी और दिवालियापन:** 1990 के दशक में बने लगभग 31% UCB कमजोर क्रेडिट मूल्यांकन और अत्यधिक विस्तार के कारण वित्तीय रूप से अस्वस्थ हो गए।

- ✓ **प्रशासनिक विफलताएं और घोटाले:** माधवपुरा मर्केंटाइल कोऑपरेटिव बैंक संकट (2001) जैसे प्रमुख घोटालों ने खराब कॉरपोरेट गवर्नेंस और अंदरूनी लेन-देन की कमियों को उजागर किया।
- ✓ **दोहरे विनियमन (Dual Regulation) की समस्या:** बैंकिंग परिचालन का विनियमन RBI के पास था, जबकि प्रशासनिक नियंत्रण राज्य सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार (RCS) के पास था, जिससे कार्रवाई में देरी होती थी।

पुनः लाइसेंसिंग शुरू करने के कारण

- ✓ **वैधानिक शक्तियों में वृद्धि:** बैंकिंग विनियमन (संशोधन) अधिनियम, 2020 ने RBI को UCBs के प्रबंधन, बोर्ड के गठन और समाधान पर सीधे अधिकार देकर दोहरे विनियमन की खामी को दूर कर दिया है।
- ✓ **4-स्तरीय प्रूडेंशियल ढाँचा (4-Tier Framework):** दिसंबर 2022 से जमा के आधार पर 4-स्तरीय (Tier 1 to 4) नियामक मानक लागू किए गए हैं।
- ✓ **सुधरती वित्तीय स्थिति:** FY26 में UCBs का सकल NPA घटकर 6 वर्ष के निचले स्तर (**₹21,769 करोड़**) पर आ गया है, साथ ही प्रोविजन कवरेज रेशियो (PCR) भी सुधरा है।
- ✓ **NUCFDC का संस्थागत समर्थन:** 2024 में स्थापित 'नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन' (NUCFDC) UCBs को तकनीकी प्लेटफॉर्म, तरलता सहायता और पूंजी जुटाने में मदद प्रदान कर रहा है।

राजव्यवस्था और शासन

लद्दाख में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय की पीठ की स्थापना

चर्चा में क्यों?

20 अगस्त 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लद्दाख क्षेत्र में **जम्मू और कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय की एक पीठ (Bench) की स्थापना** को आधिकारिक मंजूरी दे दी है, जिसकी घोषणा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा की गई।

प्रमुख बिंदु:

- **नियामक ढांचा:** इसके लिए विशेष रूप से **'यूनियन टेरिटरी ऑफ लद्दाख (सिटिंग ऑफ बेंच ऑफ द हाईकोर्ट ऑफ जम्मू एंड कश्मीर एंड लद्दाख इन लद्दाख) रेगुलेशन, 2026'** लाया गया है।
- **पृष्ठभूमि:** वर्ष 2019 में जम्मू और कश्मीर के पुनर्गठन के बाद लद्दाख को एक अलग केंद्र शासित प्रदेश (UT) बनाया गया था, जिसके बाद से यहाँ एक स्थायी न्यायिक पीठ की मांग की जा रही थी।
- **मुख्य सीट और बेंच का स्थान:** वर्तमान में इस उच्च न्यायालय की मुख्य सीटें श्रीनगर और जम्मू में हैं। लद्दाख में स्थापित होने वाली इस नई बेंच के सटीक स्थान का निर्धारण उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा लद्दाख के उपराज्यपाल (Lieutenant Governor) की सहमति से किया जाएगा।

उद्देश्य एवं महत्व:

- **सुलभ न्याय:** लद्दाख के कठिन भौगोलिक और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को अब उच्च न्यायालय की सुनवाई के लिए लंबी दूर तय करके जम्मू या श्रीनगर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उनके समय और धन की भारी बचत होगी।
- **संस्थागत सशक्तिकरण:** यह कदम लद्दाख में न्यायिक बुनियादी ढांचे, उच्च न्यायिक सेवाओं और प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

चुनावों में काले धन पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश

चर्चा में क्यों?

17 अगस्त 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने यह निर्णय दिया कि चुनावों से काले धन के प्रभाव को समाप्त करना भारत निर्वाचन आयोग (ECI) की जिम्मेदारी है, तथा इसके साथ ही चुनावी वित्तीय अपराधों की त्वरित जांच और मुकदमों के लिए नए निर्देश जारी किए गए हैं।

मामले की पृष्ठभूमि:

यह मुद्दा 'प्रथिक पारसरामपुरिया बनाम कर्नाटक राज्य' के मामले से उत्पन्न हुआ, जिसमें न्यायालय ने चुनाव में काले धन की व्यापक प्रणालीगत समस्या की जांच करने के लिए कार्यवाही का विस्तार किया। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान दर्ज 3,87,430 एफआईआर में से केवल लगभग 42.9% मामलों में ही दोषसिद्धि हुई है।

प्रमुख निर्देश:

- **24 घंटे के भीतर रिपोर्टिंग:** नकदी या संपत्ति की जब्ती की सूचना 24 घंटे के भीतर संबंधित सक्षम प्राधिकारी को देनी होगी।
- **समयबद्ध जांच:** चुनाव से जुड़े धनशोधन के मामलों की जांच सामान्यतः एक वर्ष के भीतर पूरी होनी चाहिए तथा देरी के कारणों को दर्ज करना अनिवार्य होगा।
- **त्रैमासिक रिपोर्ट:** जांच अधिकारियों को निर्वाचन आयोग को त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट सौंपनी होगी।
- **आयकर विभाग को सूचना:** स्टेटिक सर्विलांस टीमों द्वारा पकड़ी गई 10 लाख रुपये से अधिक की नकदी की सूचना आयकर अधिकारियों को दी जानी चाहिए।
- **मुकदमे वापसी पर रोक:** चुनाव चक्र के दौरान उम्मीदवारों के खिलाफ मामलों या अभियोगों को वापस लेने के लिए संबंधित उच्च न्यायालय की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी।

यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 324 (चुनाव आयोग की शक्तियां) और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के तहत चुनावी अपराधों से निपटने को रेखांकित करता है। इसमें कंवर लाल गुप्ता मामला (1975), वोहरा समिति रिपोर्ट (1993) और विधि आयोग की 255वीं रिपोर्ट के तर्कों को भी शामिल किया गया है।

गोरखालैंड आंदोलन और स्वायत्तता की माँग:

चर्चा में क्यों?

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग पहाड़ी क्षेत्रों, कालिम्पोंग और तराई-दुआर्स में नेपाली भाषी गोरखा समुदाय द्वारा एक अलग प्रशासनिक और राजनीतिक इकाई बनाने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। हाल ही में (अगस्त 2026) केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा इसके स्थायी राजनीतिक समाधान हेतु एक उच्च स्तरीय समिति के गठन से यह मुद्दा पुनः चर्चा में है।

मुख्य विवरण एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- **मांग का आधार:** यह क्षेत्र भाषाई, सांस्कृतिक और जातीय रूप से बंगाली बहुल मैदानी इलाकों से भिन्न है। यहाँ के निवासियों की मुख्य मांग अपनी विशिष्ट पहचान की रक्षा और राजनीतिक स्वशासन की है।
- **ऐतिहासिक विकास:**
    - **1907:** दार्जिलिंग हिलमेन एसोसिएशन द्वारा मिंटो-मोरली सुधार समिति को याचिका देकर बंगाल से अलग प्रशासनिक पहचान की मांग की गई।
    - **1947:** स्वतंत्रता के समय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा जवाहरलाल नेहरू को 'गोरखास्थान' के संबंध में ज्ञापन दिया गया था।
    - **1980 का दशक:** सुभाष घिसिंग और 'गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट' (GNLF) के नेतृत्व में यह आंदोलन व्यापक रूप से उभरा और 'गोरखालैंड' शब्द लोकप्रिय हुआ।
- **संस्थागत प्रयास:**
    - दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल **(DGHC):** अशांति को शांत करने के लिए **1988** में दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल का गठन किया गया।
    - 'गोरखा प्रादेशिक प्रशासन' **(GTA) : 2011** में **DGHC** को प्रतिस्थापित कर 'गोरखा प्रादेशिक प्रशासन' बनाया गया, लेकिन यह पूर्ण राज्य की मांग को शांत नहीं कर सका।
- **नवीनतम घटनाक्रम (अगस्त 2026):** केंद्र सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति 11 गोरखा समुदायों को अनुसूचित जनजाति (ST) का दर्जा देने, वित्तीय सहायता और स्थायी राजनीतिक समाधान के रोडमैप की जांच कर रही है।

आंध्र प्रदेश पैदल चलने का अधिकार देने वाला पहला राज्य बना

चर्चा में क्यों?

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फुटपाथ पर चलने के अधिकार को 'मौलिक अधिकार' के तहत मान्यता दिए जाने के बाद, **आंध्र प्रदेश** देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है जिसने **'पैदल यात्री सुरक्षा और सार्वभौमिक पहुंच नीति, 2026'** को अधिसूचित किया है।

नीति की पृष्ठभूमि और उद्देश्य

- यह नीति सुप्रीम कोर्ट के उस ऐतिहासिक फैसले के बाद आई है जिसमें कोर्ट ने वाहन-केंद्रित शहरी नियोजन की जगह मानव-केंद्रित बुनियादी ढांचे पर जोर दिया था।
- सुप्रीम कोर्ट ने फुटपाथों पर सुरक्षित चलने के अधिकार को **अनुच्छेद 21** के तहत एक **मौलिक अधिकार** के रूप में मान्यता दी थी।
- भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले हर 5 लोगों में से 1 पैदल यात्री होता है। वर्ष 2023 में देश भर में 35,221 पैदल यात्रियों की जान गई थी।

नीति के प्रमुख प्रावधान

आंध्र प्रदेश की यह नीति **तीन स्तंभों** पर आधारित है:

- **वैज्ञानिक रोड सेफ्टी ऑडिट:** ब्लैक स्पॉट्स की पहचान और पहले वर्ष में कम से कम 20% सड़कों का ऑडिट अनिवार्य किया गया है।
- **फुटपाथ अवसंरचना व पहुंच:** फुटपाथ की न्यूनतम चौड़ाई 2 मीटर और अधिकतम ऊंचाई 150mm निर्धारित की गई है। साथ ही, दिव्यांगजनों के लिए स्पर्शनीय संकेतक और रैंप अनिवार्य हैं। अतिक्रमण के खिलाफ 'शून्य-सहनशीलता' की नीति अपनाई गई है।
- **व्यवहार परिवर्तन:** नागरिकों की भागीदारी के लिए मोबाइल ऐप, GIS मैपिंग और सामाजिक ऑडिट का उपयोग।
- **वैधानिक जवाबदेही (मोटर वाहन अधिनियम, 1988):** इस नीति के तहत **धारा 198A** को प्रभावी बनाया गया है, जिसके अनुसार यदि सड़क के डिजाइन या बुनियादी ढांचे की खराबी के कारण किसी पैदल यात्री की मृत्यु या विकलांगता होती है, तो संबंधित अधिकारियों, ठेकेदारों और सलाहकारों पर **₹1 लाख तक का जुर्माना** लगाया जा सकता है।

इन सब के अलावे फुटपाथ टाइल्स और पेवमेंट ब्लॉक के निर्माण में संसाधित निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का उपयोग अनिवार्य किया गया है।

मानसून सत्र 2026 में पिछले कई दशकों में सबसे कम कामकाज दर्ज

चर्चा में क्यों?

संसद का **मानसून सत्र 2026** (20 जुलाई से 13 अगस्त 2026) पिछले कुछ दशकों में सबसे कम उत्पादकता वाला सत्र रहा, जिसमें पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार **लोकसभा में मात्र 15%** और **राज्यसभा में 33%** ही कामकाज हुआ।

मानसून सत्र 2026 सम्बंधित प्रमुख विवरण:

- **अवधि:** 20 जुलाई 2026 से 13 अगस्त 2026 तक।
- **उत्पादकता:** लोकसभा में निर्धारित समय का केवल 15% (लगभग 17.5 घंटे) और राज्यसभा में 33% (लगभग 37.37 घंटे) कार्य हुआ।

- **पारित विधेयक:** भारी हंगामे और व्यवधान के बीच कुल 11 विधेयक पारित किए गए, जिनमें से **9 विधेयक बिना किसी व्यापक चर्चा के** ही पारित कर दिए गए।

कामकाज में कमी के प्रमुख कारण:
- **राजनीतिक ध्रुवीकरण व ज्वलंत मुद्दे:** NEET पेपर लीक जैसे समसामयिक मुद्दों पर राजनीतिक दलों के बीच तीखा टकराव और आम सहमति का अभाव।
- **संसदीय समितियों की घटती भूमिका:** 18वीं लोकसभा में न्यूनतम विधेयकों को ही संसदीय समितियों के पास संवीक्षा के लिए भेजा गया।
- **कार्यपालिका का अतिक्रमण:** विधेयकों को पारित कराने के लिए जल्दबाजी और धन विधेयक के प्रावधानों के प्रयोग से राज्यसभा की समीक्षा शक्ति की उपेक्षा होना।
- **संसाधन और समर्थन की कमी:** भारतीय सांसदों के पास अमेरिकी 'कंग्रेसनल रिसर्च सर्विस' (CRS) जैसी स्वतंत्र और सुदृढ़ अनुसंधान सेवाओं का अभाव।

संसदीय कार्यप्रणाली पर प्रभाव:
- **शीघ्रता में कानून निर्माण:** पर्याप्त बहस के बिना कानून बनने से उनकी भाषा अस्पष्ट और क्रियान्वयन कमजोर हो जाता है।
- **उत्तरदायित्व में कमी:** प्रश्नकाल और शून्यकाल में व्यवधान से कार्यपालिका की संसद के प्रति जवाबदेही कमजोर होती है।
- **न्यायिक अतिक्रमण:** विधायिका में विधिक रिक्तता उत्पन्न होने पर न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ता है।

सुधार के उपाय:
- **बैठक दिवस:** संविधान समीक्षा आयोग की सिफारिश के अनुसार संसद के लिए प्रतिवर्ष कम से कम 100 बैठक दिवस अनिवार्य किए जाने चाहिए।
- **ब्रिटिश मॉडल:** ब्रिटिश संसद की तर्ज पर 'विपक्षी दिवस' निर्धारित किए जाने चाहिए, जिसमें विपक्ष को अपना विधायी एजेंडा तय करने का अधिकार हो।
- **दंडात्मक उपाय:** संसदीय कार्यवाही को जानबूझकर बाधित करने वाले सदस्यों के लिए वेतन कटौती जैसे अनुशासनात्मक प्रावधानों को कड़ाई से लागू किया जाना चाहिए।

बार काउंसिल और NALSAR विवाद

चर्चा में क्यों?

हैदराबाद स्थित NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के छात्रों द्वारा दीक्षांत समारोह में मुख्य न्यायाधीश को आमंत्रित करने के विरोध के जवाब में BCI द्वारा उनके नामांकन पर रोक लगाने के निर्देश के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है।

विवाद की पृष्ठभूमि

- **मूल कारण:** हैदराबाद स्थित **NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ** के 2026 बैच के कुछ छात्रों ने दीक्षांत समारोह में मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्य कांत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने का विरोध किया था।
- **BCI का निर्देश:** इसके जवाब में बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) ने सभी राज्य बार काउंसिलों को निर्देश जारी कर दिया कि वे NALSAR के 2026 बैच के स्नातकों का वकील के रूप में नामांकन रोक दें।
- **आदेश की वापसी:** चौतरफा आलोचना और कानूनी चुनौतियों के बाद BCI ने इस सामूहिक सजा वाले निर्देश को कुछ ही घंटों में वापस ले लिया था।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

चीफ जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले पर निम्नलिखित महत्वपूर्ण विधिक सिद्धांत स्पष्ट किए:
- **क्षेत्राधिकार की सीमा:** BCI और राज्य बार काउंसिलों के पास कानून के छात्रों पर अनुशासनात्मक नियंत्रण रखने की कोई वैधानिक शक्ति नहीं है।
- **संस्थानों की स्वायत्तता:** छात्रों के आचरण पर अनुशासनात्मक नियंत्रण पूरी तरह से उस विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थान का होता है जहाँ वे नामांकित हैं।
- **समय-सीमा:** एक कानून स्नातक पर बार काउंसिल का अधिकार क्षेत्र केवल तब शुरू होता है जब वह वकील के रूप में नामांकन के लिए आवेदन करता है। BCI छात्रों को पहले से ही लक्षित नहीं कर सकती।

यह निर्णय वैधानिक निकायों की अधिकार सीमा को स्पष्ट करने तथा छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों और शैक्षणिक स्वायत्तता की रक्षा करने के दृष्टिकोण से अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

2. मुख्य बिंदु और प्रमुख तथ्य:
- **वैधानिक क्षेत्राधिकार:** अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के तहत BCI का अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्र केवल पंजीकृत वकीलों पर लागू होता है, छात्रों पर नहीं। किसी भी कानून स्नातक पर बार काउंसिल का अधिकार क्षेत्र केवल तब शुरू होता है जब वह वकील के रूप में नामांकन के लिए आवेदन करता है।
- **संस्थानों की स्वायत्तता:** छात्रों के आचरण पर अनुशासनात्मक नियंत्रण पूरी तरह से संबंधित विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थान का होता है, न कि बार काउंसिल का।
- **संवैधानिक प्रावधान:** यह मामला अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की वैधानिक स्थिति के साथ-साथ संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शैक्षणिक संस्थानों में अकादमिक स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट के डिजिटल अरेस्ट घोटालों पर नए निर्देश

चर्चा में क्यों?

4 अगस्त 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने देश में तेजी से बढ़ रहे 'डिजिटल अरेस्ट' साइबर घोटालों पर अंकुश लगाने, जांच को मजबूत करने और पीड़ितों के पैसों की रिकवरी में सुधार के लिए राष्ट्रव्यापी निर्देश जारी किए हैं।

प्रमुख निर्देश:

- **RBI की भूमिका:** भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) को साइबर धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल होने वाले म्यूल बैंक खातों से निपटने के लिए चार सप्ताह के भीतर एक मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) तैयार करने का निर्देश दिया गया है।
- **राज्य सरकारें:** सभी राज्यों को साइबर धोखाधड़ी की शिकायत निवारण और धन बहाली प्रणालियों को पूरी तरह से चालू करने के निर्देश दिए गए हैं।
- **ई-जीरो एफआईआर (e-Zero FIR):** अदालत ने साइबर अपराध की शिकायतों का त्वरित पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए देश भर में ई-जीरो एफआईआर तंत्र को अपनाने पर जोर दिया है।

- **पीड़ित संरक्षण:** केंद्र सरकार को डिजिटल अरेस्ट घोटालों के पीड़ितों के लिए साझा देयता और पीड़ित मुआवजा ढांचे की जांच करने के लिए कहा गया है।

डिजिटल अरेस्ट क्या है?

- यह एक आधुनिक साइबर जबरन वसूली घोटाला है, जिसमें जालसाज कानून प्रवर्तन एजेंसियों (जैसे—CBI, ED, या पुलिस) के अधिकारी बनकर फर्जी वीडियो कॉल करते हैं।
- वे कृत्रिम स्टूडियो और जाली दस्तावेजों के माध्यम से पीड़ितों को डराते हैं कि उन्हें "डिजिटल रूप से गिरफ्तार" कर लिया गया है, और फिर गिरफ्तारी से बचने के एवज में बैंक ट्रांसफर के जरिए मोटी रकम वसूलते हैं।

न्यायिक सेवा के लिए अभ्यास की अनिवार्यता में कटौती

चर्चा में क्यों?

21 अगस्त 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने समीक्षा याचिका पर सुनवाई करते हुए 2:1 के बहुमत से निर्णय दिया कि न्यायिक सेवा परीक्षाओं में बैठने के लिए आवश्यक कानूनी अभ्यास (Legal Practice) की अवधि को 3 वर्ष से घटाकर 1 वर्ष कर दिया गया है।

पृष्ठभूमि:

'अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ मामले' के निर्देशों के आधार पर मई 2025 में न्यायालय ने 3 साल की वकालत अनिवार्य की थी, किंतु संक्रमण काल के अभाव में उत्पन्न कठिनाइयों को देखते हुए अब इसे संशोधित कर 1 वर्ष कर दिया गया है।

मुख्य निर्णय और नए नियम:

- **छूट की अवधि:** 25 मई 2025 और 31 मार्च 2027 के बीच अधिसूचित होने वाली परीक्षाओं के लिए उम्मीदवार पूर्व अनुभव के बिना भी पात्र बने रहेंगे।
- **प्रशिक्षण ढांचा:** चयनित उम्मीदवारों को पहले 'ट्रेनी न्यायिक अधिकारी' के रूप में नियुक्त किया जाएगा, जिन्हें न्यायिक अकादमी में 1 वर्ष का प्रशिक्षण और उसके बाद 1 वर्ष की संरचित क्लर्कशिप पूरी करनी होगी।
- **लागू होने की तिथि:** 1 वर्ष की अनिवार्य वकालत का यह नियम 1 अप्रैल 2027 के बाद जारी होने वाली अधिसूचनाओं पर सख्ती से लागू होगा।

यह निर्णय युवा कानून स्नातकों के लिए न्यायिक सेवा में प्रवेश के अवसरों को सुगम बनाने के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से न्यायपालिका की गुणवत्ता और दक्षता को बनाए रखने का संतुलित प्रयास है।

Result Mitra

वैक्यूम बाइरिफ्रिंजेंस (Vacuum Birefringence) - वैक्यूम द्विअपवर्त

चर्चा में क्यों?

हालिया अध्ययन में मैग्नेतार **1E 1547.0−5408** के आसपास 'वैक्यूम बाइरिफ्रिंजेंस' के मजबूत साक्ष्य दर्ज किए गए हैं, जहाँ उत्सर्जित X-किरणों में 80% तक का ध्रुवीकरण देखा गया। यह अवलोकन **क्वांटम इलेक्ट्रोडायनामिक्स** के इस पुराने सिद्धांत की पुष्टि करता है कि "शून्य/निर्वात वास्तव में पूरी तरह खाली नहीं है।"

इसका क्या मतलब है?

हम बचपन से पढ़ते आए हैं कि **'निर्वात'** यानी अंतरिक्ष का खाली स्थान बिल्कुल सूना और खाली होता है, जहाँ कुछ भी नहीं होता।लेकिन **क्वांटम भौतिकी** कहती है कि यह सोचना गलत है। खाली स्थान वास्तव में **पूरी तरह खाली नहीं होता**, बल्कि उसमें बहुत सूक्ष्म कण (इलेक्ट्रॉन और पॉज़िट्रॉन) बहुत कम समय (माइक्रोसेकंड) के लिए बनते और नष्ट होते रहते हैं।

यह 'द्विअपवर्तन' क्या है?

इसे एक साधारण उदाहरण से समझें:

- जब आप **साधारण पानी या काँच** से रोशनी गुजारते हैं, तो रोशनी सीधी निकल जाती है।
- लेकिन जब रोशनी **कैल्साइट नाम के एक खास क्रिस्टल (प्रिज्म)** से गुजरती है, तो वह टकराकर दो अलग-अलग रास्तों में बँट जाती है, क्योंकि क्रिस्टल के अंदर अलग-अलग दिशाओं में रोशनी की रफ्तार बदल जाती है।

'वैक्यूम बाइरिफ्रिंजेंस' का मतलब है कि एक बेहद शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र में खाली स्थान (स्पेस) भी एक क्रिस्टल (प्रिज्म) की तरह व्यवहार करने लगता है और रोशनी/X-किरणों को मोड़कर ध्रुवीकृत कर देता है।

कैसे काम करता है?

1. **आभासी कण:** निर्वात में हर पल छोटे-छोटे कण पैदा होते हैं और गायब हो जाते हैं।
2. **सुपर-पावरफुल मैग्नेट:** ब्रह्मांड में 'मैग्नेतार' नाम के मृत तारे होते हैं, जिनका चुंबकीय क्षेत्र पृथ्वी के मैग्नेट से अरबों-खरबों गुना मजबूत होता है। यह चुंबकीय क्षेत्र खाली स्थान के उन छोटे-छोटे कणों को एक खास दिशा में सेट कर देता है।
3. **लाइट का मुड़न:** जब X-रे किरणें इस बदले हुए खाली स्थान से गुजरती हैं, तो वे एक खास दिशा में मुड़ जाती हैं।

हाल ही में क्या खोज हुई?

वैज्ञानिकों ने **1E 1547.0–5408** नामक मैग्नेतार से आने वाली X-किरणों में **80% ध्रुवीकरण** देखा।1930 के दशक में वैज्ञानिक **हाइजेनबर्ग** ने जो भविष्यवाणी की थी कि "अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र में खाली स्थान भी क्रिस्टल की तरह काम करने लगता है", वह 100% सच साबित हुई।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए मुख्य बातें:

1. **QED सिद्धांत की पुष्टि:** यह प्रयोग साबित करता है कि क्वांटम निर्वात पूरी तरह खाली नहीं है।
2. **मैग्नेतार की भूमिका:** यह प्रभाव केवल मैग्नेतार जैसे अत्यधिक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र के पास ही देखा जा सकता है, इंसानी प्रयोगशालाओं में नहीं।
3. **X-रे ऊर्जा पर निर्भरता:** X-रे की ऊर्जा बदलने पर ध्रुवीकरण की मात्रा भी बदलती है।
4. **वैक्यूम रेजोनेंस:** एक खास ऊर्जा स्तर पर रोशनी के मुड़ने की दिशा अचानक बदल सकती है।

ज्ञाने अर्थ (Gnani Artha) सार्वभौम AI स्टैक - आसान भाषा में संपूर्ण विश्लेषण

1. चर्चा में क्यों? (Why in News?)

भारत के उपराष्ट्रपति ने **'ज्ञाने अर्थ' (Gnani Artha)** नाम का भारत का अपना (स्वदेशी) **सार्वभौम आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (Sovereign AI) स्टैक** लॉन्च किया है। इसमें दो मुख्य सिस्टम शामिल हैं: **'इवॉन 3.3' (Evon 3.3)** भाषा मॉडल और **'प्लेक्सस' (Plexus)** एजेंटिक प्लेटफॉर्म।

2. मुख्य परिचय (Overview)

- **यह क्या है?** यह भारतीय कंपनियों, सरकारी विभागों और सार्वजनिक संस्थानों के लिए बनाया गया पूरी तरह से स्वदेशी (Made in India) AI तकनीक का ढाँचा है।
- **बनाने वाली कंपनी: GNANI AI** (यह बेंगलुरु की एक डीप-टेक स्टार्टअप कंपनी है, जो वॉयस और बातचीत वाले AI पर काम करती है)।
- **इसके 2 मुख्य भाग:**
  1. **Evon 3.3:** यह 30-बिलियन पैरामीटर वाला एक मुख्य भाषा मॉडल (LLM) है, जिसे भारतीय भाषाओं के डेटा से तैयार किया गया है। यह 'ओपन-वेट्स' है (यानी इसका कोड/मॉडल रिसर्च के लिए उपलब्ध है)।
  2. **Plexus:** यह एक स्मार्ट प्लेटफॉर्म है, जो बिना इंसानी दखल के AI से बड़े-बड़े काम (Goal-oriented Workflows) खुद-ब-खुद पूरे कराता है।
- **मुख्य लक्ष्य:** भारत की अपनी सुरक्षित AI क्षमता बनाना, देश के डेटा को देश में ही सुरक्षित (Data Sovereignty) रखना और विदेशी AI कंपनियों/क्लाउड पर भारत की निर्भरता को खत्म करना।

3. प्रमुख विशेषताएँ (**Key Features**)

- **कम खर्च वाली MoE तकनीक (Mixture-of-Experts):** भले ही Evon 3.3 में कुल 30 बिलियन पैरामीटर हैं, लेकिन काम करते समय इसका स्मार्ट सिस्टम एक बार में सिर्फ **~3.5 बिलियन पैरामीटर** को ही इस्तेमाल में लाता है। इससे कंप्यूटर की बिजली और प्रोसेसिंग का खर्च बहुत बचता है।
- **खास भारतीय टोकेनाइजर (Indic Tokenizer):** इसे भारतीय लिपियों और भाषाओं के हिसाब से नया रूप दिया गया है। यह विदेशी मॉडलों की तुलना में भारतीय शब्दों को समझने के लिए **20% तक कम टोकन** लेता है, जिससे AI चलाने का खर्च काफी घट जाता है।
- **सबके लिए उपलब्ध (Open-Weights Accessibility):** इसे **Apache 2.0 लाइसेंस** के तहत जारी किया गया है। इसका मतलब है कि भारत के शोधकर्ता और डेवलपर्स इसे मुफ्त में जांच सकते हैं, सुधार सकते हैं और अपनी जरूरत के हिसाब से बदल सकते हैं।
- **खुद के सर्वर पर चलाने की सुविधा (On-Premise Deployment):** किसी भी बैंक या सरकारी दफ़्तर को अपना डेटा बाहर भेजने की ज़रूरत नहीं है। इसे संगठन के अपने निजी डेटा सेंटर के एक सिंगल कंप्यूटर नोड पर चलाया जा सकता है, जिससे **डेटा स्थानीयकरण (Data Localization)** के नियमों का पालन होता है।

सबसी केबल इंफ्रास्ट्रक्चर (Subsea Cable Infrastructure)

चर्चा में क्यों? आंध्र प्रदेश का तटीय क्षेत्र (विशेषकर विशाखापत्तनम) गूगल और माइक्रोसॉफ्ट के एआई (AI) डेटा सेंटर निवेश के कारण मुंबई और चेन्नई के बाद भारत का तीसरा प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सबसी केबल लैंडिंग हब बन रहा है।समुद्र के नीचे बिछाए गए ऑप्टिकल फाइबर केबलों का नेटवर्क, जो दुनिया का **95% से 99% इंटरनेट डाटा**, वॉइस और वित्तीय लेनदेन को ट्रांसफर करता है।

कार्य प्रणाली:

- **प्रकाश संचार:** लेजर द्वारा डिजिटल डाटा को प्रकाश तरंगों में बदलकर **पूर्ण आंतरिक परावर्तन** के सिद्धांत पर भेजा जाता है।
- **ऑप्टिकल रिपीटर्स:** सिग्नल की तीव्रता बनाए रखने के लिए समुद्र में हर 60 से 80 किमी पर लगाए जाते हैं।
- **केबल लैंडिंग स्टेशन:** तटीय क्षेत्र में स्थित स्टेशन, जो सबसी केबल को राष्ट्रीय धरातलीय फाइबर नेटवर्क और डेटा सेंटरों से जोड़ते हैं।

भारत के 3 प्रमुख सबसी केबल हब:

- **मुंबई:** पश्चिमी द्वार (मध्य पूर्व, यूरोप और अफ्रीका से जुड़ाव)।
- **चेन्नई:** पूर्वी द्वार (दक्षिण-पूर्व एशिया और पूर्व एशिया से जुड़ाव)।
- **विशाखापत्तनम:** नया उभरता तीसरा हब (दक्षिण-पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूएसए से सीधा जुड़ाव)।

प्रमुख विशेषताएं एवं अनुप्रयोग:

- **उपग्रहों (Saकी तुलना में श्रेष्ठ:** सैटेलाइट की तुलना में बेहद कम लेटेंसी, कम लागत और अत्यधिक बैंडविड्थ क्षमता।

- **हाइपरस्केलर्स का स्वामित्व:** अब टेलीकॉम कंपनियों के बजाय **गूगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसे क्लाउड/AI दिग्गज** खुद के सबसी केबल बिछा रहे हैं।
- **सुरक्षात्मक आवरण:** गहरे समुद्र में ये गार्डन होज जितने पतले होते हैं, लेकिन तट के पास इन पर स्टील, एल्युमीनियम और पॉलीथीन की बहुस्तरीय सुरक्षा परत चढ़ाई जाती है।
- **उपयोग:** वैश्विक इंटरनेट, रियल-टाइम AI प्रोसेसिंग, हाई-फ्रीक्वेंसी वित्तीय ट्रेडिंग और सुरक्षित सरकारी/रक्षा संचार।

नेन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप (NASA द्वारा लॉन्च)

✓ **उद्देश्य:** डार्क एनर्जी, डार्क मैटर, ब्रह्मांडीय विस्तार, गुरुत्वाकर्षण भौतिकी और बाह्यग्रहों का अध्ययन करने हेतु नासा का अगला प्रमुख फ्लैगशिप ऑब्जर्वेटरी।

✓ **नामकरण:** नासा की पहली मुख्य खगोलशास्त्री "नेन्सी ग्रेस रोमन" के नाम पर, जिन्हें **"हबल स्पेस टेलीस्कोप की माता" (Mother of Hubble)** कहा जाता है।

✓ **पूरक भूमिका:** यह हबल (1990) और जेम्स वेब (2021) स्पेस टेलीस्कोप के कार्यों का पूरक बनेगा।

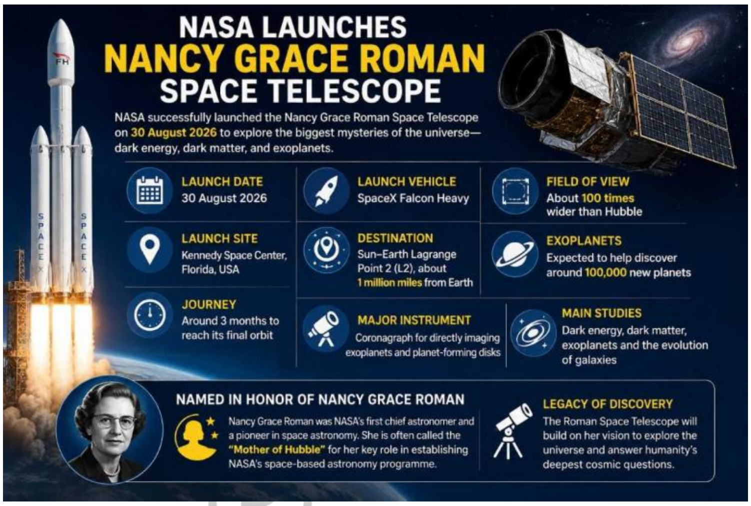

लांच, स्थान व कार्यक्षमता:

✓ **लांच व लागत:** लगभग $4 बिलियन की लागत वाला यह मिशन फ्लोरिडा स्थित केनेडी स्पेस सेंटर से **स्पेसएक्स फाल्कन हैवी** रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित।

✓ **स्थान:** पृथ्वी से लगभग 1.6 मिलियन किमी दूर **सूर्य-पृथ्वी लाग्रेंज प्वाइंट 2 (L2)** पर कार्य करेगा।

✓ **क्षमता व डेटा:** हबल की तुलना में **1,000 गुना तेजी से सर्वे** करेगा। डेटा विश्लेषण के लिए **AI और मशीन लर्निंग** का उपयोग करके प्रतिदिन 1.4 टेराबाइट (TB) डेटा उत्पन्न करेगा।

उपकरण व मुख्य अनुप्रयोग:

✓ **वाइड फील्ड इंस्ट्रूमेंट:** 300-मेगापिक्सल इंफ्रारेड कैमरे से युक्त, जो 2 अरब से अधिक आकाशगंगाओं और ब्रह्मांडीय संरचनाओं के विकास का सर्वेक्षण करेगा।

✓ **कोरोनाग्राफ इंस्ट्रूमेंट:** तारों के तीव्र प्रकाश को रोककर बाह्यग्रहों और ग्रह-निर्माण डिस्क का सीधा अवलोकन करेगा।

✓ **अध्ययन क्षेत्र:** समय के साथ ब्रह्मांड के विस्तार, डार्क एनर्जी की भूमिका और मिल्की वे में ग्रहीय प्रणालियों का सांख्यिकीय सर्वेक्षण।

✓ **अंतरराष्ट्रीय भागीदार:** ESA (यूरोप), JAXA (जापान), CNES (फ्रांस) और मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर एस्ट्रोनॉमी (जर्मनी)।

CSIR-NAL के स्वदेशी माइक्रो और स्मॉल गैस टरबाइन इंजन

चर्चा में क्यों?

✓ CSIR-नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज (CSIR-NAL) ने नई दिल्ली स्थित CSIR मुख्यालय में तीन स्वदेशी माइक्रो और स्मॉल गैस टरबाइन इंजन—**NJ-05, NJ-50, और NJ-100** का अनावरण किया है।

✓ **इंजन श्रृंखला (NJ Engine Family):**

NJ-05: 5 kg थ्रस्ट (Thrust)

NJ-50: 50 kg थ्रस्ट

NJ-100: 100 kg थ्रस्ट (NJ-5 टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर के डेटा के आधार पर विकसित)

✓ **दायरा:** 5 kg से 100 kg तक स्वदेशी थ्रस्ट क्षमता का प्रदर्शन।

✓ **तकनीकी पहलू:**

✓ **सिद्धांत:** यह **ब्रेटन चक्र (Brayton Cycle)** पर काम करने वाला इंटरनल कंबशन इंजन है, जो हवा के संपीड़न, ईंधन दहन और हॉट गैसों के विस्तार से थ्रस्ट उत्पन्न करता है।

✓ **प्रमुख विशेषताएं:** उच्च शक्ति-से-वजन अनुपात, कॉम्पैक्ट आकार।

✓ **शामिल तकनीकें:** हाई-आरपीएम टर्बोमशीनरी, उच्च-तापमान दहन, सटीक निर्माण और हल्के ताप-रोधी पदार्थ।

✓ **सैन्य अनुप्रयोग व महत्व:**

✓ **रक्षा अनुप्रयोग:** टैक्टिकल UAVs, ड्रोन इंटरसेप्टर, कॉम्पैक्ट मिसाइल सिस्टम और टारगेट ड्रोन।

✓ **महत्व:**

- 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत आयात निर्भरता में कमी।
- भारतीय निजी रक्षा उद्योग और स्टार्ट-अप्स के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के अवसर।

गर्भिणी मित्र पाठ्यक्रम (Garbhini Mitra Course)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA), नई दिल्ली** (आयुष मंत्रालय के तहत स्वायत्त संस्थान) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए **'गर्भिणी मित्र'** पाठ्यक्रम की शुरुआत की है।

मुख्य बिंदु:

- ✓ **प्रकृति व अवधि:** यह 6 महीने का एक ऑफलाइन स्वास्थ्य कौशल-विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम है।
- ✓ **कार्यान्वयन संस्था:** अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान , नई दिल्ली।
- ✓ **उद्देश्य:** गर्भावस्था और प्रसवोत्तर अवधि के दौरान महिलाओं को स्वास्थ्य शिक्षा, जीवनशैली मार्गदर्शन और सामुदायिक स्तर पर सहायता प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना।
- ✓ **पात्रता:** 12वीं पास (10+2) अभ्यर्थी (परिणाम का इंतजार कर रहे छात्र भी अनंतिम रूप से पात्र) और न्यूनतम आयु **18 वर्ष**।

पाठ्यक्रम के प्रमुख आयुर्वेदिक स्तंभ:

1. **गर्भाधान विधि :** गर्भाधान से पूर्व की देखभाल और तैयारी।
2. **गर्भिणी परिचर्या:** गर्भावस्था प्रसवपूर्व के दौरान तिमाही-वार आहार, योग और जीवनशैली प्रबंधन।
3. **सूतिका परिचर्या:** प्रसवोत्तर देखभाल, प्रसूता की रिकवरी और नवजात शिशु की मालिश (अभ्यंग)।

प्रशिक्षण के अन्य घटक एवं अनुप्रयोग:

- ✓ **आधुनिक स्वास्थ्य सुरक्षा मानक:** बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रोटोकॉल, संक्रमण नियंत्रण, सेनेटाइजेशन, जैव-चिकित्सा कचरा प्रबंधन और कार्यस्थल सुरक्षा।
- ✓ **पूरक भूमिका:** यह क्लिनिकल डॉक्टरी इलाज का विकल्प नहीं है, बल्कि नियमित स्वास्थ्य जांच, जोखिम संकेतों की पहचान और समय पर अस्पताल रेफर करने में मदद करता है।
- ✓ **रोजगार के अवसर:** स्नातक होने के बाद अभ्यर्थी आयुष केंद्रों, प्रसूति क्लीनिकों, गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) में गर्भिणी मित्र सहायक, प्रसव पूर्व/उत्तर देखभाल सहायक या प्रसवकालीन कल्याण गाइड के रूप में कार्य कर सकते हैं।

कैंसर रोधी दवा 'RK-251'

चर्चा में क्यों?

हाल ही में IASST (गुवाहाटी) और IIT-गुवाहाटी के शोधकर्ताओं द्वारा **'RK-251'** नामक एक स्मार्ट कैंसर रोधी दवा विकसित की गई है, जो केवल कैंसर कोशिकाओं में सक्रिय होकर लक्षित उपचार प्रदान करती है।

यह कैसे काम करती है?

सामान्य कीमोथेरेपी की समस्या: साधारण दवाएं शरीर की अच्छी और खराब दोनों कोशिकाओं को मार देती हैं, जिससे बाल झड़ना और कमजोरी जैसे साइड इफेक्ट्स होते हैं।

RK-251 का तरीका:

- कैंसर कोशिकाओं के अंदर **ROS (रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज)** नाम का केमिकल ज्यादा मात्रा में होता है।
- RK-251 शरीर में तब तक 'सोई' (निष्क्रिय) रहती है, जब तक उसे यह ROS केमिकल न मिल जाए।
- जैसे ही यह कैंसर कोशिका के पास पहुंचती है, ROS के संपर्क में आते ही यह एक्टिव हो जाती है और **NBDHEX** नाम का कैंसर-रोधी जहर छोड़ती है जो सीधे कैंसर सेल को खत्म कर देता है।

मुख्य फायदे?

- **कम साइड इफेक्ट्स:** यह शरीर की अच्छी कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचाती।
- **सबसे खतरनाक कैंसर पर असरदार:** यह **ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर** (स्तन कैंसर का सबसे आक्रामक रूप) पर बेहद असरदार साबित हुई है।
- **खुद चमकती है:** एक्टिव होते ही यह दवा चमक उत्पन्न करती है, जिससे डॉक्टर आसानी से देख सकते हैं कि दवा काम कर रही है या नहीं।
- **सुरक्षित:** जेब्राफिश पर किए गए टेस्ट में यह सुरक्षित पाई गई है।

महाराष्ट्र ने सर्पदंश से होने वाली मौतों को 'अधिसूचित बीमारी' घोषित किया

चर्चा में क्यों?

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले (धनोरा तालुका के जपतालई गांव) स्थित एक जनजातीय आवासीय आश्रम स्कूल में सर्पदंश से तीन छात्राओं की मृत्यु के बाद, **महाराष्ट्र सरकार ने सर्पदंश से होने वाली मौतों को 'अधिसूचित बीमारी/घटना' घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की है।**

पृष्ठभूमि:

केंद्र सरकार/स्वास्थ्य मंत्रालय ने **मार्च 2024 में ही सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों** को सर्पदंश को एक अधिसूचित बीमारी घोषित करने के निर्देश दिए थे, ताकि पूरे देश में इससे जुड़े डेटा का मानकीकरण किया जा सके।)

अधिसूचित बीमारी क्या है?

- ✓ यह एक ऐसी बीमारी या स्वास्थ्य स्थिति होती है, जिसे सार्वजनिक या निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं (अस्पतालों/डॉक्टरों) द्वारा **कानूनी रूप से** सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों को रिपोर्ट करना अनिवार्य होता है।
- ✓ **घोषित करने का मुख्य उद्देश्य:**

- **डेटा संग्रहण व हॉटस्पॉट पहचान:** सर्पदंश की घटनाओं और मौतों का सटीक और व्यवस्थित डेटा एकत्र करना तथा जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करना।
- **एंटी-स्नेक वेनम की उपलब्धता:** प्रभावित एवं सुदूर ग्रामीण/जनजातीय क्षेत्रों में एंटी-स्नेक वेनम, आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं और स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना।
- **रोग निगरानी:** राज्य की रोग निगरानी प्रणाली को मजबूत करना ताकि समय पर रोकथाम और त्वरित स्वास्थ्य हस्तक्षेप किए जा सकें।
- ग्रामीण और दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं की कमी के कारण मौतों की दर अधिक होती है। अनिवार्य रिपोर्टिंग से इन क्षेत्रों में लक्षित स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना आसान होगा।

भारत में सर्पदंश: प्रमुख तथ्य व आंकड़े

- **वैश्विक स्थिति:** दुनिया भर में सर्पदंश से होने वाली कुल मौतों की लगभग **आधे से अधिक मौतें अकेले भारत में** होती हैं।
- **वार्षिक आंकड़े:** भारत में हर साल **10 से 14 लाख** सर्पदंश की घटनाएं होती हैं, जिनमें लगभग **45,000 से 58,000 लोगों की मृत्यु** हो जाती है।
- **WHO का वर्गीकरण:** विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे **'उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग'** घोषित किया है।
- **सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र:** लगभग **70% मौतें ग्रामीण क्षेत्रों** में होती हैं (मुख्य राज्य: उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, राजस्थान व गुजरात)।

'द बिग फोर' (भारत के 4 सबसे घातक सांप)

भारत में सांप के काटने से होने वाली लगभग **90% मौतें** इन्हीं चार विषैले सांपों के कारण होती हैं:

1. **इंडियन कोबरा (नाग):** इसका जहर **तंत्रिका तंत्र (Neurotoxic)** पर सीधा हमला करता है।
2. **कॉमन करैत (Krait):** यह मुख्यतः रात में काटता है और इसका जहर अत्यधिक घातक व लकवाग्रस्त करने वाला होता है।
3. **रसेल वाइपर (Russell's Viper):** भारत में सबसे ज्यादा काटने वाला सांप; यह अत्यधिक रक्तस्राव (Bleeding) और किडनी फेलियर का कारण बनता है।
4. **सॉ-स्केल्ड वाइपर (Saw-scaled Viper):** छोटे आकार का लेकिन बेहद आक्रामक वाइपर।

हाइब्रिड मैग्नेटो-रियोमीटर (Hybrid Magneto-Rheometer)

Result Mitra

चर्चा में क्यों ?

यह एक खास तरह की **टेस्टिंग मशीन (मापने वाला उपकरण)** है, जिसे **IIT पटना** के वैज्ञानिकों ने बनाया है। इसका इस्तेमाल **मैग्नेटोरियोलॉजिकल (MR) फ्लुइड्स** यानी एक विशेष प्रकार के 'स्मार्ट लिक्विड' की जांच करने के लिए किया जाता है।

MR फ्लुइड्स (स्मार्ट लिक्विड) क्या होते हैं?

- **खासियत:** यह लोहे के नैनो-कणों से बना एक लिक्विड होता है।
- **जादू जैसा व्यवहार:** जैसे ही इसके पास **चुंबक (Magnetic field)** लाया जाता है, यह तुरंत गाढ़ा (शहद या मोम जैसा) हो जाता है। चुंबक हटाते ही यह वापस सामान्य तरल बन जाता है।
- **उपयोग:** कारों के शॉक एब्जॉर्बर, गाड़ियों के ब्रेक/क्लच, हवाई जहाजों और रोबोटिक्स में इसका इस्तेमाल झटके कम करने और गति को नियंत्रित करने के लिए होता है।

इस नई मशीन की खासियत क्या है?

- **कम बिजली में ज्यादा ताकत:** यह मशीन बहुत कम बिजली (Low current) का उपयोग करके भी तेज चुंबकीय प्रभाव पैदा कर सकती है।
- **एक साथ दो काम (Hybrid):** पहले की मशीनें एक बार में केवल एक ही चीज माप पाती थीं। यह नई मशीन एक साथ दो चीजें मापती है:
    1. **बहने का तरीका (Flow & Deformation):** दबाव पड़ने पर लिक्विड कैसे बहेगा।
    2. **घर्षण और घिसाव (Friction & Wear):** रगड़ खाने पर यह कितना घिसेगा।

इसका फायदा क्या होगा?

- **बेहतर टेक्नोलॉजी:** वैज्ञानिक अब समझ पाएंगे कि यह लिक्विड असली मशीनों (जैसे गाड़ियों के ब्रेक या डैम्पर्स) के अंदर कैसे काम करता है।
- **अन्य उद्योगों में मदद:** इस मशीन का उपयोग दवाइयों (Pharma), कॉस्मेटिक्स (क्रीम/लोशन), पेंट और फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले गाढ़े तरल पदार्थों की जांच के लिए भी किया जा सकेगा।

विहान (VIHAAN): भारत का पहला स्वदेशी ब्रॉडबैंड नेटवर्किंग चिप

1. चर्चा में क्यों?

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) की **डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (DLI) योजना** के तहत समर्थित चेन्नई स्थित सेमीकंडक्टर स्टार्टअप **'अहीसा डिजिटल इनोवेशन्स'** ने अपने स्वदेशी ब्रॉडबैंड नेटवर्किंग सिस्टम-ऑन-चिप **'विहान' (VIHAAN)** के लिए पहली बार में ही **फर्स्ट-पास सिलिकॉन सफलता** हासिल की है।

मुख्य परिचय

- **क्या है?** 'विहान' (VIHAAN) भारत की पहली घरेलू स्तर पर डिजाइन की गई **ब्रॉडबैंड नेटवर्किंग सिस्टम-ऑन-चिप** है।
- **तकनीकी आधार:** यह ओपन-स्टैंडर्ड **RISC-V आर्किटेक्चर** पर बनी है और C-DAC द्वारा विकसित स्वदेशी **वेगा 64-बिट प्रोसेसर** द्वारा संचालित है।
- **विकासकर्ता संस्थाएँ:**
  - **स्टार्टअप:** अहीसा डिजिटल इनोवेशन्स (चेन्नई, तमिलनाडु)।
  - **सरकारी सहायता:** MeitY / इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) की **DLI योजना** के तहत वित्तीय और इंफ्रास्ट्रक्चर सहायता।
- **मुख्य उद्देश्य:** भारत के घरों और व्यवसायों में **फाइबर-टू-द-होम (FTTH)** और ब्रॉडबैंड राउटर्स के लिए उच्च-प्रदर्शन वाली स्वदेशी टेलीकॉम चिप्स उपलब्ध कराना, जिससे विदेशी चिप्स पर निर्भरता कम हो सके।

'विहान' कैसे काम करता है?

- **फाइबर डेटा प्रोसेसिंग:** यह फाइबर नेटवर्क के जरिए इंटरनेट डेटा प्राप्त करता है और इसे गीगाबिट इथरनेट कनेक्शन के माध्यम से वितरित करता है।
- **फास्ट पैकेट प्रोसेसिंग:** इसका 64-बिट VEGA कोर उच्च गति पर राउटिंग, ट्रैफिक निरीक्षण, क्वालिटी ऑफ सर्विस और फ़ायरवॉल कार्यों को संभालता है।
- **अंतर्निहित सुरक्षा:** यह फर्मवेयर और नेटवर्क ट्रैफिक की सुरक्षा के लिए हार्डवेयर रूट ऑफ ट्रस्ट, सिक्योर बूट और क्रिप्टोग्राफिक इंजन का उपयोग करता है।
- **एकीकृत सॉफ्टवेयर:** यह **अहीसा राउटर ओएस** पर चलता है, जो ओपन-सोर्स पर आधारित है।

प्रमुख विशेषताएँ

- **फर्स्ट-पास सिलिकॉन सफलता:** यह चिप अपने पहले ही फैब्रिकेशन प्रयास में सफल रही, जिससे इसके पुन: डिजाइनिंग का समय और लागत दोनों बचे।
- **स्वदेशी VEGA RISC-V कोर:** C-DAC के 64-बिट वेगा प्रोसेसर का उपयोग, जो विदेशी प्रोप्राइटरी आर्किटेक्चर पर निर्भरता को कम करता है।
- **सुरक्षा कवच:** हार्डवेयर स्तर पर नेटवर्क खतरों से सुरक्षा के लिए सिक्योर बूट और एन्क्रिप्शन तकनीक।
- **घरेलू विनिर्माण हेतु तैयार:** यह भारतीय निर्माताओं को वाई-फाई राउटर्स और ऑप्टिकल नेटवर्क टर्मिनल्स को तेज़ी से विकसित करने में मदद करेगा।

एवरेस्ट (EVEREST) रॉकेट इंजन

चर्चा में क्यों? (Why in News?)

बेंगलुरु स्थित स्पेस स्टार्टअप 'एस्ट्रोबेस स्पेस टेक्नोलॉजीज' ने 'एवरेस्ट' (EVEREST) नामक भारत के पहले निजी तौर पर निर्मित 800 kN (80-टन वर्ग) के फुल-फ्लो स्टेज्ड कंबशन मीथेन रॉकेट इंजन का अनावरण किया है।

यह क्या है?

यह **भारत का पहला निजी तौर पर बना बहुत ताकतवर रॉकेट इंजन** है, जिसे बेंगलुरु की एक स्टार्ट-अप कंपनी **'एस्ट्रोबेस स्पेस टेक्नोलॉजीज'** ने बनाया है।

इसमें खास क्या है?

- **मीथेन और ऑक्सीजन से चलने वाला:** यह आम ईंधन की जगह तरल मीथेन और तरल ऑक्सीजन से चलता है। मीथेन जलने पर धुआं या कालिख नहीं छोड़ता, जिससे इंजन साफ रहता है और इसे **बार-बार इस्तेमाल** करना आसान होता है।
- **बहुत ज्यादा ताकत :** यह इंजन लगभग 80 टन तक का वजन उठाने की ताकत रखता है।
- **3D-प्रिंटिंग से बना:** इसके जटिल हिस्सों को भारत के बड़े **मेटल 3D प्रिंटर** से ढाला गया है, जिससे यह जल्दी और मजबूत बना है।
- **फुल-फ्लो तकनीक:** यह ऐसी तकनीक है जिसमें ईंधन का एक भी कतरा बेकार नहीं बहता। 100% ईंधन पूरी ताकत देने में इस्तेमाल होता है। (दुनिया में अभी केवल Elon Musk की कंपनी SpaceX के 'रैप्टर इंजन' में ही यह तकनीक चालू हालत में है)।

इससे भारत को क्या फायदा होगा?

- **रॉकेट की लैंडिंग और दोबारा इस्तेमाल:** इस इंजन को उड़ते समय धीमा या तेज किया जा सकता है, जिससे रॉकेट को वापस जमीन पर सीधा उतारना आसान होगा।
- **अंतरिक्ष यात्रा होगी सस्ती:** रॉकेट को बार-बार इस्तेमाल करने से सेटेलाइट लॉन्च करने का खर्च बहुत कम हो जाएगा।
- **निजी क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि:** यह साबित करता है कि अब इसरो (ISRO) के अलावा भारत की प्राइवेट कंपनियां भी दुनिया की सबसे कठिन तकनीक बना सकती हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना

- ✓ **फ्लोटिंग सौर क्या है?** यह भूमि के बजाय जलाशयों, झीलों और बांधों जैसे अंतर्देशीय जल निकायों पर तैरते हुए सौर पैनल लगाने की एक **भूमि-तटस्थ (Land-Neutral)** तकनीक है।
- ✓ **यह क्यों आवश्यक है?** भारत में भूमि अधिग्रहण की समस्या और कृषि भूमि पर दबाव को कम करने के साथ-साथ सौर ऊर्जा क्षमता का तेजी से विस्तार करने के लिए FSPV एक आदर्श विकल्प प्रस्तुत करता है।
- ✓ **कूलिंग प्रभाव:** जल निकायों की शीतलता सौर पैनलों के तापमान को नियंत्रित रखती है, जिससे उनकी परिचालन दक्षता सामान्य ग्राउंड-माउंटेड सोलर की तुलना में बेहतर होती है।

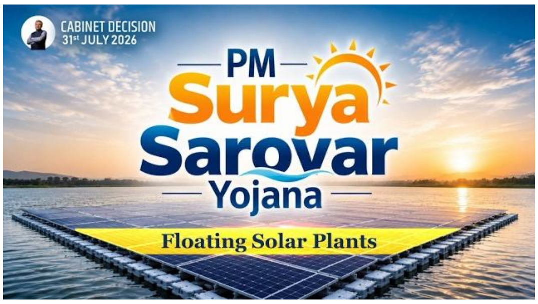

मुख्य बिंदु

- **योजना का स्वरूप:** यह 100% केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित **केंद्रीय क्षेत्रक योजना** है।
- **समय अवधि:** वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 (5 वर्ष)।
- **ऊर्जा भंडारण अनिवार्यता:**
  - ग्रिड को संतुलित करने के लिए न्यूनतम 2 घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (BESS) का एकीकरण अनिवार्य किया गया है।
  - यह प्रावधान पीक डिमांड (अधिकतम ऊर्जा मांग) के समय निरंतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।
- **वित्तीय सहायता:**
  - **चालू होने पर:** सफलतापूर्वक कमीशन होने के बाद डेवलपर्स को ₹1 करोड़/MW की सहायता।
  - **जोखिम न्यूनीकरण:** बाथीमेट्री और हाइड्रोग्राफी जैसे प्रारंभिक अध्ययनों हेतु प्रति परियोजना ₹50 लाख तक का कोष।
- **लाभ:**
  - **वाष्पीकरण में कमी:** जल निकायों को ढकने से पानी का वाष्पीकरण रुकता है, जो जल संरक्षण में मददगार है।
  - **भूमि संघर्ष से मुक्ति:** कृषि और मानव बस्तियों के साथ भूमि का उपयोग प्रतिस्पर्धात्मक नहीं रहता।
- **चुनौती:**
  - एंकरिंग, फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म्स और वाटरप्रूफिंग के कारण इसकी शुरुआती पूंजीगत लागत ग्राउंड-माउंटेड प्लांट से ~25% अधिक होती है।

पश्चिमी घाट संरक्षण एवं पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ESA) विवाद

- ✓ **पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ESA) क्या हैं?** पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत घोषित वे क्षेत्र जो मुख्य रूप से जैविक रूप से समृद्ध एवं नाजुक होते हैं। इसका उद्देश्य खनन, उत्खनन और भारी बुनियादी ढांचे जैसी विनाशकारी मानवीय गतिविधियों को सीमित करना है।
- ✓ **भौगोलिक विस्तार:** पश्चिमी घाट भारत के 6 राज्यों (गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु) में फैले हैं और इनमें **39 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (UNESCO WHS)** शामिल हैं।
- ✓ **संरक्षण बनाम विकास का द्वंद्व:** यह विवाद जैव विविधता की रक्षा करने और स्थानीय समुदायों (विशेष रूप से वनवासियों) के आजीविका अधिकारों के बीच संतुलन बनाने से संबंधित है।

ESA ढांचे का समय-क्रम

- **2010 (गाडगिल समिति):** पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल ने 44 जिलों के 142 तालुकाओं को सख्त नियमों के साथ तीन स्तरों के **पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्रों** में विभाजित करने की सिफारिश की थी।
- **2012 (कस्तूरीरंगन समिति):** गाडगिल रिपोर्ट के विरोध के बाद गठित इस कार्य समूह ने ESA की सीमा को केवल प्राकृतिक परिदृश्यों तक सीमित कर दिया और संरक्षित क्षेत्र को घटाकर पश्चिमी घाट का **37% (~56,800 वर्ग किमी)** कर दिया।
- **2014–2026 (मजबूत आम सहमति का अभाव):** केंद्र द्वारा पांच ड्राफ्ट अधिसूचनाएं जारी की गईं, लेकिन सभी 6 राज्यों में पूर्ण आम सहमति नहीं बन सकी।
- **2022–2026 (संजय कुमार विशेषज्ञ समिति):** राज्यों की शिकायतों की समीक्षा के लिए MoEF&CC द्वारा गठित पैनल। इसका उद्देश्य कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों के साथ चरणबद्ध तरीके से वार्ता कर डेडलॉक को हल करना है।

राज्यों के विरोध के मुख्य कारण

- **आजीविका और अवसंरचना पर प्रभाव:** राज्यों का तर्क है कि प्रतिबंधों से कृषि, छाया में उगाई जाने वाली फसलें (जैसे कॉफी) और बुनियादी ढांचे का विकास ठप हो जाएगा।
- **रिमोट सेंसिंग डेटा की सटीकता पर सवाल:** उपग्रह छवियों के आधार पर मैपिंग की आलोचना की जाती है, क्योंकि यह वाणिज्यिक बागानों और प्राकृतिक वनों के बीच अंतर करने में असमर्थ है।
- **ग्राउंड-वेरिफिकेशन की कमी:** भौतिक रूप से प्रभावित गांवों का दौरा किए बिना केवल "डेस्कटॉप अध्ययन" के आधार पर सीमांकन करने का विरोध।
- **विस्थापन की आशंकाएं:** स्थानीय लोगों में यह भ्रम और डर है कि 10 किमी का बफर जोन बनने से बेदखली होगी और वन उपज के अधिकार छिन जाएंगे।

पश्चिमी घाट संरक्षण की मुख्य चुनौतियाँ

- **समावेशी संरक्षण का अभाव:** टॉप-डाउन (ऊपर से थोपे गए) मॉडल से उन स्वदेशी समुदायों को बाहर कर दिया जाता है जो जैव विविधता के वास्तविक संरक्षक हैं।
- **प्रशासनिक विखंडन:** पारिस्थितिकी तंत्र राज्य सीमाओं से परे होता है, लेकिन संरक्षण नीतियां राजनीतिक और प्रशासनिक सीमाओं में उलझ जाती हैं।
- **अनियंत्रित व्यावसायिक गतिविधियां:** ESA अधिसूचना में देरी से नाजुक क्षेत्र अवैध खनन और अनियोजित पर्यटन के संपर्क में आ रहे हैं।

खिजड़िया पक्षी अभयारण्य

✓ अवस्थिति: जामनगर (गुजरात), कच्छ की खाड़ी के दक्षिणी तट पर।

✓ रामसर दर्जा: फरवरी 2022 में भारत के 49वें रामसर स्थल के रूप में घोषित।

✓ द्वि-आवास: मीठे पानी और खारे समुद्री पानी का एक अनोखा और दुर्लभ संगम।

✓ 'रूपारेल/खिजड़िया बांध': स्वतंत्रता से पूर्व जामनगर के तत्कालीन शासक द्वारा निर्मित 'रूपारेल/खिजड़िया बांध' इस अभयारण्य को मीठे और खारे पानी के दो अलग-अलग हिस्सों में विभाजित करता है।

✓ सेंट्रल एशियन फ्लाईवे: यह अभयारण्य मध्य एशियाई फ्लाईवे पर स्थित एक प्रमुख स्टॉपओवर है।

ब्लैक-नेक्ड स्टॉर्क:

- भारत का सबसे **बड़ा स्टॉर्क।**
- **नर:** आँख की पुतली गहरे भूरे/काले रंग की।
- **मादा:** आँख की पुतली चमकदार **पीले रंग** की।
- **खिजड़िया** इस पक्षी के प्रजनन और घोंसला बनाने का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है।

संरक्षण स्थिति:

- IUCN Red List: Near Threatened ।
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची II।
- प्रमुख खतरे:
  - आर्द्रभूमि का क्षरण एवं विनाश।
  - कृषि रसायनों (कीटनाशकों) से जल प्रदूषण।
  - ओवरहेड हाई-वोल्टेज पावर लाइनों से टकराव।

राष्ट्रीय रिपोर्ट: भारतीय EEZ के गहरे समुद्र और दूरस्थ जल मत्स्य संसाधन

(National Report on Deep-Sea and Distant-Water Fishery Resources of the Indian EEZ)

जारीकर्ता: पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (Ministry of Earth Sciences - MoES)

✓ उद्देश्य: भारत के 2.37 मिलियन वर्ग किमी अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) में गहरे समुद्र (200 मीटर से अधिक गहराई) और दूरस्थ जल क्षेत्र की मत्स्य विविधता, जैव-भार और पारिस्थितिक स्वास्थ्य का मानचित्रण करना।

✓ डेटा आधार: यह पिछले 4 दशकों (40 वर्षों) के डेटा और 400 से अधिक वैज्ञानिक अभियानों (Cruises) के निष्कर्षों पर आधारित है।

✓ नोडल कार्यक्रम एवं अनुसंधान पोत: यह डेटा समुद्री जीव संसाधन कार्यक्रम (MLRP) के तहत अनुसंधान पोत FORV सागर संपदा द्वारा अरब सागर, बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर से लेकर दक्षिण महासागर तक एकत्र किया गया।

मुख्य निष्कर्ष

A. मेसोपेलाजिक संसाधन (Mesopelagic Resources - Twilight Zone)

✓ रिपोर्ट में मध्य-समुद्री स्तर (200 से 1000 मीटर गहराई) में माइक्टोफिड्स (लैंटर्नफिश) के विशाल बायोमास की उपस्थिति दर्ज की गई है।

✓ **जैविक कार्बन पंप:** ये मछलियाँ रात में भोजन हेतु सतह पर आती हैं और दिन में गहराई में लौट जाती हैं। इस "दैनिक ऊर्ध्वाधर प्रवास" से सतह का कार्बन गहरे समुद्र में जमा होता है, जो वैश्विक जलवायु नियंत्रण में अहम भूमिका निभाता है।

B. गहरे समुद्र के डेमर्सल स्टॉक (Deep-Sea Demersal Stocks)

- **अल्प-उपयोग किए गए संसाधन:** 200 मीटर से अधिक गहराई वाले महाद्वीपीय ढलानों पर ऐसे मत्स्य संसाधनों की पहचान की गई है जिनका अब तक व्यावसायिक उपयोग नहीं के बराबर हुआ है।
- **प्रमुख प्रजातियाँ:** गहरे समुद्र के झींगे, पर्च, स्कोम्ब्रॉइड्स, फ्लैटफिश और ईल।

C. संवेदनशील और संरक्षित हॉटस्पॉट (Vulnerable Marine Ecosystems - VMEs)

रिपोर्ट ने संरक्षण के लिए 6 प्रमुख समुद्री हॉटस्पॉट्स का मानचित्रण किया है:

1. कोल्लम बैंक
2. अंगरिया बैंक

3. मंगलोर का गहरा समुद्री ढलान
4. तिरुवनंतपुरम का समुद्री तट/टैरेस
5. लक्षद्वीप
6. अंडमान-निकोबार द्वीप समूह

- ✓ CMLRE (सेंटर फॉर मरीन लिविंग रिसोर्सेज एंड इकोलॉजी): यह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत कोच्चि में स्थित एक संलग्न कार्यालय है, जो MLRP कार्यक्रम का क्रियान्वयन करता है।
- ✓ UNCLOS के तहत EEZ की सीमा: तटरेखा से 200 समुद्री मील तक क्षेत्र EEZ कहलाता है। इसमें तटीय देश को प्राकृतिक संसाधनों के अन्वेषण और दोहन का संप्रभु अधिकार होता है, लेकिन यह पूर्ण प्रादेशिक संप्रभुता नहीं होती।
- ✓ अंगरिया बैंक: यह महाराष्ट्र के मालवण तट के पास स्थित एक जलमग्न प्रवाल भित्ति है, जो जैव विविधता का प्रमुख हॉटस्पॉट है।

UNCCD COP17

सम्मेलन से जुड़े प्रमुख तथ्य

- ✓ आयोजन: संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय (UNCCD) का 17वां सत्र (COP17) मंगोलिया की राजधानी उलानबाटर में संपन्न हुआ।
- ✓ थीम: “Restoring Land. Restoring Hope.” (भूमि की बहाली। आशा की बहाली।)
  - ✓ **अंतर्राष्ट्रीय वर्ष:** COP17 का आयोजन **'अंतर्राष्ट्रीय चारागाह एवं चरवाहा वर्ष 2026'** के साथ हुआ, जिसे मेजबान देश मंगोलिया द्वारा बढ़ावा दिया गया।
  - ✓ **अगला सत्र:** UNCCD COP18 का आयोजन **2028 में शर्म अल-शेख, मिस्र** में होगा।

प्रमुख पहलें

- ✓ संकट का दायरा: वर्तमान में दुनिया की लगभग 40% भूमि क्षरण से प्रभावित है, जिससे जल उपलब्धता और आर्थिक स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।
  - ✓ **मंगोलिया की राष्ट्रीय पहल:** अपने देश की 77% क्षरित भूमि को ध्यान में रखते हुए मंगोलिया ने अपने **'बिलियन ट्रीज'** अभियान (2021 से 2030 का लक्ष्य) को रेखांकित किया।
  - ✓ **सूखा लचीलापन सूचकांक:**
    - o यह विश्व का **पहला व्यापक तकनीकी उपकरण** है जो AI-संचालित विश्लेषण और सुभेद्यता मैपिंग का उपयोग करता है।
    - o इसका उद्देश्य पूर्व-अनुमान और तैयारी के माध्यम से प्रतिक्रियात्मक राहत के बजाय सक्रिय तैयारी को बढ़ावा देना है।
  - ✓ **सूखा लचीलापन निवेश सुविधा:**
    - o UNCCD और **लक्ज़मबर्ग** द्वारा शुरू किया गया दुनिया का **पहला वैश्विक उत्प्रेरक वित्तपोषण मंच** है।
    - o इसका उद्देश्य सार्वजनिक धन का उपयोग करके जोखिमों को कम करना और निजी/संस्थागत वित्त को जुटाना है।
  - ✓ **वित्तीय प्रतिबद्धता:** क्षरित भूमि बहाली और सूखा रोधी क्षमता के लिए **1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर** के नए और पाइपलाइन वित्तपोषण की घोषणा की गई।
- ✓ कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौते पर गतिरोध
  - ✓ **बाध्यकारी संधि विफल:** बढ़ते सूखे के बावजूद, देश एक **कानूनी रूप से बाध्यकारी वैश्विक सूखा संधि** पर सहमत नहीं हो सके।
  - ✓ वैश्विक स्तर पर प्रतिवर्ष **278 बिलियन डॉलर** के सूखा लचीलापन वित्त अंतर को पूरा करने पर सहमति नहीं बन पाई।
  - ✓ COP17 में निर्णय लिया गया कि **COP18 से 'सूखा' एक स्वतंत्र/स्टैंडअलोन एजेंडा आइटम** होगा।

भारत का रुख

- ✓ भारत ने अपना पहला "घास के मैदानों और अन्य खुले प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्रों के लिए गाइड" जारी किया।
- ✓ इसका उद्देश्य सवाना, बीहड़ों और मरुस्थलीय पारिस्थितिक तंत्रों (जैसे थार, बन्नी लैंडस्केप, दक्कन सवाना) को केवल "बंजर भूमि" या वृक्षों की कमी के रूप में देखे जाने की ऐतिहासिक धारणा को बदलना और इनका संरक्षण करना है।
- ✓ बॉन चैलेंज की प्रगति: भारत ने 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 2.176 करोड़ हेक्टेयर क्षरित भूमि को बहाली के तहत ला दिया है।
- ✓ भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्याप्त और दीर्घकालिक वित्त की मांग की और घरेलू स्तर पर सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड तथा ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम का उल्लेख किया।
- ✓ भारत ने राजस्थान के 'ओरण' — जो समुदाय द्वारा संरक्षित पवित्र उपवन हैं — का उदाहरण देते हुए चरवाहों के अधिकारों और उनके पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ने की वकालत की।

UNCCD (संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय)

- ✓ **स्थापना:** 1994 (1992 के रियो पृथ्वी शिखर सम्मेलन से निर्मित तीन अभिसमयों में से एक; अन्य दो: UNFCCC, UNCBD)
- ✓ **सदस्यता:** 197 पक्षकार (196 देश + यूरोपीय संघ)। भारत हस्ताक्षरकर्ता सदस्य है।
- ✓ **कानूनी बाध्यता:** मरुस्थलीकरण व सूखे से निपटने हेतु **एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी** अंतर्राष्ट्रीय रूपरेखा।
- ✓ **COP:** मुख्य निर्णय लेने वाला निकाय, जो कार्यान्वयन समीक्षा, LDN निगरानी और संशोधनों का कार्य करता है।
- ✓ **COP14 मेजबानी:** 2019 में नई दिल्ली में आयोजित।

✓ **नई दिल्ली घोषणापत्र:** मरुस्थलीकरण से निपटने और भूमि क्षरण रोकने हेतु अंगीकृत।

कार्यढांचा

- **भूमि क्षरण तटस्थता (LDN)**उद्देश्य: पारिस्थितिक कार्यों हेतु भूमि संसाधनों की मात्रा/गुणवत्ता को स्थिर रखना या बढ़ाना।
- **रियाद वैश्विक सूखा लचीलापन भागीदारी:** COP16 (रियाद, 2024) में शुरू। सऊदी अरब, IsDB और OPEC फंड द्वारा 80 देशों हेतु $2.15 बिलियन का शुरुआती कोष।
- **बिजनेस4लैंड (Business4Land):** सतत भूमि व जल प्रबंधन में निजी क्षेत्र की भागीदारी हेतु मुख्य मंच।

उत्तर भारत/बंगाल की खाड़ी के ऊपर असामान्य ओजोन परत

चर्चा में क्यों?

हाल ही में एक राष्ट्रव्यापी अवलोकन अभियान के दौरान वैज्ञानिकों ने **उत्तर बंगाल की खाड़ी** के ऊपर **निचले समताप मंडल** में, लगभग **21-23 किलोमीटर की ऊंचाई** पर, एक असामान्य रूप से मोटी ओजोन परत की खोज की है।

मुख्य निष्कर्ष

✓ असामान्य ओजोन वृद्धि समताप मंडल के निचले हिस्से (21–23 किमी) में पाई गई, जबकि सामान्यतः ओजोन का उच्चतम संकेंद्रण 25–30 किमी की ऊंचाई पर होता है।

✓ पूर्वी भारत में सामान्य स्तर से अत्यधिक उच्च संकेंद्रण दर्ज किया गया, जो दिन और रात दोनों समय लगातार एक दिन से अधिक समय तक बना रहा।

✓ निर्माण का कारण:
  - दिन और रात दोनों समय उपस्थिति के कारण वैज्ञानिकों ने निष्कर्ष निकाला कि यह सूर्य के प्रकाश से होने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं से **नहीं** बना था।
  - इसके बजाय, इसका मुख्य कारण **वायुमंडलीय परिसंचरण** था।
  - समताप मंडल में ओजोन का मुख्य भंडार **25-30 किमी** की ऊंचाई पर होता है। वायुमंडलीय परिसंचरण के कारण ऊपर की यह ओजोन-समृद्ध हवा नीचे की ओर बहकर **21-23 किमी** की ऊंचाई पर आ गई।
  - नीचे आकर हवा दबाव के कारण सिकुड़ गई, जिससे कम जगह में ओजोन के अणु बहुत घने हो गए और परत असामान्य रूप से मोटी दिखाई देने लगी।

उपयोग की गई तकनीक और कार्यप्रणाली

- **अभियान:** यह खोज NetRAD-ASMA चरण-I (Phase-I) अभियान के तहत की गई, जो भारत के विभिन्न वायुमंडलीय अनुसंधान संस्थानों का एक समन्वित प्रयास है।
- प्रमुख संस्थान: एरीज़ (ARIES - Aryabhatta Research Institute of Observational Sciences, नैनीताल) ने इसमें केंद्रीय भूमिका निभाई।

ओजोन परत (Ozone Layer)

✓ स्थान व निर्माण: समताप मंडल (Stratosphere) में 15-30 किमी ऊपर; सूर्य की UV किरणों द्वारा O2 के टूटने और जुड़ने से निर्माण।

✓ कार्य व मापन: हानिकारक UV-B किरणों को सोखना (त्वचा कैंसर/मोतियाबिंद से बचाव); मोटाई मापन इकाई: डॉबसन यूनिट (DU)।

✓ क्षरण (ODS): CFCs, हैलोन्स, CCl4, HCFCs से निकलने वाले क्लोरीन व ब्रोमीन के कारण क्षरण।

✓ ओजोन छिद्र: अंटार्कटिका में अत्यधिक ठंड व ध्रुवीय समतापमंडलीय बादलों (PSCs) के कारण वसंत (सितंबर-अक्टूबर) में सबसे अधिक क्षरण।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

✓ वियना कन्वेंशन (1985): अनुसंधान/सूचना साझा करने हेतु गैर-बाध्यकारी वैश्विक ढांचा।

✓ मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल (1987): ODS को खत्म करने का कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता; CBDR सिद्धांत पर आधारित सबसे सफल संधि।

✓ किगाली संशोधन (2016): HFCs (शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसें) को चरणबद्ध तरीके से कम करने हेतु मॉन्ट्रियल में संशोधन।

भारत का योगदान

✓ अनुसमर्थन: मॉन्ट्रियल (1992) और किगाली संशोधन (2021) का अनुसमर्थन।

✓ ODS समाप्ति: 1 जनवरी 2010 तक CFCs, हैलोन्स, CCl4 और जनवरी 2020 में HCFC-141b पूरी तरह बंद।

✓ इम्पिलिमेंटेशन: MoEFCC के तहत 'ओजोन सेल' कार्यरत; किगाली के तहत 2047 तक HFCs में 80% कमी का लक्ष्य।

✓ इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान (ICAP 2019): ऐसा प्लान बनाने वाला दुनिया का पहला देश; 2037-38 तक कूलिंग डिमांड 20-25% घटाने का लक्ष्य।

'क्लाउडेड लेपर्ड संरक्षण कार्य योजना' (CAP)

चर्चा में क्यों?

✓ भारत ने अपने 'क्लाउडेड लेपर्ड संरक्षण कार्य योजना' (CAP) के माध्यम से इसके संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

✓ 2018 में ब्रिटेन की 'द एस्पिनॉल फाउंडेशन' द्वारा शुरू। यह एक जागरूकता दिवस है। इसका उद्देश्य आवास क्षरण और अवैध व्यापार के प्रति जागरूकता फैलाना है।

क्लाउडेड लेपर्ड संरक्षण कार्य योजना

✓ भारत सरकार-GEF-UNDP पहल के तहत विकसित। जुलाई 2026 में कोयंबटूर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 91वीं बैठक में आधिकारिक विमोचन।

✓ आवास सुरक्षा, वैज्ञानिक निगरानी, लैंडस्केप कनेक्टिविटी और सामुदायिक भागीदारी।

- **मुख्य घटक:**

- **आवास संपर्क:** पूर्वोत्तर भारत में कॉरिडोर संरक्षण और पुनर्स्थापना हेतु 14 प्राथमिकता वाले परिदृश्यों की पहचान।
    - **वैज्ञानिक निगरानी:** कैमरा ट्रैप, ऑक्यूपेंसी सर्वे, आनुवंशिकी और पर्यावरण डीएनए (eDNA) का उपयोग।
    - **प्रौद्योगिकी व सुरक्षा:** 'M-STrIPES' ऐप के माध्यम से शिकार विरोधी प्रयासों को मजबूती।
    - **समावेशी संरक्षण:** जलवायु-सहनशील संरक्षण, आजीविका संवर्धन और पड़ोसी देशों के साथ सीमा पार सहयोग।
- **संस्थागत ढांचा:** 'एकीकृत वन्यजीव आवास विकास' योजना के तहत 'प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम' में शामिल।

तथ्य:

✓ वैश्विक व भारतीय वितरण: हिमालय की तलहटी, दक्षिण-पूर्व एशिया व दक्षिण चीन में। भारत में मुख्य रूप से पूर्वोत्तर के उष्णकटिबंधीय/सदाबहार वनों (मैंग्रोव से लेकर 6,000–9,000 फीट तक) में सीमित।

✓ विशेषताएं:गले में हायॉइड हड्डी के कारण गुर्रा नहीं सकती, केवल छोटी बिल्लियों की तरह म्याऊं/घुरघुर कर सकती है।

✓ व्यवहार: बाघ/तेंदुए जैसे बड़े शिकारियों की मौजूदगी में पूर्णतः रात्रिचर और वृक्षवासी, लेकिन प्रतिस्पर्धियों के अभाव में दिन में भी सक्रिय।

✓ दुनिया की 7 प्रमुख बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिए शुरू किए गए इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस में क्लाउडेड लेपर्ड शामिल है।

संरक्षण स्थिति एवं संरक्षित क्षेत्र

- **IUCN रेड लिस्ट:** Vulnerable (संवेदनशील)
- **CITES:** परिशिष्ट-I (Appendix I)
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (WPA), 1972: अनुसूची I (Schedule I)
- **राज्य पशु:** मेघालय का आधिकारिक राज्य पशु।
- **प्रमुख क्षेत्र:**
    - **क्लाउडेड लेपर्ड नेशनल पार्क (त्रिपुरा):** सिपाहीजाला अभयारण्य के भीतर भारत का पहला समर्पित पार्क।
    - मानस (असम), डम्पा (मिजोरम), और पाके (अरुणाचल प्रदेश) टाइगर रिजर्व।

इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (International Big Cat Alliance - IBCA)

- **लॉन्च: 9 अप्रैल 2023** को प्रधानमंत्री द्वारा (प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरे होने पर) मैसूर, कर्नाटक से।
- **प्रकृति:** 7 प्रमुख 'बड़ी बिल्लियों' के संरक्षण हेतु एक वैश्विक बहु-देशीय गठबंधन।
- **मुख्यालय (HQ): भारत।**
- **वित्तीय सहायता:** भारत सरकार द्वारा 5 वर्षों (2023-24 से 2027-28) के लिए ₹150 करोड़ का बजटीय आवंटन।

7 बिग कैट्स

1. **बाघ (Tiger)**
2. **शेर (Lion)**
3. **तेंदुआ (Leopard)**
4. **हिम तेंदुआ (Snow Leopard)**
5. **चीता (Cheetah)**
6. **जगुआर (Jaguar)** *(भारत में प्राकृतिक रूप से नहीं पाया जाता)*
7. **क्लाउडेड लेपर्ड (Clouded Leopard)**

Result Mitra

सदस्यता एवं संरचना

- **पात्रता:** 96 'रेंज देश' (जहाँ ये प्रजातियाँ पाई जाती हैं) + गैर-रेंज देश + अंतर्राष्ट्रीय संगठन और संरक्षण एजेंसियाँ।
- **गवर्निंग बॉडी:**
    - **सदस्य सभा:** सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था।
    - **सचिवालय:** भारत में स्थापित, जिसका नेतृत्व महानिदेशक करते हैं।

ग्लॉ झील (Glaw Lake)

चर्चा में क्यों?

✓ अरुणाचल प्रदेश की ग्लॉ झील को भारत का 101वां रामसर स्थल (Ramsar Site) घोषित किया गया है।

✓ यह अरुणाचल प्रदेश का पहला अंतरराष्ट्रीय महत्व का आर्द्रभूमि (Wetland of International Importance) स्थल बना है।

✓ इसके साथ ही भारत में रामसर स्थलों की संख्या 2014 के 26 स्थलों से बढ़कर 2026 में 101 हो गई है।

भौगोलिक अवस्थिति एवं विशेषताएँ:

✓ पूर्वी हिमालय क्षेत्र में स्थित **कामेलांग टाइगर रिजर्व एवं वन्यजीव अभयारण्य** के भीतर।

✓ यह बारहमासी पर्वतीय धाराओं द्वारा पोषित एक निर्मल मीठे पानी की झील है।

जैव-विविधता एवं महत्व:

- ✓ इसके जलग्रहण क्षेत्र में **150 से अधिक वृक्षों की प्रजातियाँ** और **49 ऑर्किड प्रजातियाँ** दर्ज की गई हैं।
- ✓ यह पदनाम जैव-विविधता संरक्षण, जलवायु लचीलेपन, जल संरक्षण और स्थानीय समुदायों की टिकाऊ आजीविका को बढ़ावा देगा।

रामसर कन्वेंशन:

- ✓ आर्द्रभूमियों के संरक्षण और उनके 'विवेकपूर्ण उपयोग' (Wise Use) के लिए 1971 में रामसर (ईरान) में अपनाया गया एक अंतर-सरकारी ढांचा।
- ✓ युनेस्को (UNESCO) इस संधि के डिपॉजिटरी के रूप में कार्य करता है।
- ✓ भारत में 1 फरवरी 1982 को लागू हुआ।
- ✓ मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड: यह रामसर सूची के अंतर्गत ऐसे स्थलों का एक रजिस्टर है जहाँ मानवीय हस्तक्षेप, प्रदूषण या तकनीकी विकास के कारण पारिस्थितिक चरित्र में परिवर्तन आया है, आ रहा है या आने की संभावना है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- ✓ **रामसर स्थलों की कुल संख्या:** भारत में अब 101 रामसर स्थल हैं (दक्षिण एशिया में सर्वाधिक)।
- ✓ **सर्वाधिक स्थलों वाला राज्य:** तमिलनाडु (18 स्थल) भारत में सबसे अधिक रामसर स्थलों वाला राज्य है, जिसके बाद उत्तर प्रदेश (10 स्थल) का स्थान है।
- ✓ भारत का पहला रामसर स्थल: चिलका झील (ओडिशा) और केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान) को 1981 में एक साथ भारत के पहले रामसर स्थल का दर्जा दिया गया था।
- ✓ **भारत का सबसे बड़ा रामसर स्थल: सुंदरवन डेल्टा (पश्चिम बंगाल)** — यह लगभग 4,230 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है।
- ✓ **भारत का सबसे छोटा रामसर स्थल: रेणुका आर्द्रभूमि (हिमाचल प्रदेश)** — इसका क्षेत्रफल केवल ~0.2 वर्ग किमी है।
- **भारत के मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड स्थल:** वर्तमान में भारत के केवल 2 स्थल इस रिकॉर्ड में शामिल हैं:
    1. **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान** (राजस्थान)
    2. **लोकतक झील** (मणिपुर)

(नोट: चिलका झील को पहले इसमें शामिल किया गया था, लेकिन सफल संरक्षण प्रयासों के बाद इसे हटा दिया गया)।

असम में बाढ़

असम ने पिछले छह दशकों से अधिक समय में अपनी सबसे घातक बाढ़ आपदाओं में से एक का सामना किया है, जिसने राज्य के अधिकांश जिलों को जलमग्न कर दिया। 8 लाख से अधिक लोग सीधे तौर पर प्रभावित हुए। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल **काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान** का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया।

कारण

भौगोलिक एवं प्राकृतिक कारण

- ✓ **संकरी घाटी एवं भू-आकृति:** असम की घाटी अत्यधिक संकरी है। अरुणाचल प्रदेश और मेघालय की पहाड़ियों से जब 50 से अधिक सहायक नदियाँ ब्रह्मपुत्र में आती हैं, तो मैदानी भाग में ढलान कम होने के कारण पानी तेजी से फैल जाता है।
- ✓ **अत्यधिक गाद जमाव:** ब्रह्मपुत्र विश्व की सबसे अधिक गाद लाने वाली नदियों में से एक है। नदी के तल में गाद जमा होने से इसकी जल-धारण क्षमता निरंतर घट रही है।
- ✓ **तीव्र मानसूनी वर्षा:** दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान असम और ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों (अरुणाचल व मेघालय) में कम समय में अत्यधिक बारिश होती है।
- ✓ **नदी तट क्षरण:** गाद जमाव और तेज प्रवाह से नदियाँ अपना मार्ग बदलती हैं, जिससे तटबंध कटते हैं।

मानवजनित एवं नीतिगत कारण

- ✓ **ऊपरी क्षेत्रों में निर्वनीकरण:** पहाड़ियों में जंगलों की कटाई से भूस्खलन और मिट्टी का कटाव बढ़ता है, जो नदियों में गाद की मात्रा को दोगुना कर देता है।
- ✓ **पुराने व कमजोर तटबंध:** असम में अधिकांश तटबंध दशकों पुराने हैं और अपनी डिज़ाइन क्षमता खो चुके हैं। इनके टूटने से अचानक और विनाशकारी बाढ़ आती है।
- ✓ **आर्द्रभूमियों का विनाश:** प्राकृतिक जल-संग्राहक के रूप में कार्य करने वाली बील और झीलों का अतिक्रमण और भराव होने से अतिरिक्त जल संचित नहीं हो पाता।
- ✓ **जलवायु परिवर्तन:** अतिवृष्टि की बारंबारता में वृद्धि हुई है।

लू (Heatwave) और तड़ित/बिजली (Lightning) को 'अधिसूचित प्राकृतिक आपदा' घोषित किया गया।

चर्चा में क्यों?

16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर, केंद्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर **लू** और **तड़ित/आकाशीय बिजली** को वर्ष 2026-2031 की अवधि के लिए राज्य आपदा मोचन निधि और राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि के दिशा-निर्देशों के तहत **अधिसूचित प्राकृतिक आपदा** के रूप में मान्यता दे दी है। इससे प्रभावित राज्य आपदा निधि से वित्तीय राहत और सहायता प्रदान कर सकेंगे।

मूलभूत अवधारणाएँ

- ✓ ये **आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005** के तहत मान्यता प्राप्त वैधानिक मौसम संबंधी या भूगर्भीय खतरे हैं।
- ✓ यह दर्जा मिलने से राज्यों को व्यवस्थित केंद्रीय और राज्य वित्तीय सहायता, तत्काल राहत और दीर्घकालिक शमन कोष की पात्रता मिलती है।

✓ इन दो नई आपदाओं के जुड़ने से राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त आपदाओं की श्रेणी **12 से बढ़कर 14** हो गई है। (अन्य 12: चक्रवात, सूखा, भूकंप, आग, बाढ़, सुनामी, ओलावृष्टि, भूस्खलन, हिमस्खलन, बादल फटना, कीट हमला और शीत लहर)।

लू- IMD मानदंड:

✓ भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, यह किसी क्षेत्र के सामान्य जलवायवीय तापमान की तुलना में असामान्य रूप से उच्च तापमान की अवधि है।

✓ जब मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान कम से कम **40°C** और पहाड़ी क्षेत्रों में कम से कम **30°C** तक पहुँच जाता है।

तड़ित/आकाशीय बिजली- IMD मानदंड:IMD के अनुसार, यह बादलों के भीतर, बादलों के बीच या बादल और जमीन के बीच होने वाला एक तीव्र, उच्च-वोल्टेज इलेक्ट्रोस्टैटिक डिस्चार्ज है, जिसके साथ गर्जना और प्रकाश की चमक होती है। यह भारत में सबसे खतरनाक और घातक मौसमी खतरों में से एक है।

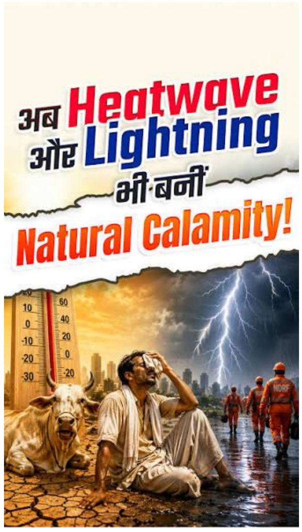

3. प्रमुख आंकड़े एवं डेटा (Stats & Data for Prelims)

- **सर्वाधिक मृत्यु दर वाली आपदा:** आकाशीय बिजली गिरने से भारत में प्रतिवर्ष **2,000 से 2,500 मौतें** होती हैं (प्राकृतिक आपदा से होने वाली कुल मौतों का **35% से अधिक**)।
- **अत्यधिक ग्रामीण संवेदनशीलता:** बिजली गिरने से होने वाली **96% मौतें** और फसल सीजन की **77% मौतें** ग्रामीण क्षेत्रों में होती हैं (मुख्यतः मानसून बुवाई के दौरान खेतों में काम करने वाले कृषि मजदूर व जनजातीय आबादी)।
- **हीटस्ट्रोक का बढ़ता बोझ:** ग्रीष्मकाल (मार्च-जुलाई 2026) के दौरान स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली ने **4,853 से अधिक** गंभीर हीटस्ट्रोक मामले और कई मौतें दर्ज कीं।

प्रभावित क्षेत्र

- **पूर्वी व छोटानागपुर पठार (मुख्य बिजली बेल्ट):** ओडिशा, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल (बंगाल की खाड़ी की नमी और शुष्क महाद्वीपीय हवाओं के टकराव से घने संवहनी बादल बनते हैं)।
- **उत्तर-पश्चिमी व मध्य मैदान (लू का मुख्य क्षेत्र):** राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश (गर्मी में तापमान 45°C–48°C से अधिक)।
- **पश्चिमी प्रायद्वीपीय व दक्कन पठार:** महाराष्ट्र (विदर्भ/मराठवाड़ा), तेलंगाना और उत्तरी कर्नाटक (शुरुआती गर्मी में लू + मानसून-पूर्व बिजली तूफान का दोहरी मार)।
- **उत्तर-पूर्वी पहाड़ी राज्य:** असम, मेघालय, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश (हिमालय की तलहटी में मानसूनी हवाओं के उठने से उच्च बिजली आवृत्ति)।

5. भारत में आपदा अधिसूचना की प्रक्रिया (Notification Process)

1. **वित्त आयोग का मूल्यांकन:** ऐतिहासिक व्यय, आपदा आवृत्ति और मृत्यु दर का आकलन कर 5-वर्षीय बजट की सिफारिश।
2. **गृह मंत्रालय (MHA) द्वारा स्वीकृति:** सिफारिशों को स्वीकार कर **आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005** के तहत संशोधित परिचालन दिशा-निर्देश जारी करना।
3. **SDRF आवंटन:** राज्यों को वार्षिक अनुदान केंद्र:राज्य अनुपात में मिलता है:
   - **सामान्य राज्य:** 75:25
   - **उत्तर-पूर्वी एवं हिमालयी राज्य:** 90:10
4. **कोष का विभाजन (Response vs Mitigation):**
   - **80% निधि:** तत्काल राहत एवं प्रतिक्रिया (SDRF) हेतु।
   - **20% निधि:** दीर्घकालिक आपदा शमन (SDMF - State Disaster Mitigation Fund) हेतु।
5. **राष्ट्रीय सहायता (NDRF):** जब आपदा की तीव्रता राज्य की क्षमता से अधिक हो, तो केंद्र के 'राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि' (NDRF) से अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी जाती है।

इस निर्णय की आवश्यकता क्यों पड़ी?

- **'10% SDRF जाल' से राहत:** पहले राज्य अघोषित स्थानीय आपदा प्रावधान के तहत SDRF का केवल **अधिकतम 10%** ही खर्च कर पाते थे, जो व्यापक लू जैसी आपदाओं के लिए बहुत अपर्याप्त था।
- **मृत्यु दर में शीर्ष स्थान:** बिजली गिरना भारत में प्राकृतिक मौसमी आपदा मौतों का सबसे बड़ा कारण बन गया था (>35% मौतें)।
- **लू की बढ़ती बारंबारता:** हजारों हीटस्ट्रोक मामले और मौतों से अनौपचारिक व बाहरी मजदूरों पर गंभीर संकट।
- **जलवायु परिवर्तन व मौसमी अस्थिरता:** ग्लोबल वार्मिंग से वायुमंडलीय अस्थिरता बढ़ी है, जिससे बिजली गिरने और लू की अवधि में वृद्धि हुई है।
- **असंगठित श्रमिकों पर प्रभाव:** बाहरी मजदूर, कृषि श्रमिक और गिग वर्कर्स के पास वित्तीय सुरक्षा या कार्य-हानि मुआवजे का अभाव था।

7. इस कदम का महत्व (Significance)

- **पूर्ण निधि तक पहुँच:** राज्यों को केवल 10% के स्थानीय कोटे पर निर्भर रहने के बजाय SDRF/NDRF के संपूर्ण प्राथमिक रिजर्व का उपयोग करने का अधिकार।
- **दीर्घकालिक शमन (Mitigation) को बढ़ावा:** SDMF के तहत **20% निधि** का उपयोग कूल रूफ तकनीक, छायादार पैदल पथ, और तड़ित चालक/लाइटनिंग प्रोटेक्शन पोल लगाने में किया जा सकेगा।
- **श्रमिकों के लिए कानूनी सुरक्षा:** जिला प्रशासन को लू के रेड अलर्ट के दौरान अनिवार्य रूप से कार्य-विराम, विश्राम अवधि और सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने का वैधानिक अधिकार।
- **सार्वजनिक स्वास्थ्य एकीकरण:** आपदा राहत को **मानव स्वास्थ्य एवं जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम** और स्वास्थ्य निगरानी डेटा से सीधे जोड़ा जा सकेगा।

Result Mitra

आईएनएस श्रुति (INS Shruti) - नेक्स्ट जेनरेशन ऑफशोर पेट्रोल वेसल

चर्चा में क्यों?

भारतीय नौसेना के लिए गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, कोलकाता द्वारा निर्मित स्वदेशी 'शची-क्लास' का नेक्स्ट जेनरेशन ऑफशोर पेट्रोल वेसल **'श्रुति' (Yard 3037)** तैयार किया गया है।

मुख्य बिंदु:

- **प्रकृति व श्रेणी:** यह 'शची-क्लास' का स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित 'नेक्स्ट जेनरेशन ऑफशोर पेट्रोल वेसल' है।
- **निर्माता:** गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, कोलकाता।
- **नामकरण:** भारतीय सांस्कृतिक विरासत (वेदों - श्रुति) के नाम पर। इसके शिखा डिजाइन में 'उर्सा मेजर' (सप्तर्षि) तारामंडल और लाल-सफेद लाइटहाउस अंकित है।
- **उद्देश्य:** समुद्री निगरानी, तटीय व अपतटीय परिसंपत्तियों की सुरक्षा, पायरेसी-रोधी संचालन, घुसपैठ रोधी अभियान और मानवीय सहायता व आपदा राहत मिशन।

तकनीकी विशेषताएं व क्षमताएं:

- **आकार व विस्थापन:** लंबाई लगभग 110 मीटर और विस्थापन 2,500–2,900 टन।
- **गति व सहनशीलता:** अधिकतम गति: **25 नॉट** से अधिक,परिचालन सीमा: 8,500 समुद्री मील, सहनशक्ति : समुद्र में लगातार **60 दिनों** तक कार्य करने में सक्षम।
- **उन्नत हथियार व रक्षा प्रणाली:**
    - 76mm सुपर रैपिड गन माउंट (SRGM) और AK-630 CIWS,वीशॉर्टरैड्स मिसाइलें,कवच शैफ लांचर,मरीच एडवांस्ड टॉरपीडो डिफेंस सिस्टम।

AK-203 'शेर' असॉल्ट राइफल (AK-203 'Sher' Assault Rifle)

चर्चा में क्यों?

इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के अमेठी स्थित कोरवा ऑर्डनेंस फैसिलिटी में 100% स्वदेशी घटकों से निर्मित **AK-203 'शेर'** असॉल्ट राइफल का सफलतापूर्वक निर्माण और परीक्षण किया है।

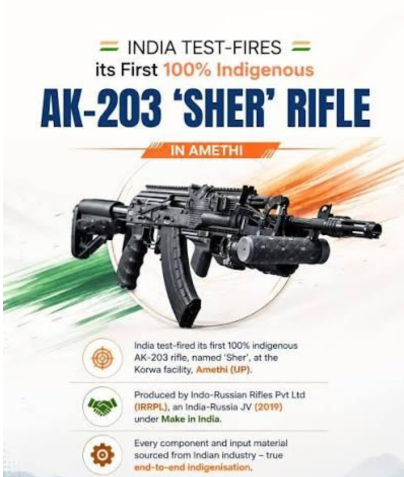

मुख्य बिंदु

- ✓ इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड भारत और रूस का 2019 में स्थापित एक संयुक्त उद्यम है।
- ✓ **निर्माण स्थल:** कोरवा ऑर्डनेंस फैक्टरी, अमेठी (उत्तर प्रदेश)।
- ✓ **'शेर' संस्करण:** 100% भारतीय घटकों और कच्चे माल से निर्मित पूर्णतः स्वदेशी वेरिएंट।
- ✓ **प्रतिस्थापन:** यह भारतीय सशस्त्र बलों में पुरानी हो चुकी **INSAS राइफलों का स्थान** लेगी (कुल 6 लाख से अधिक राइफलों की आपूर्ति का लक्ष्य)।

तकनीकी विशेषताएं:

- ✓ **कैलिबर:** 7.62 × 39 मिमी (INSAS की तुलना में अधिक घातक और बेहतर "शूट-टू-किल" क्षमता)।
- ✓ **प्रणाली:** कलाश्निकोव प्लेटफॉर्म पर आधारित **गैस-ऑपरेटेड** राइफल।
- ✓ **प्रभावी सीमा:** 800 मीटर तक।
- ✓ **फायरिंग दर:** लगभग 700 राउंड प्रति मिनट।
- ✓ **मैगजीन क्षमता:** 30 राउंड।
- ✓ **जीवनकाल:** न्यूनतम 15,000 राउंड।

रणनीतिक महत्व:

- ✓ **पूर्ण प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (100% ToT):** भारत 'नॉक्ड-डाउन किट असेंबलर' से पूरी तरह से स्वदेशी निर्माता बन गया है।
- ✓ **सामग्री मानकीकरण:** सोवियत काल के 'GOST' मानकों को भारतीय मानकों (IS) में परिवर्तित कर सभी 50 मुख्य घटकों का निर्माण स्थानीय स्तर पर किया गया।
- ✓ **आत्मनिर्भर भारत:** रक्षा निर्माण क्षेत्र में आयात निर्भरता में कमी और घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा।

भारतीय नौसेना का पहला बहुउद्देश्यीय पोत 'समर्थक' (INS Samarthak)

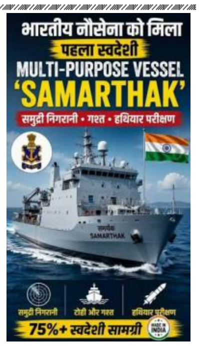

चर्चा में क्यों?

भारतीय नौसेना को एलएंडटी (L&T) द्वारा निर्मित पहला स्वदेशी बहुउद्देश्यीय पोत (Multi-Purpose Vessel - MPV) **'समर्थक'** प्राप्त हुआ है।

मुख्य बिंदु :

- ✓ **निर्माता व स्थान:** एलएंडटी (L&T) द्वारा चेन्नई के पास स्थित **काटुपल्ली शिपयार्ड** में निर्मित।
- ✓ **MPV प्रोजेक्ट:** L&T नौसेना के लिए 2 MPV बना रहा है—**INS उत्कर्ष (2025 में लॉन्च)** और **INS समर्थक**।
- ✓ **उच्च स्वदेशी सामग्री:** पोत में **75% से अधिक स्वदेशी सामग्री** का उपयोग किया गया है (आत्मनिर्भर भारत के अनुकूल)।

प्रमुख कार्य व क्षमताएं:

- ✓ **प्राथमिक कार्य:** नौसेना के लिए विकसित किए जा रहे **अगली पीढ़ी के स्वदेशी हथियारों और सेंसरों का परीक्षण व मूल्यांकन** करना।

- ✓ **विविध परिचालन भूमिकाएं:**
  - समुद्री निगरानी व रेकी।
  - तटीय गश्त।
  - मानवीय सहायता और आपदा राहत संचालन।
- ✓ **उन्नत विशेषताएं:**
  - सतह और हवाई लक्ष्यों को लॉन्च व रिकवर करना।
  - स्वायत्त/मानवरहित सतह व हवाई वाहनों का संचालन।
  - समुद्री प्रदूषण से निपटना तथा भारी लिफ्ट और टोइंग सहायता प्रदान करना।

भारतीय नौसेना – यूएस नौसेना EOD अभ्यास 2026

चर्चा में क्यों?

10 से 14 अगस्त 2026 तक **भारतीय नौसेना और अमरीकी नौसेना** के बीच **एक्सप्लोसिव ऑर्डनेंस डिस्पोजल (EOD)** अभ्यास का **8वां संस्करण** केरल के कोच्चि में स्थित 'दक्षिण नौसेना कमान' में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मुख्य परिचय

- ✓ **क्या है?** यह भारत और अमेरिका की नौसेनाओं की विशेषज्ञ डाइविंग और EOD (विस्फोटक निपटान) इकाइयों के बीच एक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है।
- ✓ **आयोजन स्थल:** दक्षिण नौसेना कमान, कोच्चि (केरल)।
- ✓ **मुख्य उद्देश्य:** दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच परिचालन समन्वय, समुद्री सुरक्षा और रणनीतिक अंतर-संचालनीयता को मजबूत करना।

प्रमुख विशेषताएँ

- **विशेषज्ञता साझा करना:** आईईडी (IEDs) और समुद्री बारूदी सुरंगों जैसे आधुनिक खतरों से निपटने के तरीकों पर चर्चा।
- **उन्नत तकनीक का उपयोग:** विस्फोटकों को सुरक्षित निष्क्रिय करने के प्रोटोकॉल और मानवरहित अंडरवाटर सिस्टम का उपयोग।
- **सामरिक अभ्यास:** विशेषज्ञ कमांडो और विस्फोटक पहचान कुत्तों के साथ हेलीकॉप्टर से रैपलिंग अभ्यास।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** दोनों देशों के बीच डाइविंग और साल्वेज अभ्यास की यह श्रृंखला सबसे पहले **2005 में 'SALVEX' अभ्यास** के नाम से शुरू हुई थी।

अभ्यास 'मैत्री-XV' (Exercise MAITREE-XV)

चर्चा में क्यों?

भारतीय सेना का एक सैन्य दल **भारत-थाइलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मैत्री' (MAITREE)** के **15वें संस्करण (2026)** में भाग लेने के लिए 'सूरत थानी' (सुरत थानी, थाइलैंड) के लिए रवाना हुआ।

परिचय

- ✓ **क्या है?** यह **भारतीय सेना** और **रॉयल थाई सेना** के बीच एक द्विपक्षीय वार्षिक सैन्य अभ्यास है।
- ✓ **आयोजन स्थल (2026):** सूरत थानी, थाइलैंड।
- ✓ **मुख्य उद्देश्य:** दोनों देशों की सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग, अंतर-संचालनीयता, आपसी विश्वास और सामरिक समन्वय को मजबूत करना।

प्रमुख विशेषताएँ

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि व नामकरण:**
  - इसकी शुरुआत वर्ष **2006** में 'थाई-इंडियन कॉर्पोरेशन फील्ड एक्सरसाइज' (TICAFE) के रूप में हुई थी।
  - वर्ष **2013** में इसका नाम बदलकर **'मैत्री' (MAITREE)** किया गया।
  - इसका आयोजन बारी-बारी से (अल्टरनेटिवली) भारत और थाइलैंड द्वारा किया जाता है।
- **2026 संस्करण का महत्व:** वर्ष 2026 का यह संस्करण इस अभ्यास की शुरुआत के **20 वर्ष पूरे होने** का प्रतीक है।
- **सैन्य भागीदारी:** दोनों देशों से 85-85 सैनिक शामिल हैं।
  - **भारत का प्रतिनिधित्व:** 9 गोरखा राइफल्स।
  - **थाइलैंड का प्रतिनिधित्व:** 3री बटालियन, 25वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड (5वीं डिविजन)।
- **परिचालन फोकस: संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII**के तहत जंगल और अर्ध-शहरी/उपनगरीय इलाकों में उग्रवाद-विरोधी और आतंकवाद-विरोधी अभियानों पर केंद्रित।
- **तकनीकी व अनुभव साझाकरण:** दोनों सेनाएं आधुनिक हथियारों, उपकरणों और अपने परिचालन अनुभवों का आदान-प्रदान करेंगी।

Result Mitra

खेलकूद (Sports)

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने 18 अगस्त 2026 को 'राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025' की आधिकारिक घोषणा की है।

घोषणा के मुख्य बिंदु:

- **चयन समिति:** पुरस्कार विजेताओं का चयन सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों पर किया गया है।
- **मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार:** इस वर्ष यह सर्वोच्च खेल सम्मान किसी भी खिलाड़ी को प्रदान नहीं किया गया है।
- **अर्जुन पुरस्कार 2025:** उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कुल **17 खिलाड़ियों** को चुना गया है, जिनमें प्रमुख नाम निम्नलिखित हैं:
    - **बैडमिंटन:** ट्रीसा जॉली और पुलेला गायत्री गोपीचंद।
    - **एथलेटिक्स:** तेजस्विन शंकर, मुहम्मद अजमल वी, और प्रियंका गोस्वामी।
    - **शतरंज:** दिव्या जितेंद्र देशमुख।
    - **आजीवन श्रेणी:** फुटबॉल के लिए आई. अरुमैनायगम।
- **द्रोणाचार्य पुरस्कार 2025:** उत्कृष्ट कोचों को दिए जाने वाले इस पुरस्कार के तहत नियमित वर्ग में परवीर सिंह (एथलेटिक्स), छोटे लाल यादव (बॉक्सिंग), नेहा नंदकुमार चव्हाण (शूटिंग) तथा लाइफटाइम श्रेणी में धर्मेंद्र सिंह यादव और वीरेंद्र कुमार का चयन हुआ है।
- **राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार 2025:** खेल विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए पुणे स्थित **'आर्मी पैरालंपिक नोड'** को चुना गया है।

FIH पुरुष और महिला हॉकी विश्व कप 2026

चर्चा में क्यों?

15 से 30 अगस्त 2026 के बीच बेल्जियम (वेव्रे) और नीदरलैंड्स (एमस्टेलवीन) द्वारा संयुक्त रूप से 'FIH हॉकी विश्व कप 2026' का आयोजन किया गया था, जिसके परिणाम अब घोषित हो चुके हैं।

मुख्य बिंदु:

- **पुरुष वर्ग का विजेता:** जर्मनी ने फाइनल मुकाबले में स्पेन को 1-0 से हराकर खिताब जीता. निर्णायक गोल मिशेल स्ट्रुथॉफ ने 44वें मिनट में किया.
- **ऐतिहासिक उपलब्धि:** जर्मनी दो अलग-अलग मौकों पर लगातार दो विश्व कप खिताब जीतने वाली इतिहास की पहली पुरुष हॉकी टीम बन गई है. साथ ही, जर्मनी ने कुल चार बार (2002, 2006, 2023 और 2026) यह खिताब जीतकर सर्वाधिक चार विश्व कप जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है.
- **महिला वर्ग का विजेता:** महिला वर्ग में अर्जेंटीना ने नीदरलैंड्स को हराकर खिताब अपने नाम किया.
- **भारतीय प्रदर्शन:** इस विश्व कप में भारतीय पुरुष टीम आठवें स्थान पर और महिला टीम पांचवें स्थान पर रही.
- **नया फॉर्मेट:** इस संस्करण में पारंपरिक क्वार्टरफाइनल चरण के स्थान पर 'सुपर पूल' प्रणाली को शामिल किया गया था, जिसमें दोनों वर्गों में 16-16 टीमों ने हिस्सा लिया था.

डूरंड कप 2026

चर्चा में क्यों?

23 अगस्त 2026 को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में संपन्न डूरंड कप 2026 के फ़ाइनल मुकाबले में ईस्ट बंगाल ने मोहन बागान एसजी को हराकर 22 वर्षों बाद यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने नाम की है।

मुख्य बिंदु:

- **विजेता टीम:** ईस्ट बंगाल।
- **फ़ाइनल स्कोर:** ईस्ट बंगाल 4-1 मोहन बागान SG
- **स्थान:** साल्ट लेक स्टेडियम, कोलकाता।
- **रिकॉर्ड और इतिहास:**
    - यह ईस्ट बंगाल का **17वां डूरंड कप खिताब** है, जिसके साथ उन्होंने मोहन बागान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब ईस्ट बंगाल और मोहन बागान डूरंड कप में संयुक्त रूप से सबसे सफल टीमें हैं।
    - उनका पिछला खिताब वर्ष 2004 में आया था।

- **प्रमुख प्रदर्शन:** मैच के दौरान **एडमंड लालरिंडिका** ने पहले हाफ में शानदार हैट्रिक लगाई, जबकि **बिपिन सिंह** ने ईस्ट बंगाल के लिए पहला गोल किया।

डूरंड कप के बारे में: डूरंड कप एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है, जिसका आयोजन वर्ष **1888** से लगातार किया जा रहा है।

संशोधित खेलो इंडिया योजना

चर्चा में क्यों?

31 जुलाई 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अंतर्गत संशोधित 'खेलो इंडिया योजना' और 'राष्ट्रीय खेल महासंघों को सहायता (ANSF)' योजना को संयुक्त रूप से 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिए मंजूरी दी है।

योजना से सम्बंधित प्रमुख बिंदु:

- **वित्तीय परिव्यय:** इस संयुक्त योजना का कुल वित्तीय परिव्यय **₹36,441 करोड़** (संशोधित खेलो इंडिया के लिए ₹29,054 करोड़) है, जो पिछली योजना से लगभग आठ गुना अधिक है।
- **संस्थागत ढांचा और नई पहल:**
  - राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, खेलो इंडिया फीडर स्कूल, और खेलो इंडिया उत्कृष्टा विद्यालय जैसे संस्थानों के माध्यम से स्कूली शिक्षा और खेलों का एकीकरण किया जाएगा।
  - प्रत्येक जिले में कम से कम एक 'खेलो इंडिया प्रशिक्षण केंद्र' स्थापित करने का लक्ष्य है।
- **एथलीट विकास:** खेल पारिस्थितिकी तंत्र का 10 गुना विस्तार करने और वैज्ञानिक कोचिंग व दीर्घकालिक मेंटरशिप प्रदान करने के लिए 'इमर्जिंग खेलो इंडिया एथलीट्स' श्रेणी शुरू की गई है।
- **त्रि-स्तरीय संरचना:** इसमें जमीनी स्तर की प्रतियोगिताओं से लेकर खेलो इंडिया और 'टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना' तक का एक स्पष्ट मार्ग तैयार किया गया है।

यह योजना कम उम्र में प्रतिभाओं की पहचान करने, निजी क्षेत्र व CSR निवेश को बढ़ावा देने तथा 2036 के ओलंपिक खेलों में भारत के प्रदर्शन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ऋषभ पंत - टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के

चर्चा में क्यों?

18 अगस्त 2026 को श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान, भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के पूरे करने वाले इतिहास के पहले भारतीय और दुनिया के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं।

मुख्य बिंदु:

- **सबसे तेज उपलब्धि:** पंत ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि अपने **51वें टेस्ट मैच** में हासिल की, जिससे वे टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के पूरे करने वाले दुनिया के **सबसे तेज खिलाड़ी** बन गए हैं।
- **रिकॉर्ड तोड़ गति:** उन्होंने इस मामले में बेन स्टोक्स का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा है, जिन्होंने अपने 82वें टेस्ट मैच में 100 छक्के पूरे किए थे।
- **टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले शीर्ष खिलाड़ी:**
  1. बेन स्टोक्स - 138 छक्के
  2. ब्रेंडन मैकुलम - 107 छक्के
  3. एडम गिलक्रिस्ट - 100 छक्के
  4. ऋषभ पंत - 100 छक्के
- **भारतीय सूची में स्थिति:** भारतीय खिलाड़ियों की इस सूची में वीरेंद्र सहवाग और रोहित शर्मा 91-91 छक्कों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

आर. प्रज्ञानानंद की ऐतिहासिक जीत: ग्रैंड चेस टूर 2026

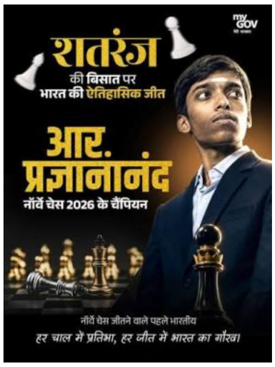

चर्चा में क्यों?

27 अगस्त 2026 को भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले **पहले भारतीय** बनने का गौरव हासिल किया है।

फाइनल मुकाबले के मुख्य बिंदु:

- **प्रतिद्वंद्वी:** उन्होंने फाइनल मुकाबले में गत चैंपियन **फैबियानो कारुआना** को 15–13 के अंतर से हराया।
- **प्रतियोगिता का घटनाक्रम:** शुरुआती क्लासिकल गेम में 6–0 से पिछड़ने के बावजूद, प्रज्ञानानंद ने शानदार वापसी की और दोनों रैपिड गेम जीतकर बढ़त बनाई। इसके बाद उन्होंने चार Blitz (ब्लिट्ज) गेमों में अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए खिताब अपने नाम किया।

पुरस्कार एवं लाभ:

- उन्हें विजेता के रूप में **200,000 अमेरिकी डॉलर** की इनामी राशि प्राप्त हुई।
- इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही उन्हें आगामी **2027 ग्रैंड चेस टूर** में सीधे प्रवेश की पात्रता मिल गई है।

नॉर्थ ईस्ट जोन शूटिंग चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों?

30 अगस्त 2026 को असम के गुवाहाटी में 13वीं नॉर्थ ईस्ट जोन शूटिंग चैंपियनशिप का समापन हुआ, जिसमें सिक्किम के निशानेबाजों ने पहली बार पदक जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

मुख्य बिंदु और प्रमुख तथ्य:

- **ऐतिहासिक पदक:** लक्ष्मण अधिकारी ने मास्टर मेंस 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर सिक्किम के लिए पहला नॉर्थ ईस्ट जोनल-स्तरीय पदक हासिल किया है।
- **राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए क्वालीफिकेशन:** अनु छेत्री (10 मीटर एयर पिस्टल) और त्सेरिंग यांगडेन भूटिया (10 मीटर एयर राइफल) ने आगामी 69वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप 2026 के लिए आधिकारिक रूप से क्वालीफाई कर लिया है।
- **सिक्किम का प्रतिनिधित्व:** इस प्रतियोगिता में सिक्किम राइफल एसोसिएशन के दल में कुल आठ पिस्टल और तीन राइफल निशानेबाज शामिल थे।

तुआंकू मुहरिज़ ट्रॉफी 2026

चर्चा में क्यों?

30 अगस्त 2026 को मलेशिया के सेरेंबान में खेले गए पीएसए चैलेंजर टूर 15 के फाइनल में भारत के शीर्ष स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह ने जीत दर्ज कर **तुआंकू मुहरिज़ ट्रॉफी** 2026' का खिताब अपने नाम कर लिया है।

मुख्य बिंदु:

- **शीर्ष रैंकिंग:** अभय सिंह वर्तमान में विश्व में 24वें स्थान पर हैं और वे भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले पुरुष स्क्वाश खिलाड़ी हैं।
- **खिताब का रिकॉर्ड:** यह उनका इस वर्ष (2026) का दूसरा और कुल 13वां पीएसए टूर खिताब है, तथा इससे पहले वे मुंबई में 'इंडियन ओपन 2026' भी जीत चुके हैं।
- **टूर्नामेंट का इतिहास:** इससे पहले उन्होंने वर्ष 2022 और 2024 में भी यह खिताब जीता था, जिससे यह उनकी तीसरी **तुआंकू मुहरिज़ ट्रॉफी** जीत है।

प्रमुख उपलब्धियां: उन्होंने हांगकांग एशियाई खेल 2023 में पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण और मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक जीता था।

महिला अफ्रीका कप ऑफ नेशंस 2026

चर्चा में क्यों?

16 अगस्त 2026 को खेले गए फाइनल मुकाबले में कैमरून ने मलावी को 3-0 से पराजित कर अपने इतिहास में पहली बार महिला अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (WAFCON) का खिताब जीत लिया है।

टूर्नामेंट से जुड़े मुख्य बिंदु और परिणाम:

- **फाइनल मुकाबला:** इससे पहले कैमरून तीन बार फाइनल में पराजित हुआ था, जबकि मलावी ने अपने इतिहास में पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया था।
- **तीसरा स्थान:** अल्जीरिया ने पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को को हराकर तीसरे स्थान (ब्रॉन्ज मेडल) पर कब्जा किया।
- **फीफा विश्व कप क्वालीफिकेशन:** कैमरून, मलावी, मोरक्को और अल्जीरिया ने ब्राजील में होने वाले 2027 महिला फीफा विश्व कप के लिए आधिकारिक तौर पर क्वालीफाई कर लिया है।
- **ऐतिहासिक रिकॉर्ड:** 1998 में इस टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से कैमरून खिताब जीतने वाली चौथी अलग टीम बन गई है, जबकि नाइजीरिया 10 खिताबों के साथ सबसे सफल टीम बनी हुई है।

महत्वपूर्ण पुरस्कार (Important Award)

संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप और पुरस्कार (वर्ष 2024 और 2025)

चर्चा में क्यों?

भारत की राष्ट्रपति द्वारा 13 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक विशेष अलंकरण समारोह में वर्ष 2024 और 2025 के लिए 115 प्रतिष्ठित कलाकारों को 'संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप' और 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार' प्रदान किए गए हैं।

संगीत नाटक अकादमी (SNA) से जुड़े मुख्य तथ्य:

- **स्थापना:** इसकी स्थापना **वर्ष 1953** में की गई थी।
- **नोडल मंत्रालय:** यह केंद्रीय **संस्कृति मंत्रालय** के अधीन कार्य करने वाली एक स्वायत्त संस्था है।
- **मुख्य उद्देश्य:** संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्द्धन करना।

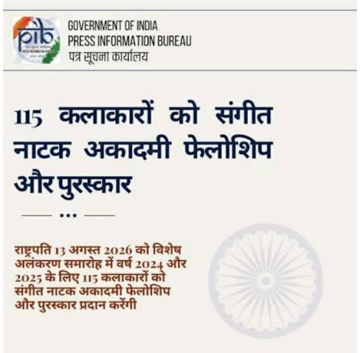

पुरस्कार श्रेणियाँ एवं पुरस्कार राशि:

- **संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (अकादमी रत्न):**
  - यह अकादमी द्वारा दिया जाने वाला **सर्वोच्च और सबसे प्रतिष्ठित सम्मान** है।
  - यह निष्पादन कला के क्षेत्र में असाधारण और दीर्घकालिक योगदान के लिए दिया जाता है।
  - **पुरस्कार स्वरूप:** ₹3 लाख की नकद राशि, ताम्रपत्र और अंगवस्त्रम प्रदान किए जाते हैं।

- **संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (अकादमी पुरस्कार):**
    - यह पुरस्कार वर्ष **1952** से निरंतर प्रदान किया जा रहा है।
    - यह संगीत, नृत्य, रंगमंच (थिएटर), लोक/जनजाति कला और संबद्ध कलाओं के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।
    - **पुरस्कार स्वरूप:** ₹1 लाख की नकद राशि, ताम्रपत्र और अंगवस्त्रम प्रदान किए जाते हैं।

सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक

चर्चा में क्यों?

अगस्त 2026 में केंद्रीय मंत्री द्वारा उत्तराखंड के बहुचर्चित **सिल्क्यारा सुरंग बचाव अभियान** में अदम्य साहस और निःस्वार्थ सेवा का परिचय देने वाले 12 रैट माइनर्स को **'सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक'** से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** इस पुरस्कार की स्थापना **30 सितंबर 1961** को अशोक चक्र श्रृंखला के एक हिस्से के रूप में की गई थी। प्रारंभ में इसे 'जीवन रक्षा पदक, प्रथम श्रेणी' कहा जाता था।
- **नोडल मंत्रालय:** यह पुरस्कार **गृह मंत्रालय** के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन प्रदान किया जाता है।
- **पुरस्कार की श्रेणियां (तीन स्तर):**
    - **सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक:** अत्यंत गंभीर खतरे की स्थिति में जान बचाने के लिए।
    - **उत्तम जीवन रक्षा पदक:** बड़े खतरे के बीच साहस और तत्परता दिखाने के लिए।
    - **जीवन रक्षा पदक:** गंभीर शारीरिक चोट के जोखिम के बावजूद जीवन रक्षा के लिए।

पात्रता और चयन प्रक्रिया:

- **योग्यता:** यह पुरस्कार लिंग, जाति या पेशे के भेदभाव के बिना देश के सभी नागरिकों के लिए खुला है।
- **सशस्त्र बल और पुलिस:** रक्षा बल, केंद्रीय अर्धसैनिक बल (CAPF) और पुलिसकर्मी भी इसके पात्र हैं, बशर्ते यह कार्य उनकी नियमित आधिकारिक ड्यूटी के दायरे से बाहर किया गया हो।
- **मरणोपरांत सम्मान:** यह पुरस्कार मरणोपरांत भी प्रदान किया जा सकता है।
- **स्वीकृति:** पुरस्कार समिति की सिफारिशों के आधार पर अंतिम मंजूरी भारत के राष्ट्रपति द्वारा दी जाती है।

पुरस्कार के लाभ:

- **घटक:** विजेताओं को एक पदक, केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र और एकमुश्त नकद राशि प्रदान की जाती है।
- **नकद राशि:** 'सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक' के तहत **₹2 लाख** की राशि दी जाती है।

प्रोफेसर दीपक धर को डिराक मेडल 2026

चर्चा में क्यों?

अगस्त 2026 में इटली स्थित 'अब्दुस सलाम अंतर्राष्ट्रीय सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र' (ICTP) द्वारा प्रसिद्ध भारतीय भौतिकविद् प्रोफेसर दीपक धर को सांख्यिकीय यांत्रिकी में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'डिराक मेडल 2026' प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है।

मुख्य बिंदु:

- **पुरस्कार की साझेदारी:** प्रोफेसर धर ने यह प्रतिष्ठित सम्मान बर्नार्ड डेरिडा, मार्क मेजार्ड और हैम सोम्पोलिंस्की के साथ साझा किया है।
- **ऐतिहासिक उपलब्धि:** प्रोफेसर धर यह पदक प्राप्त करने वाले दूसरे भारतीय वैज्ञानिक हैं। इससे पहले वर्ष 2012 में स्ट्रिंग थ्योरिस्ट अशोक सेन को यह सम्मान मिला था।
- **प्रमुख योगदान:** उन्हें यह पुरस्कार सांख्यिकीय भौतिकी, विशेष रूप से 'एबेलियन सैंडपाइल मॉडल' के सटीक समाधान के लिए दिया गया है। यह मॉडल समझाता है कि कैसे छोटे स्थानीय अंतःक्रियाएं बड़े सिस्टम में भूकंप या भूस्खलन जैसे जटिल और आकस्मिक व्यवहार को जन्म देती हैं।
- **अन्य उपलब्धियां:** प्रोफेसर धर वर्ष 2022 में 'बोल्ट्ज़मैन पदक' जीतने वाले पहले भारतीय बने थे और उन्हें 2023 में 'पद्म भूषण' से भी सम्मानित किया जा चुका है।

डिराक मेडल के बारे में:

- **स्थापना और प्रदाता:** इसकी स्थापना 1985 में महान भौतिक विज्ञानी पॉल डिराक की याद में की गई थी, जिसे प्रतिवर्ष 8 अगस्त को ट्राइस्टे (इटली) स्थित ICTP द्वारा प्रदान किया जाता है।
- **पात्रता और नियम:** यह केवल सैद्धांतिक भौतिकी के लिए दिया जाता है। इसके 'नोबेल अपवर्जन नियम' के तहत यह उन वैज्ञानिकों को नहीं दिया जाता जो पहले से नोबेल पुरस्कार, फील्ड्स मेडल या वोल्फ प्राइज जीत चुके हैं।

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार 2026

चर्चा में क्यों?

17 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा 15 चयनित पुरस्कार विजेताओं को 'राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार 2026' प्रदान किए गए हैं।

मुख्य बिंदु:

- **योग्यता और क्षेत्र:** इन पुरस्कारों के तहत पासपोर्ट सेवा केंद्र, प्रशासनिक तकनीकी अपनाए जाने, नियम सुधार और लेखा सुधार जैसे क्षेत्रों में योगदान देने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया है।

- **अनुभव प्लेटफॉर्म:** यह एक ऐसा डिजिटल मंच है जो सेवानिवृत्त होने वाले और हो चुके केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों को अपने अनुभव और सुझाव साझा करने की अनुमति देता है।
- **दायरा:** इस मंच के तहत केंद्र सरकार के मंत्रालयों के अलावा 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के कर्मचारी भी शामिल होते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च राजकीय पुरस्कार 'ओली दाराजाली दुस्तलिक' से सम्मानित किया गया है, जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में उनके योगदान को रेखांकित करता है।

प्रधानमंत्री मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान

चर्चा में क्यों?

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में आयोजित एक आधिकारिक समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च राजकीय पुरस्कार 'ओली दाराजाली दुस्तलिक' से सम्मानित किया है।

पुरस्कार से सम्बंधित बिंदु :

- **पुरस्कार का स्वरूप:** 'ओली दाराजाली दुस्तलिक' ऑर्डर (सर्वोच्च मित्रता का आदेश) विदेशी नेताओं को प्रदान किया जाने वाला उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च राजकीय सम्मान है।
- **सम्मान का कारण:** यह पुरस्कार भारत और उज्बेकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने तथा आपसी रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने में प्रधानमंत्री मोदी के विशेष योगदान के लिए दिया गया है।
- **वैश्विक उपलब्धि:** यह प्रधानमंत्री मोदी को किसी विदेशी देश द्वारा प्रदान किया जाने वाला 36वां अंतर्राष्ट्रीय नागरिक या राजकीय सम्मान है।

मिस यूनिवर्स इंडिया 2026

चर्चा में क्यों?

अगस्त 2026 में राजस्थान के जयपुर स्थित ज़ी स्टूडियो में आयोजित राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में केरल की काज़ियाह लिज़ मेजो को 'मिस यूनिवर्स इंडिया 2026' का ताज पहनाया गया है।

प्रमुख बिंदु:

विजेता और उपविजेता:

- **विजेता:** काज़ियाह लिज़ मेजो (केरल) - पिछले 64 वर्षों में यह खिताब जीतने वाली केरल की पहली प्रतियोगी।
- **प्रथम उपविजेता:** वैष्णवी गणेश (तमिलनाडु) - इन्हें 'मिस इंटरनेशनल इंडिया 2026' का खिताब भी प्रदान किया गया।
- **द्वितीय उपविजेता:** अनुश्री सातवलेकर (गुजरात)।

उत्तराधिकार: पिछले वर्ष की विजेता, मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 मनिका विश्वकर्मा ने नई विजेता काज़ियाह को ताज पहनाया।

वैश्विक प्रतिनिधित्व: काज़ियाह लिज़ मेजो नवंबर 2026 में प्यूर्टो रिको के सैन जुआन में आयोजित होने वाली 75वीं 'मिस यूनिवर्स' वैश्विक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

राष्ट्रमंडल खेल 2026

चर्चा में क्यों?

23वें राष्ट्रमंडल खेलों (Common Wealth Games) का आयोजन 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस बार वित्तीय स्थिरता और लागत में कटौती सुनिश्चित करने के लिए 'डाउनसाइज्ड' (छोटा) मॉडल अपनाया गया, जिसके तहत खेलों की संख्या 19 से घटाकर केवल 10 कर दी गई।

मुख्य विवरण:

- **मेजबान शहर व देश:** ग्लासगो, स्कॉटलैंड (यूनाइटेड किंगडम)। यह चौथा अवसर था जब स्कॉटलैंड ने इन खेलों की मेजबानी की।
- **ऐतिहासिक महत्व:** किंग चार्ल्स तृतीय के राष्ट्रमंडल प्रमुख बनने के बाद आयोजित होने वाले यह पहले राष्ट्रमंडल खेल हैं।
- **शामिल 10 मुख्य खेल:** एथलेटिक्स, तैराकी, आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स, ट्रैक साइकिलिंग, नेटबॉल, वेटलिफ्टिंग, बॉक्सिंग, जूडो, बाउल्स और 3x3 बास्केटबॉल (साथ ही 6 एकीकृत पैरा-स्पोर्ट्स)।
- **बाहर किए गए खेल:** बजट और बुनियादी ढांचे की सीमाओं के कारण भारत के प्रभुत्व वाले 9 प्रमुख खेलों (जैसे- कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, क्रिकेट, टेबल टेनिस, स्क्वैश, तीरंदाजी, निशानेबाजी और ट्रायथलन) को हटा दिया गया था।

भारत का प्रदर्शन और पदक तालिका:

- **कुल पदक:** भारत ने इस प्रतियोगिता में 122 एथलीटों के दल के साथ कुल **39 पदक** (13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य) जीते।
- **पदक तालिका:** इन खेलों में भारत **चौथे स्थान** पर रहा। ऑस्ट्रेलिया (171 पदक) पहले, इंग्लैंड दूसरे और कनाडा तीसरे स्थान पर रहा।
- **रूपांतरण दर:** बर्मिंघम 2022 (61 पदक) की तुलना में कुल पदकों की संख्या कम रही, लेकिन भारत की पदक रूपांतरण दर बढ़कर **31%** हो गई (जो 2022 में 29% थी)।

भारत की प्रमुख उपलब्धियाँ:

- **मुक्केबाजी में श्रेष्ठ प्रदर्शन:** मुक्केबाजी भारत की सबसे सफल विधा रही, जिसमें 10 पदक (7 स्वर्ण, 3 रजत) जीते गए। महिलाओं ने इसमें 5 स्वर्ण पदक (साक्षी चौधरी, प्रीति पवार, जैस्मीन लैंबोरिया, प्रिया घंघास और अरुंधति चौधरी) जीतकर अग्रणी भूमिका निभाई।
- **ऐतिहासिक पैरा अभियान:** भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ पैरा अभियान दर्ज करते हुए 7 पदक जीते।

Result Mitra

- **व्यक्तिगत उपलब्धियाँ:**
    - **नीरज चोपड़ा:** पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक के साथ राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार वापसी की।
    - **जूडो में इतिहास:** अस्मिता डे (48 किग्रा) और हर्ष सिंह (60 किग्रा) जूडो में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने।
    - **मीराबाई चानू:** लगातार तीन राष्ट्रमंडल खेलों (2018, 2022 और 2026) में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय भारोत्तोलक बनीं।
    - **गुलवीर सिंह:** पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में रजत और 5,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर भारत के एकमात्र दोहरा पदक विजेता बने।
    - **तेजस्विन शंकर:** डेकाथलॉन में कांस्य पदक जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी

चर्चा में क्यों?

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के समापन के अवसर पर वर्ष 2030 के शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की मशाल भारत को सौंपी गई है।

मुख्य विवरण:

- **मेजबान शहर:** वर्ष 2030 के इन खेलों का आयोजन भारत के **अहमदाबाद (गुजरात)** शहर में किया जाएगा।
- **ऐतिहासिक उपलब्धि:** इसके साथ ही भारत कॉमनवेल्थ गेम्स की एक से अधिक बार मेजबानी करने वाला **पहला एशियाई देश** बन जाएगा। इससे पहले भारत ने वर्ष 2010 में नई दिल्ली में इन खेलों की मेजबानी की थी।
- **शताब्दी संस्करण:** वर्ष 2030 इन खेलों का 100 वर्ष (शताब्दी) पूरा होने का अवसर है, क्योंकि इसकी शुरुआत वर्ष 1930 में हुई थी।

कॉमनवेल्थ गेम्स के बारे में:

- **आयोजन अंतराल:** यह प्रत्येक चार वर्षों पर आयोजित होने वाली एक अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल प्रतिस्पर्धा है।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** पहले इसे **'ब्रिटिश एंपायर गेम्स'** के नाम से जाना जाता था और इसका पहला संस्करण 1930 में कनाडा के हैमिल्टन में आयोजित हुआ था।
- **भागीदारी:** इसमें पूर्व ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा रहे राष्ट्रमंडल देशों, ब्रिटिश विदेशी क्षेत्रों और द्वीपीय देशों के खिलाड़ी भाग लेते हैं, और कुल **72 राष्ट्रमंडल खेल संघ** इसमें शामिल हैं।
- **भारत की भागीदारी:** भारत ने पहली बार **1934** में इसके दूसरे संस्करण में भाग लिया था।

राष्ट्रमंडल (Commonwealth) के बारे में:

- यह 56 स्वतंत्र और समान देशों का एक स्वैच्छिक संगठन है, जिसके सदस्य अफ्रीका, एशिया, अमेरिका, यूरोप और प्रशांत क्षेत्र में फैले हैं। भारत भी इसका एक प्रमुख सदस्य है।
- **लंदन घोषणा-पत्र (1949):** 1949 के इस घोषणा-पत्र ने आधुनिक राष्ट्रमंडल की नींव रखी थी, जिसके तहत यह प्रावधान किया गया कि गणराज्य (Republics) और अन्य स्वतंत्र देश भी इसके सदस्य बन सकते हैं।

- **नवीनतम सदस्य:** गैबॉन और टोगो वर्ष 2022 में इसके नवीनतम सदस्य बने हैं।

सरकारी योजनाएं

गोबरधन (GOBARdhan): राष्ट्रीय चक्रीय जैव ऊर्जा योजना

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगस्त 2026 में संपीड़ित बायोगैस (CBG) उत्पादन, वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन और चक्रीय जैव-अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए **₹23,731 करोड़** के कुल परिव्यय के साथ **'गोबरधन: राष्ट्रीय चक्रीय जैव ऊर्जा योजना'** को आधिकारिक मंजूरी दे दी है।

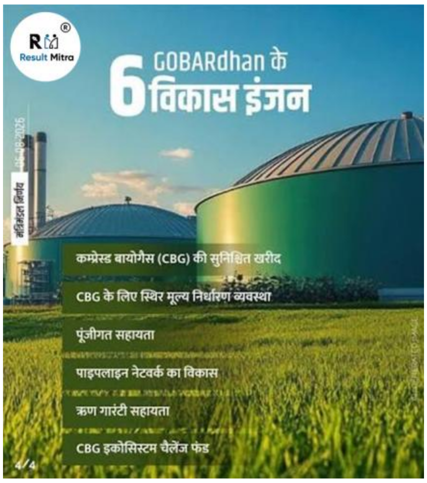

योजना के प्रमुख बिंदु:

- **नोडल मंत्रालय:** पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय।
- **कार्यान्वयन अवधि:** वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक।
- **प्रमुख उद्देश्य:** पशु अपशिष्ट, कृषि अवशेष, प्रेस मड और नगरपालिका के जैविक कचरे को संपीड़ित बायोगैस (CBG) तथा जैविक खाद में परिवर्तित करना।
- **फीडस्टॉक (कच्चा माल):** इसमें कृषि अवशेष, मवेशियों का गोबर, शहरी जैविक कचरा और अन्य बायोमास संसाधनों का उपयोग किया जाएगा।
- **चरणबद्ध मिश्रण जनादेश:** सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (CGD) कंपनियों के लिए सीबीजी की अनिवार्य खरीद का प्रावधान किया गया है:
  - वित्त वर्ष 2026-27 में: 3%
  - वित्त वर्ष 2027-28 में: 4%
  - वित्त वर्ष 2028-29 से आगे: 5%
- **मूल्य निर्धारण तंत्र:** उत्पादकों को वित्तीय स्थिरता प्रदान करने के लिए न्यूनतम 10 वर्ष की अवधि के साथ ₹2,110 प्रति MMBTU का प्रशासित सीबीजी मूल्य तय किया गया है।
- **वित्तीय सहायता:** पात्र ग्रीनफील्ड परियोजनाओं को स्थापित सीबीजी क्षमता के प्रति टन प्रति दिन (TPD) ₹2 करोड़ तक की पूंजीगत सहायता दी जाएगी।

इस योजना का लक्ष्य घरेलू संपीड़ित बायोगैस के उत्पादन में लगभग दस गुना वृद्धि करना है, जिससे सीबीजी भारत के भविष्य के ऊर्जा मिश्रण का एक प्रमुख घटक बन सके।

'समुद्र मंथन' राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 31 जुलाई 2026 को देश के अपतटीय क्षेत्रों में तेल और गैस की खोज में तेजी लाने के लिए 'समुद्र मंथन' राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना को मंजूरी दे दी है.

योजना के मुख्य बिंदु:

- **मंत्रालय:** यह केंद्रीय क्षेत्र की योजना पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत कार्यान्वित की जाएगी.
- **बजट:** इस योजना के लिए कुल **₹84,084 करोड़** का बजट आवंटित किया गया है.
- **कार्यान्वयन अवधि:** इसे वित्तीय वर्ष **2030-31** तक लागू किया जाएगा.
- **प्रमुख फोकस:** अपतटीय क्षेत्रों में तेल और प्राकृतिक गैस की खोज तथा उच्च-गुणवत्ता वाले भूकंपीय (सिस्मिक) डेटा का बड़े पैमाने पर अधिग्रहण करना.

पहल का महत्व और उद्देश्य:

- **घरेलू उत्पादन में वृद्धि:** इस योजना का मुख्य मकसद घरेलू उत्पादन को बढ़ाना और अपस्ट्रीम ऊर्जा क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना है.
- **भंडार में बढ़ोतरी:** सरकार को उम्मीद है कि इससे भारत के भंडार में **600 मिलियन मीट्रिक टन तेल के बराबर (MMTOE)** से ज्यादा की बढ़ोतरी होगी.
- **ऊर्जा सुरक्षा:** यह योजना देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और कच्चे तेल व प्राकृतिक गैस के उत्पादन का बड़े पैमाने पर विस्तार करने में मददगार साबित होगी.

वन हर्ब, वन स्टैंडर्ड' पहल का नवीनीकरण

चर्चा में क्यों?

12 अगस्त 2026 को आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले संस्थानों ने औषधीय पौधों के लिए वैज्ञानिक मानकों को स्थापित करने हेतु 'वन हर्ब, वन स्टैंडर्ड' पहल के तहत अपनी साझेदारी को अगले तीन साल के लिए बढ़ा दिया है।

पहल के प्रमुख बिंदु:

- **साझेदार संस्थान:** यह पहल भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी औषध संहिता आयोग और इंडियन फार्माकोपिया कमीशन का एक संयुक्त अंतर-मंत्रालयी प्रयास है।
- **लक्ष्य और प्रणालियाँ:** इसका उद्देश्य आयुर्वेद, सिद्ध, सोवा-रिग्पा, यूनानी और होम्योपैथी में उपयोग होने वाली एक ही जड़ी-बूटी के लिए एक सामान्य और वैज्ञानिक रूप से विश्वसनीय मानक स्थापित करना है।
- **मानकों का दायरा:** ये सामंजस्यपूर्ण मानक गुणवत्ता, शुद्धता और मानकीकरण को कवर करते हैं, जिससे निर्माताओं, निर्यातकों, प्रयोगशालाओं और नियामकों के बीच भ्रम कम होता है।

- **प्रथम चरण की उपलब्धि:** वर्ष 2022 में शुरू की गई इस पहल के पहले चरण के दौरान औषधीय पौधों के **50 मोनोग्राफ** सफलतापूर्वक विकसित किए जा चुके हैं।

महत्व:

- **वैश्विक स्वीकार्यता:** साझा मानकों से भारतीय हर्बल और वनस्पति उत्पादों की सुरक्षा तथा अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता में सुधार होता है।
- **व्यापार में सुगमता:** एकल मानक से दवाओं के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया सरल होगी, जिससे वैश्विक निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।
- **जैव विविधता का संरक्षण:** यह पहल भारत की समृद्ध पारंपरिक चिकित्सा विरासत और जैव विविधता के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण की रक्षा करती है।

SHINE कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

11 से 12 अगस्त 2026 के दौरान स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और आईसीएमआर द्वारा 'साइंस एंड हेल्थ इनोवेशन फॉर द नेक्स्टजेन एक्सप्लोरर्स' (SHINE) कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का देश के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 83 स्थानों पर सफल समापन किया गया है।

कार्यक्रम के मुख्य बिंदु:

- **लक्ष्य समूह:** यह कार्यक्रम विशेष रूप से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के स्कूली छात्रों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसका उद्देश्य उन्हें जैव-चिकित्सा और जनस्वास्थ्य अनुसंधान में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।
- **प्रमुख गतिविधियां:** इसके तहत छात्रों को नागपुर और गोरखपुर की मोबाइल बीएसएल-3 (BSL-3) प्रयोगशालाओं सहित आईसीएमआर की आधुनिक प्रयोगशालाओं का दौरा कराया गया तथा वैज्ञानिक प्रदर्शनों में शामिल किया गया।
- **नई पहल:** इस अवसर पर 'शाइन' की आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च की गई और सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों पर आधारित एक राष्ट्रव्यापी स्कूली प्रतियोगिता की घोषणा की गई।

यह पहल प्रधानमंत्री के 'वन डे एज अ साइंटिस्ट' के आह्वान के अनुरूप छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और शोध संस्कृति को विकसित करती है।

PM-KISAN योजना का वित्त वर्ष 2030-31 तक विस्तार

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN)** योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक अगले 5 वर्षों के लिए बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, जिसके लिए **₹3.15 लाख करोड़** से अधिक के वित्तीय परिव्यय को स्वीकृत किया गया है।

योजना के प्रमुख बिंदु :

- **योजना का स्वरूप:** यह शत-प्रतिशत केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित योजना है।
- **नोडल मंत्रालय:** कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय।
- **वित्तीय सहायता:** पात्र भूमिधारक किसान परिवारों को प्रति वर्ष **₹6,000** की वित्तीय सहायता दी जाती है।
- **भुगतान का तरीका:** यह राशि ₹2,000 की तीन समान किस्तों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (**DBT**) के माध्यम से सीधे बैंक खातों में भेजी जाती है।
- **शुरुआत:** इस योजना की शुरुआत औपचारिक रूप से 24 फरवरी 2019 को की गई थी (इसे दिसंबर 2018 से प्रभावी माना गया था)।

इस विस्तार (2026-2031) के तहत प्रमुख सुधार:

- **लागत सूचकांक लिंकेज:** इनपुट मुद्रास्फीति से निपटने के लिए भुगतानों को कृषि श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-AL) से जोड़ने का प्रावधान है।
- **बटाईदार किसानों का समावेशन:** राज्यों को काश्तकार और किरायेदार किसानों के अनुबंधों को डिजिटल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।
- **WTO अनुपालन:** यह प्रत्यक्ष आय सहायता विश्व व्यापार संगठन (WTO) के **ग्रीन बॉक्स** के अंतर्गत आती है, क्योंकि यह व्यापार को विकृत नहीं करती है।

यह योजना देश के करोड़ों लघु और सीमांत किसानों को समय पर बीज, उर्वरक और अन्य कृषि इनपुट खरीदने के लिए तरल पूंजी प्रदान करती है, जिससे साहूकारों पर उनकी निर्भरता कम होती है।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PM-VBRY)

चर्चा में क्यों?

1 अगस्त 2026 को PM-VBRY ने अपने क्रियान्वयन का **1 वर्ष** पूरा कर लिया है।

उद्देश्य: औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देना और प्रथम बार काम पर लगने वाले कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा देना।

कार्यान्वयन : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय।

- अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 (2 वर्ष) के लिए कुल ₹99,446 करोड़ का बजट।

Result Mitra

- 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार सृजन, जिसमें 1.92 करोड़ पहली बार काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं।
- श्रम-गहन विनिर्माण क्षेत्र और राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन को मजबूती देना।

प्रथम बार कर्मचारियों के लिए: ₹1 लाख/माह तक वेतन वालों को 1 महीने के EPF वेतन के बराबर (अधिकतम ₹15,000) दो किस्तों में DBT के जरिए मिलेंगे।

नियोक्ताओं के लिए: ₹1 लाख/माह तक वेतन वाले प्रत्येक नए कर्मचारी पर प्रति माह ₹3,000 तक की वित्तीय सहायता 2 साल के लिए मिलेगी।

विनिर्माण क्षेत्र को विशेष छूट: विनिर्माण इकाइयों के लिए नियोक्ता प्रोत्साहन सहायता तीसरे और चौथे वर्ष भी जारी रहेगी।

कंटेनर विनिर्माण सहायता योजना(Container Manufacturing Assistance Scheme ,CMAS)

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित यह योजना 5 वर्षों के लिए **₹10,000 करोड़** के परिव्यय के साथ घरेलू कंटेनर विनिर्माण को बढ़ावा देने की लक्षित पहल है।

- ✓ **उत्पादन लक्ष्य:** वार्षिक घरेलू क्षमता को 10 गुना बढ़ाकर **7.5 लाख TEUs** (Twenty-foot Equivalent Units) तक पहुँचाना। (वर्तमान क्षमता से ~10 गुना अधिक
- ✓ **वित्तीय एवं इकोसिस्टम सहायता:** नए ग्रीनफील्ड संयंत्रों, मौजूदा ब्राउनफील्ड इकाइयों के विस्तार, परिचालन सहायता, परीक्षण अवसंरचना और कौशल विकास हेतु सहायता।
- ✓ **रणनीतिक उद्देश्य:** आयात निर्भरता (सालाना 20 लाख खाली कंटेनरों का आयात) को कम करना और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना।
- ✓ **नीतिगत संरेखण:** 'मेक इन इंडिया', 'मैरीटाइम अमृत काल विज़न 2047' और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पहलों से संरेखित।
- ✓ **शिपिंग कंटेनर:** ये ISO विनिर्देशों के अनुरूप इस्पात से निर्मित मानकीकृत माल ढुलाई इकाइयाँ हैं, जिनकी क्षमता TEUs में मापी जाती है।
- ✓ **भारत कंटेनर शिपिंग Line:** फरवरी 2026 में स्थापित इस संयुक्त उद्यम का लक्ष्य **₹99,149 करोड़** के निवेश से 51 पोतों का बेड़ा और स्वदेशी कंटेनर जुटाना है।
- ✓ **सहायक नीतियां एवं कानून:** PM गति शक्ति, राष्ट्रीय रसद नीति, सागरमाला कार्यक्रम के साथ मर्चेंट शिपिंग, तटीय नौवहन और भारतीय बंदरगाह अधिनियम (2025) लागू।
- ✓ **डिजिटल शासन एवं अवसंरचना पैकेज:** वन नेशन वन पोर्ट, मैरीटाइम सिंगल विंडो, ई-समुद्र पोर्टल और **₹70,000 करोड़** का शिपबिल्डिंग पैकेज।
- ✓ **प्रमुख बंदरगाह परियोजनाएं:** वधावन पोर्ट, गलाथिया बे (ग्रेट निकोबार) ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, टूना टेकरा और VOC पोर्ट आउटर हार्बर।

PMFME योजना (प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना)

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना (PMFME) 29 जून 2020 को शुरू की गई एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय **(MoFPI)** द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

योजना का ढाँचा एवं उद्देश्य (Framework & Objective)

- **शुरुआत एवं मंत्रालय:** 29 जून, 2020 को **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय** द्वारा प्रारंभ।
- **प्रकृति: केंद्र प्रायोजित योजना** आत्मनिर्भर भारत अभियान का हिस्सा।
- **मुख्य उद्देश्य:** सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण, उनकी प्रतिस्पर्द्धात्मकता बढ़ाना तथा 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देना।

वित्तीय सहायता संरचना

- **व्यक्तिगत इकाइयाँ:**
  - नई इकाई स्थापित करने या पुरानी के उन्नयन हेतु **35% ऋण-संबद्ध पूंजीगत सब्सिडी**।
  - **अधिकतम सीमा: ₹10 लाख** प्रति इकाई।
- **सामूहिक अवसंरचना (FPO / SHG / सहकारी समितियाँ):**
  - सामान्य अवसंरचना व इंक्यूबेशन सेंटर हेतु **35% सब्सिडी**।
  - **अधिकतम सीमा: ₹3 करोड़** (लाभार्थी का न्यूनतम योगदान: 10%)।
- **स्वयं सहायता समूहों (SHG) हेतु प्रारम्भिक पूँजी (Seed Capital):**
  - कार्यशील पूँजी व छोटे उपकरणों हेतु **₹40,000 प्रति सदस्य**।
  - **अधिकतम सीमा: ₹4 लाख प्रति SHG**।

'एक ज़िला एक उत्पाद' रणनीति

- **अवधारणा:** कच्चे माल की खरीद, विपणन और अवसंरचना में **'पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं' (Economies of Scale)** को बढ़ावा देना।
- **विस्तार:** देश के **713 ज़िलों में 137 विशिष्ट उत्पादों** को स्वीकृति।

प्रधानमंत्री जन धन योजना (PM-JDY):

- ✓ **शुरुआत एवं नोडल निकाय:** अगस्त 2014 में प्रारंभ; **वित्तीय सेवा विभाग (DFS), वित्त मंत्रालय** द्वारा संचालित।
- ✓ **प्रकृति एवं मुख्य उद्देश्य:** राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन मिशन | किफायती दरों पर मूल बचत खाते, क्रेडिट, बीमा, पेंशन और प्रेषण सेवाओं तक पहुँच।
- ✓ **रणनीतिक लक्ष्य में बदलाव (2018):** पहुँच का विस्तार **"प्रत्येक परिवार"** से बदलकर **"प्रत्येक बैंक-रहित वयस्क"** किया गया।
- ✓ **अंतर्राष्ट्रीय पहचान:** गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (2015 में 1 सप्ताह में सर्वाधिक खाते) तथा विश्व बैंक/IMF द्वारा वित्तीय लोकतंत्रीकरण का मॉडल स्वीकारित।

विशेषताएँ

- ✓ मूल बचत बैंक जमा खाता: शून्य शेष सुविधा; कोई पेनल्टी नहीं; सामान्य बचत खाता ब्याज दर।
- ✓ लघु/छोटा खाता: आधिकारिक वैध दस्तावेजों के अभाव में 12 महीने के लिए वैध अस्थायी खाता (दस्तावेज प्रमाण पर 12 माह अतिरिक्त विस्तार)।
  - **रूपे डेबिट कार्ड एवं दुर्घटना बीमा:**
    - मुफ्त रूपे डेबिट कार्ड प्रदान।
    - **₹2 लाख** का दुर्घटना बीमा कवर (28 अगस्त, 2018 के बाद खोले गए खातों हेतु; पूर्व खातों हेतु ₹1 लाख)। NPCI द्वारा प्रीमियम भुगतान।
  - **ओवरड्राफ्ट सुविधा:** 6 महीने के संतोषजनक संचालन के बाद प्रति परिवार एक खाताधारक (प्राथमिकता: महिला) हेतु **₹10,000** तक का ओवरड्राफ्ट।

उपलब्धियाँ

- ✓ JAM ट्रिनिटी का आधार: जन धन-आधार-मोबाइल (JAM) ढाँचे द्वारा लीकेज-मुक्त DBT और राजकोषीय बचत।
- ✓ समावेशी विस्तार:
    - कुल खातों में ~**56% महिला खाताधारक**।
    - ~**78% खाते ग्रामीण एवं अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों** में संचालित।
  - ✓ **वित्तीय समावेशन सूचकांक:** वर्ष 2018 के 53.9 से बढ़कर वर्ष 2026 में **67** तक पहुँचा।

चुनौतियाँ

- ✓ अक्रियाशीलता एवं नकद-आधारित उपयोग: खातों में नियमित लेनदेन का अभाव; DBT प्राप्त होते ही निकासी (बचत निर्माण का अभाव)।
- ✓ डिजिटल साक्षरता व सुरक्षा: साइबर धोखाधड़ी की आशंका के कारण UPI का सीमित उपयोग।
- ✓ डिजिटल एवं बायोमेट्रिक बाधाएँ: दूरस्थ क्षेत्रों में नेटवर्क समस्या के कारण आधार सक्षम भुगतान प्रणाली की विफलता।
- ✓ कवरेज रूपांतरण कमी: BSBD खातों का सूक्ष्म-बीमा और सूक्ष्म-पेंशन योजनाओं में कम रूपांतरण।

सुधार हेतु भावी मार्ग

- **"पहुँच" से "सक्रिय उपयोग" की ओर:** सूक्ष्म-बचत प्रोत्साहन और वित्तीय साक्षरता के माध्यम से खातों में नियमित लेनदेन बढ़ाना।
- **अंतिम छोर की तकनीक:** AePS विफलताओं को रोकने हेतु आईरिस व फेस-रिकग्निशन प्रमाणीकरण; कम इंटरनेट वाले क्षेत्रों हेतु **UPI 123PAY / UPI Lite X** का विस्तार।
- **बैंक मित्र मॉडल का सुदृढ़ीकरण:** 'बैंक सखी' मॉडल का विस्तार तथा BC एजेंटों हेतु स्थायी आधार वेतन (Base Pay) + कमीशन मॉडल लागू करना।

'वेत्री वानमगल' योजना: तमिलनाडु सरकार

चर्चा में क्यों?

तमिलनाडु सरकार द्वारा महिला किसानों को ड्रोन संचालन में प्रशिक्षित करने और उन्हें आधुनिक कृषि से जोड़ने के लिए **'वेत्री वानमगल' योजना** की घोषणा की गई है, जो कृषि क्षेत्र में लैंगिक समानता और तकनीकी आधुनिकीकरण को बढ़ावा देती है।

योजना के प्रमुख बिंदु :

- **नोडल राज्य:** तमिलनाडु सरकार (कृषि और किसान कल्याण विभाग)।
- **मुख्य उद्देश्य:** कृषि में ड्रोन तकनीक के उपयोग से सटीकता बढ़ाना, कृषि में श्रम संकट से निपटना और ग्रामीण महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसर पैदा करना।
- **प्रशिक्षण कार्यक्रम:** इसके तहत कुल 500 पात्र व्यक्तियों (जिनमें 100 महिलाएं शामिल हैं) को कृषि ड्रोन ऑपरेटर का प्रशिक्षण और ड्रोन पायलट लाइसेंस दिया जाएगा।
- **कार्यान्वयन संस्थान:** यह प्रशिक्षण **तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय** के 'रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन' के माध्यम से दिया जाएगा।
- **वित्तीय प्रावधान:**
    - प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए ₹1.50 करोड़ का आवंटन किया गया है।
    - प्रशिक्षित महिलाओं में से 50 महिलाओं को **50% सब्सिडी** पर कृषि ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए ₹2.50 करोड़ का अलग बजट रखा गया है।

इसके माध्यम से उर्वरकों, नैनो-यूरिया और कीटनाशकों का सुरक्षित व वैज्ञानिक छिड़काव संभव हो सकेगा। संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा वर्ष **2026** को **'अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष'** घोषित किए जाने के परिप्रेक्ष्य में यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अनूठी पहल है।

'फ्रेंड्स ऑफ MY भारत' पहल

चर्चा में क्यों?

19 अगस्त 2026 को **युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय** द्वारा वैश्विक स्तर पर भारतीय मूल के युवाओं को भारत के राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के लिए **'फ्रेंड्स ऑफ MY भारत'** पहल की शुरुआत की गई है।

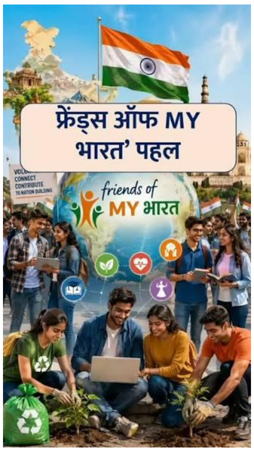

मुख्य विवरण:

- **नोडल मंत्रालय:** युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय।
- **मुख्य उद्देश्य:** दुनिया भर में फैले भारतीय मूल (Indian Origin) के छात्रों और युवा पेशेवरों को भारत की विकास यात्रा, स्वयंसेवी अवसरों और राष्ट्र-निर्माण की गतिविधियों से जोड़ना।
- **पृष्ठभूमि:** यह पहल भारत सरकार के **'मेरा युवा भारत' (MY Bharat)** मंच का एक विस्तार है, जिसे मूल रूप से 31 अक्टूबर 2023 (राष्ट्रीय एकता दिवस) पर लॉन्च किया गया था।
- **प्रमुख विशेषताएं व गतिविधियाँ:**
    - **नेटवर्किंग:** पंजीकृत युवा अपने युवा क्लबों, संघों और गतिविधियों की जानकारी साझा कर सकते हैं।
    - **स्वयंसेवी अवसर:** शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य जागरूकता, आपदा राहत और सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्रों में कार्य करने का अवसर।
    - **'नो योर इंडिया' अनुभाग:** इसके तहत भारत की संस्कृति, विरासत, इतिहास, पर्यटन और प्रमुख नेताओं के बारे में जानकारी प्रदान करने हेतु एक समर्पित खंड बनाया गया है।

MY Bharat डिजिटल प्लेटफॉर्म भारत के युवाओं को एक ही मंच पर लाने और उनके नेतृत्व कौशल को विकसित करने के लिए एक व्यापक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करता है।

'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान'

चर्चा में क्यों?

2 अगस्त 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा युवाओं को मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध एकजुट करने और नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने के लिए **'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान'** का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ किया गया है।

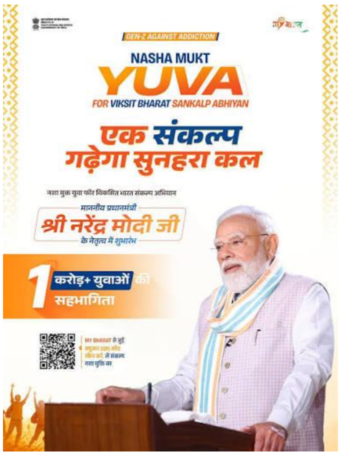

- **शुभारंभ व नेतृत्व:** इस राष्ट्रव्यापी अभियान का नेतृत्व **'मेरा युवा भारत' (MY Bharat)** मंच द्वारा किया जा रहा है। इसके वर्चुअल लॉन्च के दौरान देश भर के 28,000 से अधिक स्थानों से 1 करोड़ से अधिक युवाओं ने जुड़कर नशा मुक्ति की शपथ ली।
- **अवधि व कार्ययोजना:** यह अभियान **100 सप्ताह** तक चलेगा, जिसके तहत आगामी 100 हफ्तों तक प्रत्येक रविवार को खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ध्यान सत्र, योग और जागरूकता अभियानों जैसी विशेष गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।
- **पृष्ठभूमि:** इस व्यापक राष्ट्रीय पहल की नींव वर्ष 2025 की **'काशी घोषणा'** के तहत रखी गई थी, जिसमें युवाओं के नेतृत्व वाले नशामुक्ति आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई थी।

उद्देश्य एवं महत्व:

- **स्वस्थ युवा पीढ़ी:** शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, मजबूत तथा आत्मविश्वासी युवा आबादी का निर्माण करना।
- **व्यवहार परिवर्तन:** मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे एक व्यापक 'जन-आंदोलन' का रूप देना।
- **विज़न 2047:** इस पहल को वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के दीर्घकालिक राष्ट्रीय दृष्टिकोण और 'अमृत काल' की प्राथमिकताओं से जोड़ा गया है।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाला 'MY Bharat' डिजिटल प्लेटफॉर्म देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण और सामुदायिक विकास की गतिविधियों से जोड़ने वाला एक प्रमुख स्वायत्त मंच है।

टेरियर साइबर क्वेस्ट 2026 (TCQ 3.0)

चर्चा में क्यों?

भारतीय सेना की प्रादेशिक सेना ने 'साइबरपीस' के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर के हैकथॉन **'टेरियर साइबर क्वेस्ट 2026' (TCQ 3.0)** के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य उभरती रक्षा और साइबर सुरक्षा चुनौतियों के लिए नवीन स्वदेशी समाधान विकसित करना है।

मुख्य विवरण:

- **आयोजक:** प्रादेशिक सेना, साइबरपीस के सहयोग से।
- **उद्देश्य:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), साइबर सुरक्षा, खतरा शमन और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए डिजिटल जागरूकता को बढ़ावा देना तथा स्वदेशी तकनीकी समाधान तैयार करना।
- **प्रमुख ट्रैक:** इस प्रतियोगिता में मुख्य रूप से तीन ट्रैक शामिल हैं — **बग हंटिंग**, **एआई कवच** और **क्रिएटर्स चैलेंज**।
- **महत्वपूर्ण तिथियां:**
    - ऑनलाइन चयन प्रक्रिया: 1 से 10 सितंबर 2026
    - ग्रैंड फिनाले (नई दिल्ली): 6 से 8 अक्टूबर 2026 (36 घंटे का लाइव सैंडबॉक्स फाइनल)

- पुरस्कार समारोह: 9 अक्टूबर 2026

यह पहल शिक्षाविदों, उद्योग जगत, अनुसंधान संस्थानों और सशस्त्र बलों को एक मंच पर लाकर देश के रक्षा तंत्र को डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर बनाने में सहायक है।

चर्चित व्यक्तित्व (नियुक्ति + निधन + अन्य)

मिर्ज़ा फखरुल इस्लाम आलमगीर: बांग्लादेश के 23वें राष्ट्रपति

चर्चा में क्यों?

20 अगस्त 2026 को हुए राष्ट्रपति चुनाव में सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के वरिष्ठ नेता मिर्ज़ा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने ढाका के बंगभवन में बांग्लादेश के 23वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। यह पिछले 35 वर्षों में देश का पहला ऐसा राष्ट्रपति चुनाव था जिसमें एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में थे।

चुनावी प्रक्रिया और मुख्य आँकड़े:

- **मतदान और सहभागिता:** इस चुनाव में जातीय संसद के कुल 343 सांसदों ने हिस्सा लिया, क्योंकि बांग्लादेश में राष्ट्रपति का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से संसद सदस्यों द्वारा किया जाता है।
- **प्रतिद्वंदिता और परिणाम:** मिर्ज़ा फखरुल इस्लाम आलमगीर को 255 वोट मिले। उन्होंने जमात-ए-इस्लामी समर्थित विपक्षी उम्मीदवार कर्नल (सेवानिवृत्त) ओली अहमद को हराया, जिन्हें 88 वोट प्राप्त हुए।
- **शपथ ग्रहण:** उन्हें कार्यवाहक/उपाध्यक्ष स्पीकर कैसर कमाल द्वारा पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।
- **उत्तराधिकारी:** यह पद पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के स्वास्थ्य कारणों से दिए गए इस्तीफे के बाद रिक्त हुआ था।

राजनीतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- **शैक्षणिक एवं राजनीतिक सफर:** राजनीति में सक्रिय होने से पहले आलमगीर एक अर्थशास्त्र के शिक्षक थे और वे बीएनपी (BNP) के महासचिव के रूप में भी सेवा दे चुके हैं।
- **भारत संबंध:** वर्ष 1971 के ऐतिहासिक बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान उन्होंने भारत में शरण ली थी।

एयर मार्शल तेजपाल सिंह - डिप्टी चीफ ऑफ एयर स्टाफ

चर्चा में क्यों?

एयर मार्शल तेजपाल सिंह ने 1 अगस्त 2026 को डिप्टी चीफ ऑफ एयर स्टाफ का पदभार ग्रहण किया है।

प्रमुख बिंदु:

- **कैरियर की शुरुआत:** वे 16 जून 1990 को भारतीय वायु सेना में फाइटर पायलट के तौर पर शामिल हुए थे।
- **उड़ान का अनुभव:** उन्हें 3,500 घंटे से ज़्यादा की उड़ान का अनुभव प्राप्त है।
- **विशिष्ट योग्यताएं:** वे कैटेगरी A क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट हैं।
- **अनुभव:** उन्होंने भारतीय वायु सेना में कई महत्वपूर्ण ऑपरेशनल, कमांड और स्टाफ पदों पर कार्य किया है।

वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद - डिप्टी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ

चर्चा में क्यों?

वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद ने 1 अगस्त 2026 को भारतीय नौसेना के नए डिप्टी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ के रूप में पदभार संभाल लिया है।

प्रमुख बिंदु :

- **पूर्ववर्ती (उत्तराधिकार):** उन्होंने वाइस एडमिरल तरुण सोबती का स्थान लिया है, जो 38 साल से अधिक की शानदार सेवा के बाद 31 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त हुए थे।
- **कैरियर की शुरुआत:** वे 1 जुलाई 1990 को भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे और उन्होंने कमांड, ऑपरेशनल, इंस्ट्रक्शनल और स्टाफ पदों पर 36 साल से अधिक समय तक सेवाएं दी हैं।
- **विशेषज्ञता:** वे संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ तथा सी किंग एयर ऑपरेशन अधिकारी हैं।
- **प्रमुख ऑपरेशनल योगदान:**
    - दिसंबर 2023 से जुलाई 2026 तक नौसेना संचालन के महानिदेशक (DGNO) के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में नौसेना की योजना और परिचालन तत्परता में अहम भूमिका निभाई।
    - इसके अलावा, उन्होंने 1999 के 'ऑपरेशन विजय' (कारगिल) और 2001 के 'ऑपरेशन पराक्रम' में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं।

हाकाइंदे हिचिलेमा का जाम्बिया के राष्ट्रपति के रूप में पुनर्निर्वाचन

चर्चा में क्यों?

18 अगस्त 2026 को जाम्बिया निर्वाचन आयोग ने आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि जाम्बिया के राष्ट्रपति हाकाइंदे हिचिलेमा को देश का पुनः राष्ट्रपति चुन लिया गया है।

मुख्य बिंदु:

- **मतदान और बहुमत:** हिचिलेमा ने संवैधानिक रूप से आवश्यक 50% के आंकड़े को पार करते हुए लगभग 2.9 मिलियन से अधिक वैध मत (कुल मतों का लगभग 60.4% हिस्सा) हासिल किए और बिना किसी रन-ऑफ के सीधी जीत दर्ज की।
- **राजनीतिक पृष्ठभूमि:** वे सत्तारूढ़ दल 'यूनाइटेड पार्टी फॉर नेशनल डेवलपमेंट' (UPND) से संबंधित हैं, जिन्होंने पहली बार अगस्त 2021 में तत्कालीन राष्ट्रपति एडगर लुंगू को हराकर सत्ता संभाली थी।
- **भारत-जाम्बिया संबंध:** भारत और जाम्बिया के बीच कूटनीतिक संबंध वर्ष 1964 में जाम्बिया की स्वतंत्रता के तुरंत बाद स्थापित किए गए थे।

एबेलार्डो डे ला एस्प्रीएला - कोलंबिया के राष्ट्रपति

चर्चा में क्यों?

एबेलार्डो डे ला एस्प्रीएला ने 7 अगस्त 2026 को कोलंबिया के 36वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली है, जिससे देश की राजनीति में एक प्रमुख दक्षिणपंथी झुकाव देखने को मिला है।

मुख्य बिंदु:

- **पूर्ववर्ती और राजनीतिक बदलाव:** उन्होंने निवर्तमान वामपंथी राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो का स्थान लिया है।
- **शपथ ग्रहण स्थल:** परंपरा से हटकर सुरक्षा और प्रशासनिक संदेश देने के लिए उन्होंने राजधानी बोगोटा के बजाय देश के अशांत दक्षिण-पश्चिम हिस्से में स्थित शहर कैली में शपथ ली।
- **राजनीतिक पृष्ठभूमि:** वह 'डिफेंडर्स ऑफ द होमलैंड' पार्टी के संस्थापक हैं तथा राष्ट्रपति बनने से पहले उन्होंने कभी कोई सार्वजनिक या निर्वाचित पद नहीं संभाला था।

प्रमुख नीतियां और दृष्टिकोण:

- **सुरक्षा एवं सैन्य कार्रवाई:** उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति पेट्रो की शांति वार्ताओं को निलंबित कर FARC विद्रोही समूहों और ड्रग तस्करों के खिलाफ 'ऑपरेशन अजारियास' जैसी सख्त सैन्य कार्रवाई शुरू की है।
- **आर्थिक और वित्तीय नीतियां:** सरकारी खर्चों में 40 प्रतिशत तक की कटौती करने का प्रस्ताव रखा है तथा कोलंबिया के तेल और गैस उद्योग को पुनर्जीवित करने को प्राथमिकता दी है।
- **अंतर्राष्ट्रीय संबंध:** वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मुखर समर्थक हैं और पद संभालते ही अमेरिका द्वारा वांछित अपराधियों के प्रत्यर्पण को मंजूरी दी है।

Result Mitra

रामनाथ कोविंद की आत्मकथा

चर्चा में क्यों?

12 अगस्त 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' का विमोचन किया है।

पुस्तक से जुड़े मुख्य बिंदु:

- **प्रकाशन:** इस पुस्तक को रूपा पब्लिकेशंस द्वारा प्रकाशित किया गया है।
- **विषय वस्तु:** यह पुस्तक कानपुर देहात के परौंख गांव के एक साधारण परिवार से लेकर भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने के उनके सफर और राष्ट्रपति भवन के अनुभवों को दर्शाती है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य:

- **कार्यकाल:** उन्होंने 2017 से 2022 तक देश के 14वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।
- **संवैधानिक पद:** राष्ट्रपति बनने से पहले वह बिहार के राज्यपाल (2015-2017) और उत्तर प्रदेश से दो बार राज्यसभा सांसद (1994-2006) रहे।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** वह उत्तर प्रदेश और भाजपा से देश के पहले राष्ट्रपति तथा के. आर. नारायणन के बाद दूसरे दलित राष्ट्रपति हैं।
- **प्रमुख जिम्मेदारी:** सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने भारत सरकार की 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्षता की है।

फिल्म निर्माता कुकू कोहली का निधन

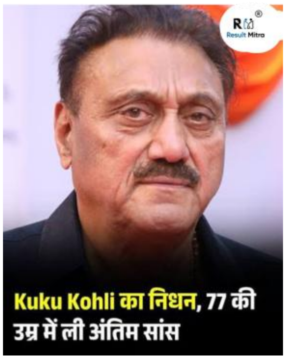

चर्चा में क्यों?

दिग्गज बॉलीवुड फिल्म निर्माता अवतार "कुकू" कोहली का 25 अगस्त 2026 को मुंबई में निधन हो गया है। उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत बतौर सहायक निर्देशक राज कपूर के साथ की थी।

मुख्य निर्देशकीय कार्य एवं फिल्में:

- **निर्देशकीय पदार्पण:** उन्होंने वर्ष 1991 में एक्शन ड्रामा फिल्म **'फूल और कांटे'** से अपने निर्देशन करियर की शुरुआत की थी, इसी फिल्म से अभिनेता **अजय देवगन** ने हिंदी सिनेमा में बतौर मुख्य अभिनेता पदार्पण किया था।
- **प्रमुख फिल्में:** उनकी अन्य उल्लेखनीय फिल्मों में *सुहाग (1994)*, *हकीकत (1995)*, *अनारी नंबर 1 (1999)* और *वो तेरा नाम था (2004)* शामिल हैं।

व्यक्तिगत जीवन: कुकू कोहली का विवाह वर्ष 1990 में प्रसिद्ध अभिनेत्री **अरुणा ईरानी** से हुआ था। उनके निधन की पुष्टि भारतीय फिल्म और टेलीविजन निर्माता संघ (IMPPA) के अध्यक्ष अभय सिन्हा और फिल्म निर्माता अशोक पंडित द्वारा की गई।

डॉ. गुरदयाल सिंह ढिल्लों की जयंती

चर्चा में क्यों?

6 अगस्त 2026 को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संविधान सदन (नई दिल्ली) के सेंट्रल हॉल में लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. गुरदयाल सिंह ढिल्लों की जन्म वर्षगांठ के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु:

- **व्यक्तिगत परिचय:** डॉ. गुरदयाल सिंह ढिल्लों एक प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, सांसद और पत्रकार थे, जिन्हें भारत के संसदीय लोकतंत्र में उनके योगदान के लिए याद किया जाता है।
- **जन्म और स्वतंत्रता आंदोलन:** उनका जन्म 6 अगस्त 1915 को अमृतसर में हुआ था। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और किसान आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था।
- **पत्रकारिता और योगदान:** स्वतंत्रता के बाद, उन्होंने उर्दू दैनिक 'शेर-ए-भारत' के मुख्य संपादक और नेशनल सिख न्यूजपेपर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य करते हुए सांप्रदायिक सद्भाव और सामाजिक एकता को बढ़ावा दिया।

डॉ. डी. वाई. पाटिल का निधन

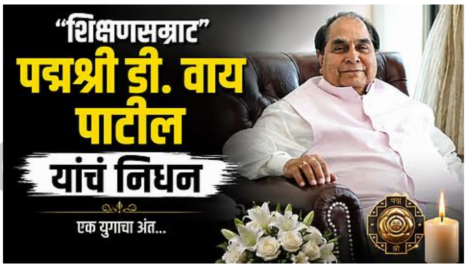

चर्चा में क्यों?

4 अगस्त 2026 को प्रसिद्ध शिक्षाविद् और डी. वाई. पाटिल समूह के संस्थापक डॉ. डी. वाई. पाटिल का लंबी बीमारी के बाद महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

मुख्य बिंदु:

- **संवैधानिक और राजनीतिक भूमिका:** उन्होंने त्रिपुरा, बिहार और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं।
- **संस्थागत योगदान:** उन्हें 1991 में 'पद्म श्री' से सम्मानित किया गया था। वे 'डी. वाई. पाटिल ग्रुप' के संस्थापक थे, जिसके तहत विशेष रूप से महाराष्ट्र सहित पूरे देश में कई स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और अस्पताल स्थापित किए गए।
- **प्रमुख क्षेत्र:** उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, परोपकार और समाज सेवा के क्षेत्र में उनके अपूर्व योगदान के लिए जाना जाता था।

नॉर्वे के नए सम्राट - किंग हाकन आठवीं

चर्चा में क्यों?

29 अगस्त 2026 को नॉर्वे के 35 वर्षों तक राजा रहे किंग हेराल्ड के निधन के बाद, उनके 53 वर्षीय पुत्र किंग हाकन आठवीं (King Haakon VIII) ने नॉर्वे के नए सम्राट के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

मुख्य बिंदु:

- **कार्यकाल और उत्तराधिकार:** किंग हेराल्ड ने लगभग 35 वर्षों तक नॉर्वे के राजशाही पद पर सेवा दी थी, जिनके निधन के बाद अब उनके उत्तराधिकारी किंग हाकन आठवीं ने गद्दी संभाली है।
- **राष्ट्रीय शोक:** राजा के सम्मान में पूरे देश में एक राष्ट्रीय शोक अवधि की घोषणा की गई तथा देश भर में राष्ट्रीय ध्वज को आधा झुका दिया गया।

डॉली पार्टन का 80 वर्ष की आयु में निधन

चर्चा में क्यों?

25 अगस्त 2026 को महान अमेरिकी गायिका, गीतकार और अभिनेत्री डॉली पार्टन का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया है।

मुख्य बिंदु:

- **संगीत करियर:** उन्होंने छह वर्ष की आयु में ही गाने लिखना शुरू कर दिया था और वे 100 मिलियन से अधिक रिकॉर्ड की बिक्री के साथ दुनिया की सबसे अधिक बिकने वाली महिला कलाकारों में शामिल रहीं।
- **प्रसिद्ध रचनाएं और पुरस्कार:** उनके प्रसिद्ध गीतों में "जोलीन" और "आई विल ऑलवेज लव यू" शामिल हैं, तथा उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित कुल 11 ग्रैमी पुरस्कार प्राप्त हुए थे।
- **उद्यमिता:** उन्होंने अभिनय और टेलीविजन होस्टिंग के अलावा टेनेसी में 'डॉलीवुड' नामक एक प्रसिद्ध थीम पार्क की भी स्थापना की थी।

वरिष्ठ अभिनेत्री 'सावकार' जानकी का निधन

चर्चा में क्यों?

21 अगस्त 2026 को भारतीय सिनेमा की दिग्गज और अनुभवी अभिनेत्री 'सावकार' जानकी का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया है।

मुख्य बिंदु:

- **सिनेमाई करियर:** उन्होंने अपने सात दशक लंबे करियर में तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ सिनेमा की 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया।
- **डेब्यू और पहचान:** उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत वर्ष 1950 में एल. वी. प्रसाद द्वारा निर्देशित तेलुगू फिल्म 'शावकार' से की थी, जिससे उन्हें 'सावकार' उपनाम मिला।
- **प्रसिद्ध फिल्में:** उनकी प्रसिद्ध तमिल फिल्मों में 'पुथिया परावै', 'नीरकुमिझी', 'इधिर नीचल', 'इरु कोदुगल' और 'थिल्लू मुल्लू' शामिल हैं, जबकि तेलुगू सिनेमा में 'रोजुलु मरायी', 'कन्याशुल्कम' और 'डॉक्टर चक्रवर्ती' उनकी उल्लेखनीय फिल्में रहीं।

अगस्त 2026 के सभी महत्वपूर्ण दिवस:

तिथि	दिवस का नाम	थीम / विषय
1-7 अगस्त	विश्व स्तनपान सप्ताह	**जीवन की सतत शुरुआत के लिए स्तनपान:**
07 अगस्त	राष्ट्रीय हथकरघा दिवस	**बुनकरों का सम्मान, परंपराओं का नवीनीकरण, क्षितिज का विस्तार**
08 अगस्त	भारत छोड़ो आंदोलन दिवस	
09 अगस्त	अंतर्राष्ट्रीय विश्व स्वदेशी जन दिवस	आदिवासी पारंपरिक दाइयों का सम्मान: जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा
09 अगस्त	नागासाकी दिवस	
10 अगस्त	विश्व शेर दिवस	
12 अगस्त	अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस	विषय: विभिन्न संदर्भ, समान आकांक्षाएं
12 अगस्त	विश्व हाथी दिवस	विषय: हाथियों की सहायता के लिये विश्व को एकजुट करना
14 अगस्त	विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस	
15 अगस्त	भारत का स्वतंत्रता दिवस	"वंदे मातरम् के 150 वर्ष" और **"विकसित भारत@2047 के लिए युवा शक्ति"**
19 अगस्त	विश्व मानवतावादी दिवस	शहीद मानवतावादियों के परिवार
20 अगस्त	सद्भावना दिवस	राष्ट्रीय एकता, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव
23 अगस्त	राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस	विषय- विकसित भारत की ओर: नवाचार, सहयोग और वैश्विक अंतरिक्ष नेतृत्व की आकांक्षा
28 अगस्त	विश्व संस्कृत दिवस	
29 अगस्त	राष्ट्रीय खेल दिवस	राष्ट्रीय नारा: खेलेगा भारत, जीतेगा भारत
29 अगस्त	परमाणु परीक्षणों के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस	
30 अगस्त	लघु उद्योग दिवस	